बालाघाट
सोमवार 02 नवंबर 2026
कार्तिक कृष्ण 07 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 17, अंक 42
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

वायुसेना प्रमुख दीक्षित को गार्ड ऑफ ऑनर

नई दिल्ली। एयर चीफ मार्शल आशुतोष दीक्षित ने भारतीय वायुसेना के 29वें प्रमुख के रूप में कार्यभार संभाल लिया है। 1 नवंबर 2026 को राजधानी दिल्ली में गार्ड ऑफ ऑनर मिलने के बाद उन्होंने अपनी प्राथमिकताओं को स्पष्ट किया। उन्होंने सीधे तौर पर चीन और पाकिस्तान का नाम लिए बगैर यह रेखांकित किया कि वायुसेना को हर चुनौती का सामना करने के लिए तैयार करना उनकी सबसे बड़ी प्राथमिकता है। यह तब हुआ है जब रूस-यूक्रेन और ईरान में चल रहे संघर्ष जैसे वैश्विक हालात में वायुसेना की भूमिका महत्त्वपूर्ण साबित हुई है, इसलिए वे चुनौतीपूर्ण समय में भारतीय वायुसेना की कमान संभालना एक बड़ी जिम्मेदारी है।

मलप्पुरम में जब्त भारी मात्रा में जिलेटिन छड़ें नष्ट होंगी

मलप्पुरम। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) को केरल के मलप्पुरम जिले से जब्त 89,600 जिलेटिन छड़ों और बड़ी संख्या में गैर-विस्फोटक डेटोनेटरों को नष्ट करने की कोर्ट से हरी झंडी मिली है। विशेषज्ञों की मदद से इन विस्फोटकों को निष्क्रिय किया जाएगा। यह विस्फोटक इसी साल 7 फरवरी को तिरुरंगाडी में ट्रक की बोरियों से लदे एक ट्रक से जब्त किए थे। एनआईए ने अदालत में याचिका दायर कर दलील दी थी कि इतने बड़े पैमाने पर विस्फोटकों को लंबे समय तक सुरक्षित रखना सुरक्षा के लिहाज से खतरनाक है। एनआईए की विशेष अदालत के न्यायाधीश पी. के. मोहनदास ने 30 अक्टूबर को याचिका पर सुनवाई कर एजेंसी को इसकी अनुमति दे दी। अदालत ने यह भी निर्देश दिया है कि नष्ट करने से पहले मामले में सबूत के तौर पर इस्तेमाल करने के लिए विस्फोटकों के नमूने एकत्र किए जाएं।

अक्टूबर में जीएसटी संग्रह 2.31 लाख करोड़ के पार

नई दिल्ली। देश का कुल माल एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह अक्टूबर में सालाना आधार पर 23 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि दर्ज करते हुए 2.31 लाख करोड़ रुपये से अधिक पहुंच गया है। सरकार द्वारा रविवार को जारी आंकड़ों के अनुसार घरेलू गतिविधियों में मजबूती और आयात से प्राप्त राजस्व में उल्लेखनीय वृद्धि इस उछाल के प्रमुख कारण रहे। आंकड़ों के मुताबिक अक्टूबर में घरेलू बिक्री से जीएसटी संग्रह 16 प्रतिशत बढ़कर 1.59 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा, वहीं आयात से प्राप्त राजस्व में 42 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई और यह बढ़कर 72,246 करोड़ रुपये हो गया। कुल जीएसटी संग्रह में केंद्रीय जीएसटी (सीजीएसटी) का योगदान 42,935 करोड़ रुपये, राज्य जीएसटी (एसजीएसटी) का 51,340 करोड़ रुपये और एकीकृत जीएसटी का योगदान 1.37 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा।

कुछ ना कहना



इंडिया गठबंधन की रैली को संबोधित कर राहुल गांधी ने भरी हुंकार

मोदी, शाह और ज्ञानेश कुमार को जेल जाना होगा...

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के रामलीला मैदान में इंडिया गठबंधन की रैली के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपे) पर गंभीर आरोप लगाए। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने चुनावों में वोट चोरी का दावा कर कहा कि यह कई सालों से हो रही है। उन्होंने मध्य प्रदेश, हरियाणा, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और कर्नाटक के चुनावों के साथ-साथ 2024 के लोकसभा चुनाव में भी वोट चोरी होने का आरोप लगा दिया है। राहुल गांधी ने दावा किया कि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) में गड़बड़ी की गई और मतदाता सूची से लोगों के नाम हटाकर व नए नाम जोड़कर भी चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित किया गया।

अपने संबोधन में, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को सीधे निशाने पर लिया। उन्होंने शाह के बयान का जिक्र कर कहा कि मोदी कहीं नहीं जा सकते, अगर वह जाना भी चाहें, तब उन्हें जाने नहीं दिया जाएगा। राहुल गांधी ने स्पष्ट रूप से घोषणा की, पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह याद रखिए, आप कहीं नहीं जा सकते हैं। ज्ञानेश कुमार सीईसी पद से हटेगा और मोदी-शाह पर भी कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा कि वे ज्ञानेश कुमार के बाद सीधे प्रधानमंत्री मोदी और उनकी सरकार के खिलाफ खड़े होंगे और कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे।

हालांकि, राहुल गांधी ने स्पष्ट किया कि उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, शाह या मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार से व्यक्तिगत नफरत नहीं है। उन्होंने कहा, हम नफरत नहीं, मोहब्बत की दुकान खोलने वाले लोग हैं और अहिंसा में विश्वास रखते हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि उनके लिए कोई दुश्मन नहीं है, लेकिन देश के हर नागरिक की आवाज उनके लिए सर्वोपरि है, चाहे तक कि उनके धर्म से भी ऊपर नागरिकों की आवाज है। उन्होंने दोहराया कि वे हिंसा नहीं करेंगा, किसी को नुकसान नहीं पहुंचाएंगे या नफरत नहीं फैलाएंगे, बल्कि मोहब्बत के साथ काम करेंगा। राहुल गांधी ने दृढ़ता से कहा कि वे किसी भी कीमत पर संविधान को बर्बाद नहीं होने देने वाले और ऐसा करने की किसी को अनुमति नहीं देने वाले है।

राहुल गांधी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर अपने हमले जारी रखकर कहा, मैं देश के हर नागरिक और युवा से कह रहा हूं कि ज्ञानेश कुमार को मुख्य चुनाव आयुक्त के पद से हटाया जाएगा और उन्हें जेल जाना पड़ेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि ज्ञानेश के सहयोग के बिना न नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बन पाते और न ही शाह केंद्रीय गृह मंत्री बन पाते। कांग्रेस नेता ने देश में व्याप्त अन्य समस्याओं का जिक्र किया, जैसे किसानों को उनका हक न मिलना, युवाओं को रोजगार का अभाव और मजदूरों के अधिकारों से वंचित रहना, जबकि देश की अधिकांश संपत्ति कुछ चुनिंदा हाथों में सिमट गई है। राहुल गांधी ने कहा कि वे ऐसा भारत या इस तरह की व्यवस्था को कभी स्वीकार नहीं करने वाले है।



महारैली में विपक्ष का सरकार पर करारा वार : डबल इंजन की सरकार डबल जीरो

राजधानी दिल्ली के रामलीला मैदान में इंडी गठबंधन द्वारा आयोजित महारैली में विपक्षी दलों के नेताओं ने केंद्र और उत्तर प्रदेश की सरकारों पर जमकर हमलाबार है। इस दौरान उन्होंने डबल इंजन की सरकार को डबल जीरो करार देकर लोकतंत्र को बचाने और चुनाव आयोग की भूमिका पर गंभीर सवाल खड़े किए। इंडिया गठबंधन की रैली में समाजवादी पार्टी के प्रमुख और पूर्व सीएम अखिलेश यादव, शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत, कांग्रेस सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा, हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा और सपा सांसद नरायण दास अहिरवार सहित कई प्रमुख नेताओं ने हिस्सा लिया।



समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी पर सीधा निशाना साधा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने स्वयं स्वीकार किया है कि प्रदेश में 1 करोड़ 27 लाख वोट कम हुए हैं, लेकिन उन्हें यह बात एएलसी चुनाव हारने के बाद याद आई। अखिलेश ने तंज कसते हुए कहा, जो लोग डबल इंजन की बात करते थे, वे अब डबल जीरो हुए हैं। अपनी हार स्वीकार न कर पाने के कारण उन्होंने चुनाव आयोग के साथ मिलकर दूसरी बार वोटों की गिनती करवा दी। जिससे एक ही चुनाव में डबल इंजन सरकार को दोहरी हार का सामना करना पड़ा। उन्होंने मुख्यमंत्री के उन दावों पर सवाल उठाया, जिसमें कहा गया था कि ये 1 करोड़ 27 लाख वोट हिंदुओं के नहीं हैं। अखिलेश ने पूछा कि मुख्यमंत्री के पास यह आंकड़ा कहां से आया, क्योंकि ऐसी जानकारी सामान्य तौर पर उपलब्ध नहीं होती।

शिवसेना (यूबीटी) सांसद राउत ने रैली को केवल सामान्य कार्यक्रम न बताकर मेगा रैली करार दिया। उन्होंने बताया कि जंतर-मंतर पर विपक्ष के विरोध प्रदर्शन को रोकने के बाद रामलीला मैदान में महारैली का आयोजन करने का फैसला लिया गया, ताकि पूरा देश लोकतंत्र बचाने के लिए एकजुट हो सके। शिवसेना यूबीटी नेता राउत ने सरकार और चुनाव आयोग दोनों पर निशाना साधकर कहा कि लोकतंत्र और देश को बचाने के लिए इन सभी ताकतों के खिलाफ लड़ना आवश्यक है। उन्होंने राहुल गांधी के नेतृत्व में विपक्षी दलों की एकजुटता पर जोर देकर कहा कि यह आंदोलन इतनी आसानी से थमने वाला नहीं है और ज्ञानेश कुमार को बाहर निकालने तक जारी रहेगा।

कांग्रेस सांसद हुड्डा ने रैली को ऐतिहासिक बताकर कहा कि हरियाणा से भारी संख्या में लोग रामलीला मैदान पहुंचे हैं। उन्होंने भाजपा पर लोकतंत्र को कब्जे में लेने का आरोप लगाकर कहा कि चुनाव आयोग के साथ मिलकर मतदाता सूची से लोगों के नाम काटे गए हैं, जिससे जनता में भारी आक्रोश है। कांग्रेस सांसद हुड्डा ने आरोप लगाया कि रैली में आने वाले लोगों को रोकने के लिए जगह-जगह बैरिकेडिंग की गई है और ट्रैफिक धीमा किया जा रहा है। इस संबंध में उन्होंने हरियाणा पुलिस से भी बात करने की बात कही।

हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने जनता की आवाज बताया, जो आयोग के मौजूदा नेतृत्व के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराने आई है। बैरिकेडिंग के बावजूद उन्होंने रैली के शांतिपूर्ण होने का आश्वासन दिया और कहा कि इससे आंदोलन पर कोई असर नहीं पड़ेगा। समाजवादी पार्टी के सांसद नारायण दास अहिरवार ने कहा कि व्यापारी, मध्यम वर्ग, मजदूर और किसान सहित समाज का हर वर्ग परेशान है, और सत्ताधारी दल के नेताओं को झूठ बोलने की आदत हो गई है।

शेष पृष्ठ 11 पर...

बद्रीनाथ हेलीकॉप्टर हादसे में सभी 6 लोगों के शव बरामद, रेस्क्यू में 100 जवान लगे रहे

शव खराब स्थिति में मिले, पहचान के लिए एम्स ऋषिकेश भेजा गया, डीएनए होगा

देहरादून। उत्तराखंड के चमोली जिले में बदरीनाथ धाम से देहरादून जा रहे हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद चलाया गया रेस्क्यू ऑपरेशन पूरा हो गया। करीब दो दिनों तक चले अभियान के बाद रविवार सुबह सभी छह मृतकों के शव दुर्गम पहाड़ी क्षेत्र से नीचे लाए गए। शवों को पोस्टमार्टम और पहचान के लिए एम्स ऋषिकेश भेज दिया है। बता दें 30 अक्टूबर को ट्रांस भारत एविएशन प्राइवेट लिमिटेड का हेलीकॉप्टर बदरीनाथ धाम से सहस्त्रधारा के लिए उड़ान भर रहा था। इसी दौरान ज्योतिर्मठ क्षेत्र के हाथी पर्वत के पास स्वारी खर्क में हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक हेलीकॉप्टर में कर्नाटक के पांच श्रद्धालु और दिल्ली निवासी पायलट कैप्टन हिमांशु समेत कुल छह लोग सवार थे। हादसे में सभी की मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही च म े ल ी पुलिस, एसडीआरएफ, भारतीय सेना, आईटीबीपी, जिला प्रशासन, फायर और वन विभाग की संयुक्त टीम को घटनास्थल के लिए रवाना हुए। इस अभियान में करीब 100 जवान शामिल थे। दुर्घटनास्थल घने जंगलों और दुर्गम पहाड़ियों के बीच स्थित होने के कारण बचाव दल को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। खराब मौसम, बर्फबारी और अंधेरे ने रेस्क्यू ऑपरेशन को और चुनौतीपूर्ण बना दिया।

रेस्क्यू टीमों को पैदल रास्ते से दुर्घटनास्थल तक पहुंचने में करीब 6 से 7 घंटे लग गए। पहाड़ी की ऊंचाई चोटी पर तैनात सेना के जवान सबसे पहले घटनास्थल पर पहुंचे, जबकि नीचे से रवाना हुई अन्य टीमें शनिवार दोपहर बाद वहां पहुंच सकीं। संयुक्त टीमों ने घटनास्थल से सभी शवों को एकत्र कर खाकी बैग में रखा। इसके बाद दुर्गम रास्तों को देखते हुए रेस्क्यू का मार्ग बदलकर टोली नाला को ओर अभियान आगे बढ़ाया गया। पूरी रात चले ऑपरेशन के बाद रविवार सुबह करीब 8 बजे तक सभी छह शवों को नीचे लाने में सफलता मिली। शवों को चाही गांव के टोली नाला से होते हुए सड़क मार्ग तक पहुंचाया गया। इसके बाद जोशीमठ और वहां से एनटीपीसी हेलीपैड लाया गया।

अधिकारियों के मुताबिक शव खराब स्थिति में मिले हैं। ऐसे में पहचान सुनिश्चित करने के लिए उन्हें एम्स ऋषिकेश भेजा गया है, जहां डीएनए सैंपलिंग समेत अन्य कानूनी प्रक्रियाएं पूरी की जाएंगी।

पीएफ कैलकुलेशन के लिए वेतन सीमा 15,000 से बढ़ाकर 25,000 रुपए की

सरकार ने यह बदलाव आपके भविष्य को और ज्यादा मजबूत करने के लिए किया

नई दिल्ली। केंद्र सरकार द्वारा कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के तहत पीएफ कैलकुलेशन के लिए वेतन सीमा को 15,000 रुपए से बढ़ाकर 25,000 करने के हालिया फैसले के कारण, इस महीने आपकी टेक-होम सैलरी में कटौती होकर आई होगी। यह बदलाव बीते 17 सितंबर से लागू किया गया था। नए नियम के तहत पहले जहां आपके वेतन से पीएफ के लिए 1800 रुपए कटते थे, वहीं अब यह कटौती बढ़कर 3,000 रुपए प्रति माह कर दी गई है। इसका सीधा असर है कि आपकी इन-हैंड सैलरी में से करीब 1,200 रुपए और कम होकर आपके हाथ में आ रहे हैं।

भले ही आज आपकी सैलरी में कटौती हुई है और आपकी जेब में पहले के मुकाबले कम पैसे आए हैं, लेकिन यह बदलाव आपके भविष्य को और अधिक मजबूत करने के लिए किया गया है। इस नए नियम के मुताबिक जितना ज्यादा पैसा आपकी सैलरी से कट रहा है, उतना ही ज्यादा पैसा आपकी कंपनी या नियोक्ता को भी अपनी तरफ से



आपके पीएफ और पेंशन अकाउंट में जमा करना होगा। इसका स्पष्ट मतलब यह है कि ईपीएफ और पेंशन (ईपीएस) में हर महीने जमा होने वाली कुल रकम में काफी वृद्धि हो गई है, जिससे आपकी सामाजिक सुरक्षा और सेवानिवृत्ति कोष में बढ़ोतरी होगी।

पहले आपकी पीएफ कटौती केवल 15,000 रुपये की वैधानिक सीमा पर आधारित थी, जिसका अर्थ था कि कर्मचारी का हिस्सा अधिकतम 1,800 रुपये कटता था। अब वेतन सीमा बढ़कर 25,000 रुपये होने से, आपके बढ़े हुए बेसिक वेतन पर 12 प्रतिशत की पूरी दर से पीएफ काटा जा रहा है। इसी तरह, पहले कंपनी आपके पेंशन खाते में अधिकतम 1,250 रुपये प्रति माह ही जमा कर पाती थी, लेकिन अब सीमा बढ़ने से कंपनी हर महीने आपके पेंशन फंड में 2,083 रुपये जमा करेगी।

कुल मिलाकर, पहले 15,000 की वेज लिमिट पर आपका हिस्सा 1,800 रुपये और कंपनी का कुल हिस्सा 1,800 रुपये मिलाकर केवल 3,600 रुपये ही पीएफ फंड में जमा होते थे। अब नई सीमा के कारण सीधे 6,000 रुपये जमा होंगे, जिसमें से 1,200 रुपये कंपनी अपनी जेब से अतिरिक्त दे रही है। कंपनी की तरफ से 25,000 की वेज लिमिट पर दिया जाने वाला 12 प्रतिशत हिस्सा, यानी कुल 3,000 रुपये, दो अलग-अलग खातों में जमा होंगे- पहला 3.67 प्रतिशत का हिस्सा ईपीएफ खाते में जाता है, जो 25,000 का 3.67 प्रतिशत यानी 917.50 रुपए होगा। दूसरा 8.33 फीसदी का हिस्सा आपके ईपीएस खाते में जाएगा जो 25,000 का 8.33 फीसदी यानी 2,082.50 रुपए बैठेगा। चूंकि अब आपके खाते में हर महीने 2,400 रुपए अतिरिक्त जमा हो रहे हैं इस पर आपको ईपीएफओ की तरफ से सालाना करीब 8.25 फीसदी का कंपाउंड इंटरेस्ट मिलेगा। इसका मतलब है कि आपको रिटायरमेंट के वक्त कहीं ज्यादा बड़कर पैसे मिलेंगे, जिससे आपका भविष्य आर्थिक रूप से अधिक सुरक्षित होगा।

1984 सिख नरसंहार को भूलकर 1 नवबंर को राजनीति कर रहे राहुल गांधी

नई दिल्ली। इंडिया ब्लॉक की रामलीला मैदान में रैली के विरोध में भाजपा ने रविवार को दिल्ली सहित देशभर में 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' मार्च निकाला। यह मार्च विशेष रूप से 1 नवंबर 1984 के सिख विरोधी दंगों के पीड़ितों को याद करने और कांग्रेस पर शहीदों का अपमान करने का आरोप लगाने के लिए आयोजित किया था। भाजपा का कहना है कि कांग्रेस ने जानबूझकर इस संवेदनशील तिथि को अपनी रैली के लिए चुना है।

दिल्ली में, हरि से तिलक नगर तक एक लंबा मार्च निकाला गया, जिसमें 1984 के सिख विरोधी दंगों के पीड़ित परिवारों और सिख समुदाय के कई लोगों ने बढ़चढ़कर भाग लिया। उन्होंने कांग्रेस की इस कार्रवाई को 'शर्मनाक' बताया और राहुल गांधी पर अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं के लिए ऐतिहासिक घावों को नजरअंदाज करने का आरोप लगाया।

केंद्रीय मंत्री और पूर्व बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने हरियाणा के रोहतक में रैली में कांग्रेस और राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा, आज का दिन 1984 के सिख विरोधी हिंसा के पीड़ितों को याद करने का था, लेकिन राहुल गांधी उन्हें भूलकर रामलीला मैदान में अपनी राजनीति चमकाने में जुटे हैं। केंद्रीय मंत्री नड्डा ने कांग्रेस पर वोट चोरी और जनता के वोट का अपमान करने का आरोप लगाया। उन्होंने राहुल गांधी को विदेशी ताकतों की टूलकिट बनकर काम करने वाला बताकर कहा कि वे देश के लोकतंत्र को चुनौती देना चाहते हैं।

ब्रिटेन सरकार गुलामी के लिए भारत समेत 56 देशों से माफी मांगने को तैयार

नई दिल्ली। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री एंडी बर्नहम ने कहा कि उनकी सरकार स्लेव ट्रेड में ब्रिटेन की ऐतिहासिक भूमिका के लिए माफी मांगने के लिए तैयार है। हालांकि उन्होंने आर्थिक मुआवजे की संभावना को खारिज कर दिया है। बर्नहम ने एक लेख में लिखा कि वे स्लेव ट्रेड के लिए भारत समेत 56 देशों से माफी मांगने के लिए तैयार हैं। बर्नहम का माफी मांगने वाला बयान कॉमनवेल्थ हेड्स ऑफ गवर्नमेंट मीटिंग के पहले सामने आया है, जो अगले हफ्ते एंटीगुआ और बारबुडा में होने वाली है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ब्रिटेन ने करीब 30 लाख अफ्रीकियों को गुलाम बनाकर अमेरिका में ब्रिटेन की कॉलोनियों के बागानों में काम करने के लिए भेजा गया था। ब्रिटेन ने 1807 में अपने साम्राज्य में गुलामों के व्यापार को खत्म करना शुरू किया। 1833 में गुलामी की पूरी तरह से खत्म कर दिया गया, हालांकि 1838 तक सभी गुलामों को आज़ादी नहीं मिल पाई थी। 1833 में, ब्रिटेन ने गुलामों के मालिकों को कुल 20 मिलियन पाउंड का मुआवजा दिया जो उस समय सरकार के सालाना बजट का 40 फीसदी था।

गुलामी खत्म होने के बाद 1838 से 1917 के बीच ब्रिटिश उपनिवेशों में अनुबंधित श्रम की एक व्यवस्था पनपी। भारत से करीब 20 लाख पुरुषों, महिलाओं और बच्चों को ब्रिटिश साम्राज्य के तहत कैरेबियन से लेकर दक्षिण अफ्रीका तक भेजा गया ताकि ये बागानों में काम कर सकें। इनमें से कई मजदूरों का शोषण किया गया और उन्हें काम की शर्तों के बारे में गुमराह किया गया। कुछ लोगों का अपहरण कर लिया गया और उनकी तस्करी की गई। इनमें से ज्यादातर मजदूर वापस भारत लौटने की स्थिति में नहीं थे।

रिपोर्ट के मुताबिक बर्नहम के बयान पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने रिएक्शन देते हुए कहा कि मैंने लंबे समय से यह तर्क दिया है कि ब्रिटेन चाहे जो भी हर्जाना देने की पेशकश करे, कोई भी रकम न तो उचित होगी और न ही स्वीकार्य।

एसआरएफटीआई : परिसर में पुलिस गश्त पर निजता हनन का आरोप

मुंबई। सत्यजीत राय फिल्म्स एवं टेलीविजन संस्थान (एसआरएफटीआई) का छात्र संघ परिसर में पुलिसकर्मियों की तैनाती और गश्त पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। कोलकाता प्रेस क्लब में आयोजित सम्मेलन में, छात्र संघ ने आरोप लगाया कि पुलिसकर्मी संस्थान के प्रशासनिक भवन के प्रवेश द्वार पर तैनात हैं, और छात्रावासों सहित पूरे परिसर में लगातार गश्त कर रहे हैं। छात्र संघ का दावा है कि छात्रावासों के आसपास पुलिस की उपस्थिति छात्रों की निजता का हनन कर रही है, साथ ही उनकी आवाजाही और आपसी बातचीत की स्वतंत्रता को भी सीमित कर रही है।

एसआरएफटीआई के रजिस्ट्रार दीपक कुमार ने इन आरोपों को पूरी तरह निराधार बताकर खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि संस्थान ने छात्रों की सुरक्षा संबंधी चिंताओं को दूर करने के लिए कई कदम उठाए हैं, और प्रशासन की ओर से कोई कदम नहीं उठाए जाने के दावे झूठे हैं। छात्र संघ के महासचिव नचिकेत ने बताया कि आधिकारिक अवकाश के दिन भी पुलिसकर्मियों को प्रशासनिक भवन के प्रवेश द्वार पर तैनात और परिसर में गश्त करते देखा गया।

छात्र संघ ने छात्रावासों के आसपास पुलिस की तैनाती और गश्त को तत्काल बंद करने की मांग की है। यह गतिरोध संस्थान प्रशासन और छात्रों के बीच जारी है, जहाँ छात्र परिसर में बाहरी लोगों द्वारा कथित हमलों के विरोध में प्रदर्शन कर रहे हैं। वे पर्याप्त सुरक्षा, जवाबदेही और कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

मोती तालाब में मछली पकड़ने पर मचा घमासान, सहकारी समिति के सदस्य आमने-सामने

संचालक मंडल की वैधता और मत्स्याखेट के अधिकार को लेकर गहराया विवाद, एक पक्ष ने मनमानी का लगाया आरोप तो दूसरे ने निष्कासित सदस्यों को बताया विवाद की वजह





पदमेश न्यूज। बालाघाट। नगर के मोती तालाब में रविवार से शुरू हुए मत्स्याखेट ने बालाघाट मछुआ सहकारी समिति के भीतर लंबे समय से चल रहे विवाद को एक बार फिर सतह पर ला दिया है। तालाब में मछली पकड़ने को लेकर समिति के दो पक्ष आमने-सामने आ गए हैं। दोनों पक्ष एक-दूसरे पर गलत तरीके से कार्य करने और समिति के नियमों की अनदेखी करने के आरोप लगा रहे हैं। एक पक्ष ने जहां पुलिस और सहकारिता उपायुक्त से हस्तक्षेप की मांग की है, वहीं दूसरे पक्ष ने विरोध करने वालों को समिति से निष्कासित सदस्य और बाहरी व्यक्ति करार दिया है। समिति के भीतर मत्स्याखेट के अधिकार को लेकर उपजा यह विवाद अब प्रशासनिक हस्तक्षेप की मांग तक पहुंच गया है।

संचालक मंडल के चुनाव से शुरू हुई विवाद की कहानी

मोती तालाब में मत्स्याखेट को लेकर वर्तमान विवाद की जड़ वर्ष 2023 में हुए बालाघाट मछुआ सहकारी समिति के संचालक मंडल के चुनाव से जुड़ी हुई है। चुनाव के करीब दो वर्ष बाद संचालक मंडल पर अनियमितता और गबन के आरोप लगाते हुए शिकायत की गई थी। शिकायत के आधार पर हुई जांच के बाद सहकारिता उपायुक्त ने संचालक मंडल को भंग करने का निर्णय लिया था। इस निर्णय के खिलाफ संचालक मंडल ने संयुक्त पंजीयक सहकारिता के समक्ष अपील की। संयुक्त पंजीयक ने तकनीकी आधार पर सहकारिता उपायुक्त के आदेश को निरस्त कर दिया। इसी फैसले के बाद समिति के भीतर मत्स्याखेट को लेकर विवाद और गहरा गया।

बिना आमसभा के मत्स्याखेट शुरू करने का आरोप

समिति सदस्य सुदर्शन गंगापारे के पक्ष के लोगों का आरोप है कि संयुक्त पंजीयक के निर्णय के बाद संचालक मंडल मनमानी कर रहा है और अपने लोगों को लाभ पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। सुदर्शन गंगापारे के अनुसार, उन्होंने संचालक मंडल की कथित मनमानी के संबंध में सहकारिता उपायुक्त से शिकायत की थी। शिकायत के बाद सहकारिता उपायुक्त ने आमसभा के माध्यम से मत्स्याखेट को लेकर निर्णय लेने की बात कही थी। इसके बावजूद संचालक मंडल ने आमसभा आयोजित किए बिना ही रविवार से मत्स्याखेट शुरू कर दिया।गंगापारे पक्ष का कहना है कि जब तक समिति की आमसभा में मत्स्याखेट को लेकर निर्णय नहीं हो जाता, तब तक इस तरह मत्स्याखेट शुरू करना उचित नहीं है। इसी के विरोध में उन्होंने पुलिस और सहकारिता उपायुक्त से हस्तक्षेप कर मामले में उचित कार्रवाई करने की मांग की है।

दूसरे पक्ष ने आरोपों को किया खारिज

वहीं, समिति सदस्य दीपक बर्वे ने दूसरे पक्ष के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि संयुक्त पंजीयक सहकारिता के निर्णय के आधार पर समिति के सदस्यों ने रविवार से मत्स्याखेट प्रारंभ किया है। उन्होंने कहा कि जो लोग इसका विरोध कर रहे हैं, वे समिति से निष्कासित सदस्य हैं और कुछ बाहरी लोग भी इसमें शामिल हैं। बर्वे के अनुसार, समिति में किसी भी प्रकार का मतभेद नहीं है और संयुक्त पंजीयक के निर्णय के बाद ही मत्स्याखेट शुरू किया गया है।

अब प्रशासनिक हस्तक्षेप पर टिकी निगाहें

मोती तालाब में मत्स्याखेट को लेकर समिति के भीतर दो पक्षों के आमने-सामने आने से विवाद की स्थिति निर्मित हो गई है। एक पक्ष आमसभा के बिना मत्स्याखेट शुरू करने को नियमों के विरुद्ध बता रहा है, तो दूसरा पक्ष संयुक्त पंजीयक के निर्णय को आधार बनाकर मत्स्याखेट को वैध ठहरा रहा है। ऐसे में अब पुलिस और सहकारिता विभाग के हस्तक्षेप से ही विवाद की वास्तविक स्थिति स्पष्ट होने की उम्मीद है। समिति के भीतर संचालक मंडल की वैधता, सदस्यों की स्थिति और मत्स्याखेट के अधिकार को लेकर उठ रहे सवालों पर प्रशासन का रुख महत्वपूर्ण माना जा रहा है। बहरहाल विवाद पर संबंधित विभाग और प्रशासन क्या कार्रवाई करता है फिलहाल सब की निगाहें इसी पर टिकी हुई है।

नरवाई जलाने पर लगेगा 2,500 से 15 हजार रुपये तक जुर्माना

कलेक्टर आदित्य सिंह ने जारी किए सख्त निर्देश, हार्वेस्टर के साथ स्ट्रॉ मैनेजमेंट सिस्टम और बेलर मशीन का उपयोग अनिवार्य

पदमेश न्यूज। बालाघाट। खेतों में फसल अवशेष (पराली/नरवाई) जलाने की घटनाओं पर रोक लगाने तथा पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से कलेक्टर श्री आदित्य सिंह ने सख्त कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। जिले की संपूर्ण सीमा में फसल अवशेष जलाने पर प्रतिबंध लगाने के लिए आदेश जारी किया जाएगा। आदेश का उल्लंघन करने वाले किसा नों पर भूमि के



रकबे के अनुसार 2,500 रुपये से लेकर 15 हजार रुपये तक पर्यावरण क्षतिपूर्ति अर्थदंड लगाया जाएगा। साथ ही नरवाई जलाने की घटनाओं पर निगरानी रखने के लिए ग्राम पंचायत स्तर पर टास्क फोर्स गठित की जाएगी। कलेक्टर श्री आदित्य सिंह की अध्यक्षता में 1 नवम्बर को कलेक्टर कार्यालय में पराली/नरवाई प्रबंधन एवं नरवाई जलाने की घटनाओं की रोकथाम को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर ने हार्वेस्टर संचालकों, किसानों तथा कृषि विभाग के अधिकारियों को फसल अवशेषों के वैज्ञानिक प्रबंधन के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि शासन के निर्देशों के अनुसार दो एकड़ से कम भूमि वाले किसानों पर नरवाई जलाने की प्रत्येक घटना के लिए 2,500 रुपये, दो से पांच एकड़ से कम भूमि वाले किसानों पर 5 हजार रुपये तथा पांच एकड़ से अधिक भूमि वाले किसानों पर 15 हजार रुपये का अर्थदंड लगाया जाएगा। हार्वेस्टर से फसल कटाई के दौरान स्ट्रॉ मैनेजमेंट सिस्टम (एसएमएस) और स्ट्रॉ रीपर का उपयोग अनिवार्य करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रत्येक कंबाइन हार्वेस्टर के साथ पशु चारा तैयार करने वाली बेलर मशीन रखना भी आवश्यक होगा। हार्वेस्टर से कटाई के साथ बेलर मशीन के माध्यम से पराली के बंडल तैयार किए जाएंगे, ताकि फसल अवशेषों का उपयोग पशु चारे के रूप में किया जा सके। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि बालाघाट जिले में पशुओं के लिए चारे की आवश्यकता को देखते हुए पराली का उचित प्रबंधन जरूरी है। इस वर्ष कम वर्षा होने के कारण पैरा और आगामी रबी सीजन में भी पशु चारे की उपलब्धता प्रभावित होने की आशंका है। ऐसे में फसल अवशेषों को जलाने के बजाय उनका उपयोग पशु चारे के रूप में किया जाना चाहिए। उन्होंने कृषि विभाग एवं कृषि अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों को किसानों के बीच सुपर सीडर, हैप्पी सीडर सहित आधुनिक कृषि यंत्रों के उपयोग को प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए। इन यंत्रों से नरवाई को खेत में ही वैज्ञानिक तरीके से प्रबंधन किया जा सकता है। जिन किसानों ने हैप्पी सीडर और सुपर सीडर का सफल उपयोग किया है, उनके माध्यम से गांवों में संगोष्ठियां आयोजित कर अन्य किसानों को भी जागरूक किया जाएगा। नरवाई जलाने की घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण के लिए विकासखंड एवं ग्राम पंचायत स्तर पर निगरानी समितियां गठित की जाएंगी। कृषि अभियांत्रिकी विभाग सेटेलाइट के माध्यम से नरवाई जलाने की घटनाओं की जानकारी प्रशासन को उपलब्ध कराएगा। किसी घटना की सूचना मिलने पर समिति के संबंध संयुक्त रूप से जांच कर प्रतिवेदन तहसीलदार को प्रस्तुत करेंगे। इसके आधार पर एसडीएम द्वारा नियमानुसार अर्थदंड अधिरोपित किया जाएगा। आदेश का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध पुलिस प्राथमिकी दर्ज कराने तथा भारतीय न्याय संहिता की धारा 223 के तहत दंडात्मक कार्रवाई भी की जा सकेगी। कलेक्टर श्री सिंह ने नरवाई प्रबंधन के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफार्म का अधिकाधिक उपयोग करने के निर्देश दिए। अभियान में स्थानीय यूट्यूब चैडियो कंटेंट क्रिएटर एवं सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर को भी जोड़ने के लिए कहा गया। ग्राम स्तर पर चौपाल और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित कर किसानों को नरवाई नहीं जलाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। उन्होंने पंचायत स्तर पर नरवाई टास्क फोर्स गठित कर सतत निगरानी की व्यवस्था बनाने तथा राजस्व विभाग के सहयोग से प्रत्येक गांव का मूल्यांकन करने के निर्देश दिए। जिन ग्रामों में फसल अवशेष जलाने की घटनाएं नहीं होंगी, उन्हें जीरो बर्निंग विलेज घोषित कर अभिषान के अंतर्गत सम्मानित किया जाएगा। कलेक्टर श्री आदित्य सिंह ने कहा कि फसल कटाई के बाद खेतों में बचे डंठलों और अवशेषों को जलाने से वायु प्रदूषण बढ़ता है। आग से निकलने वाला धुआं वायु गुणवत्ता को प्रभावित करता है तथा उड़ती चिंगारियों से आसपास के खेतों, खलिहानों और बस्तियों में आग लगने का खतरा बना रहता है। इससे जन-धन, पशु-पक्षियों और खेतों में रखी फसलों को नुकसान पहुंच सकता है। नरवाई जलाने से मिट्टी की उर्वरक शक्ति भी प्रभावित होती है। इसलिए सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय से कार्य करते हुए नरवाई प्रबंधन को जनअभियान बनाएं। बैठक में अपर कलेक्टर श्री डी.पी. बर्मन, संयुक्त संचालक कृषि जबलपुर संभाग श्री के.एस. नेताम, एसडीएम श्री गोपाल सोनी, उप संचालक कृषि श्री फूलसिंह मालवीय, क्षेत्र प्रबंधक श्री कमलेश लाल एवं श्री संतोष कुमार, संयुक्त कलेक्टर श्री सुधीर जैन, संयुक्त संचालक कृषि अभियांत्रिकी श्री जी.सी. मसोकोले, सहायक संचालक कृषि अभियांत्रिकी श्री एस.आर. उइके, परियोजना संचालक आत्मा डॉ. रामताप पटेल, सहायक संचालक कृषि श्री राजेश कुमार खोचरागड़े सहित कृषि विभाग के अधिकारी, हार्वेस्टर संचालक, कस्टम हायरिंग सेंटर के प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में कृषक उपस्थित थे।

तेज रफ्तार कार की टक्कर से बाइक सवार गंभीर घायल

पदमेश न्यूज। बालाघाट। वारासिवनी थाना क्षेत्र अंतर्गत कटंगी रोड पर ग्राम चंदोरी स्थित शिव मंदिर के पास तेज रफ्तार कार ने मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। इस सड़क हादसे में मोटरसाइकिल सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना में घायल युवक जितेंद्र पटले पिता नागों लाल पटले 32 वर्ष वार्ड न. 14 गंगोत्री नगर वारासिवनी निवासी है। जिसे उपचार के लिए जिला अस्पताल बालाघाट लाया गया। जहां उनकी गंभीर हालत को देखते हुए चिकित्सकों ने हायर सेंटर रेफर कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, जितेंद्र पटले फाइव स्टार फाइनेंस कंपनी कटंगी में कार्यरत हैं। उनका ससुराल ग्राम चंदोरी में है और इन दिनों उनकी पत्नी अपने मायके चंदोरी में रह रही थीं। 1 नवंबर को दोपहर करीब 2 बजे जितेंद्र मोटरसाइकिल से अपनी पत्नी को लेने ससुराल ग्राम चंदोरी जा रहे थे।इसी दौरान ग्राम चंदोरी में शिव मंदिर के पास कटंगी की ओर से तेज रफ्तार में आ रही कार ने उनकी मोटरसाइकिल को अपनी चपेट में ले लिया। कार की जोरदार टक्कर से जितेंद्र मोटरसाइकिल सहित सड़क पर गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलते ही जितेंद्र के परिजन भी घटनास्थल पर पहुंच गए। गंभीर रूप से घायल जितेंद्र को तत्काल वारासिवनी सिविल अस्पताल ले जाकर भर्ती किया गया जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बेहतर उपचार के लिए जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया था । जिला अस्पताल में चिकित्सकों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए हायर सेंटर रेफर कर दिया है। दुर्घटना के संबंध में वारासिवनी पुलिस द्वारा जांच की जा रही है।



पेड़ से गिरकर 12 वर्षीय बालक की मौत- परिवार का इकलौता बेटा था रामकुमार

पदमेश न्यूज। बालाघाट। बिरसा थाना क्षेत्र के ग्राम बैलटोला में पेड़ से गिरने के कारण गंभीर रूप से घायल 12 वर्षीय बालक की मौत हो गई। हादसा 31 अक्टूबर को उस समय हुआ जब बालक गांव के अन्य बच्चों के साथ जंगल में भैंस चराने गया था। पेड़ पर चढ़कर खेलते समय अचानक नीचे गिरने से उसके सिर में गंभीर चोट आई। गंभीर रूप से घायल बालक रामकुमार पिता हेमलाल मरावी को परिजन उपचार के लिएजिला अस्पताल लेकर पहुंचे लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो चुकी थी। प्राप्त जानकारी के अनुसार रामकुमार कक्षा सातवीं का छात्र था और अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था। उसकी चार बहनें हैं। परिवार खेती-किसानी कर जीवनयापन करता है। बताया गया कि 31 अक्टूबर को सुबह करीब 11 बजे रामकुमार घर पर खाना खाने के बाद गांव के अन्य बच्चों के साथ भैंस चराने जंगल की ओर गया था। दोपहर करीब 130 बजे भैंस चराने के दौरान वह अन्य बच्चों के साथ एक पेड़ पर चढ़कर खेल रहा था। इसी दौरान अचानक उसका संतुलन बिगड़ गया और वह पेड़ से नीचे गिर पड़ा। गिरने से उसके सिर में गंभीर चोट आई और नाक से खून निकलने लगा छाटना के बाद साथ मौजूद बच्चे घर पहुंचे और परिजनों को इसकी जानकारी दी। सूचना मिलते ही उसकी मां सनियारो बाई मौके पर पहुंचीं जहां रामकुमार बेहोशी की हालत में पड़ा मिला। परिजन तत्काल उसे आंटो से बिरसा अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल बालाघाट रेफर कर दिया गया। परिजन उसे जिला अस्पताल लेकर पहुंचे जहां डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद मृत घोषित कर दिया। बताया गया कि बालक की मौत अस्पताल पहुंचने से पहले रास्ते में ही हो चुकी थी। जिला अस्पताल पुलिस ने रात में शव को अपने कब्जे में लेकर अस्पताल के शव फीजर में सुरक्षित रखवा दिये थे। 1 नवंबर को सुबह पंचनामा कार्रवाई के बाद शव का पोस्टमार्टम कराया गया और अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सौंप दिया गया।पुलिस ने धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर मामले की अग्रिम कार्रवाई के लिए प्रकरण संबंधित थाना बिरसा भेज दिया है।

किरनापुर में पटवारी पर रिश्वत लेने के गंभीर आरोप, चार किसानों के शपथ पत्रों से मचा हड़कंप

कुआं-बोरवेल की खसरा-नक्शे में प्रविष्टि के नाम पर रू.2,500 से रू.4,000 तक लेने का आरोप, नाम सुधारने के लिए भी मांगी गई रकम
दो किसानों ने ऑनलाइन भुगतान के ऋकनंबर दिए, दो ने नकद राशि देने का किया दावा; कलेक्टर से निष्पक्ष जांच और कार्रवाई की मांग

पदमेश न्यूज। किरनापुर। बालाघाट जिले की राजस्व व्यवस्था में किसानों के कामकाज को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। किरनापुर तहसील के ग्राम पौनी में पदस्थ पटवारी गौरव घोंगड़े पर किसानों से राजस्व संबंधी कार्यों के बदले कथित रूप से रिश्वत मांगने और राशि लेने के आरोप सामने आए हैं। मामले में चार किसानों ने 29 अक्टूबर 2026 को नोटरी के समक्ष शपथ पत्र प्रस्तुत कर अपनी शिकायत दर्ज कराई है। शपथ पत्रों में कुआं-बोरवेल की खसरा-नक्शे में प्रविष्टि कराने से लेकर राजस्व रिकॉर्ड में नाम सुधारने के एवज में पैसे मांगने और लेने के आरोप लगाए गए हैं। शपथ पत्र के अनुसार किसान ज्ञानदास मातरे ने आरोप लगाया है कि खेत में स्थित कुआं-बोरवेल की प्रविष्टि खसरा नक्शे में कराने के लिए उनसे रू.4,000 की मांग की गई। किसान का कहना है कि उन्होंने अपने पुत्र के माध्यम से 19 अक्टूबर 2026 को संबंधित मोबाइल नंबर पर रू. 4,000 का ऑनलाइन भुगतान किया। इसके लिए शपथ पत्र में ऋक क्रमांक 247080402165 का उल्लेख किया गया है। किसान का आरोप है कि भुगतान के बाद ही कुआं-बोरवेल की प्रविष्टि की गई। इसी प्रकार किसान महरलाल नागपांसे ने अपने शपथ पत्र में आरोप लगाया है कि कूएं की प्रविष्टि कराने के लिए उनसे रू. 2,500 मांगे गए। उनके अनुसार 31 दिसंबर 2025 को ऋक क्रमांक 245023047344 के माध्यम से राशि का भुगतान किया गया। इसके बाद ही खसरा नक्शे में कूएं की प्रविष्टि दर्ज की गई। वहीं किसान सूरज मानकर ने भी कुआं-बोरवेल की प्रविष्टि के लिए रू. 2,500 मांगने और नकद भुगतान लेने का आरोप लगाया है। मामले का एक अन्य पहलू किसान महादल नागपांसे के शपथ पत्र में सामने आया है। उन्होंने आरोप लगाया है कि राजस्व रिकॉर्ड में नाम की त्रुटि सुधारने के लिए पटवारी द्वारा कथित तौर पर 6,000 रुपये से 7,000 रुपये की मांग की गई। किसान के अनुसार उन्होंने 5,000 दिए, लेकिन नाम सुधारने में लगभग एक माह का समय लगा। इसके बाद उनसे 500 रुपये अतिरिक्त लेकर राजस्व रिकॉर्ड में नाम सुधारा गया। चार किसानों द्वारा अलग-अलग शपथ पत्रों में लगाए गए आरोपों ने अब राजस्व विभाग की कार्यप्रणाली को सवालों के घेरे में ला दिया है। विशेष बात यह है कि दो किसानों ने ऑनलाइन भुगतान के ऋक नंबर भी शपथ पत्र में दर्ज किए हैं। ऐसे में संबंधित बैंक खातों, मोबाइल नंबरों, भुगतान की तारीखों और राजस्व रिकॉर्ड में हुई प्रविष्टियों का मिलान कर आरोपों की वास्तविकता की जांच की जा सकती है। किसानों ने अपने शपथ पत्रों में संबंधित पटवारी के व्यवहार और कार्यप्रणाली पर भी नाराजगी जताई है। उनका आरोप है कि बिना पैसे दिए किसानों के काम नहीं किए जाते। किसानों ने संबंधित पटवारी को हल्के से हटाने तथा उचित कार्रवाई किए जाने की मांग भी की है। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि चार किसानों के शपथ पत्र सामने आने के बाद राजस्व विभाग और जिला प्रशासन क्या कदम उठाएगा? क्या संबंधित पटवारी से जवाब-तलब कर भुगतान के डिजिटल साक्ष्यों की जांच कराई जाएगी? क्या किसानों के बयान दर्ज कर निष्पक्ष जांच होगी या मामला भी अन्य शिकायतों की तरह विभागीय फाइलों में उलझकर रह जाएगा? किसानों के हितों और राजस्व व्यवस्था की पारदर्शिता को देखते हुए कलेक्टर बालाघाट एवं वरिष्ठ राजस्व अधिकारियों से मामले की निष्पक्ष जांच कर समयबद्ध कार्रवाई की अपेक्षा है। आरोप प्रमाणित होने पर संबंधित कर्मचारी के विरुद्ध नियमानुसार विभागीय एवं वैधानिक कार्रवाई की जानी चाहिए। अब देखना यह है कि किसानों के शपथ पत्रों पर प्रशासन कार्रवाई करता है या फिर राजस्व विभाग में कथित रिश्वतखोरी के आरोप एक बार फिर अनसुने रह जाते हैं।



भाजयुमो जिला महामंत्री प्रबल जायसवाल का भाजपा कार्यालय में भव्य स्वागत

पदमेश न्यूज। बालाघाट। भारतीय जनता युवा मोर्चा के नवनियुक्त जिला महामंत्री प्रबल प्रदीप जायसवाल का आज जिला भाजपा कार्यालय में भव्य स्वागत किया गया। नियुक्ति के बाद प्रबल जायसवाल अपने साथियों के साथ भाजपा कार्यालय पहुंचे, जहां भाजपा के वरिष्ठ नेताओं, जनप्रतिनिधियों और पदाधिकारियों ने उनका जोरदार स्वागत करते हुए नई जिम्मेदारी के लिए बधाई दी।इस अवसर पर भाजपा नेता रामकिशोर कावरे, भाजपा जिलाध्यक्ष, बालाघाट-सिवनी लोकसभा क्षेत्र की सांसद श्रीमती भारती पारधी, पिछड़ा वर्ग आयोग की सदस्य श्रीमती मौसम बिसेन, मध्यप्रदेश राज्य सहकारी अपेक्स बैंक के अध्यक्ष एवं प्रशासक (कैबिनेट मंत्री दर्जा) महेन्द्र सिंह यादव तथा वारासिवनी-खैरलांजी विधानसभा प्रभारी जितेन्द्र मोहारे सहित अन्य नेताओं ने प्रबल जायसवाल का स्वागत किया।भाजपा नेताओं ने प्रबल जायसवाल को नई जिम्मेदारी मिलने पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि युवा मोर्चा संगठन की महत्वपूर्ण इकाई है। युवाओं की सक्रिय भागीदारी से संगठन को नई ऊर्जा और मजबूती मिलती है। उन्होंने प्रबल से संगठन की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने, युवाओं को जोड़ने तथा पार्टी की गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाने की अपेक्षा जताई। साथ ही उनके उज्ज्वल राजनीतिक भविष्य की मंगलकामना की।इस दौरान पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष सत्यनारायण अग्रवाल, नगर मंडल अध्यक्ष राकेश सेवईवार, भाजपा जिला उपाध्यक्ष किशोर अमूले, वारासिवनी नगर भाजपा प्रभारी अभय कोचर, जितेन्द्र चौधरी, गणेश अग्रवाल, मनीनीत पार्षद विशाल मंगलानी, कार्यालय मंत्री सुमित यादव सहित दर्जनों भाजपा नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।भाजपा कार्यालय में हुए इस स्वागत समारोह के दौरान कार्यकर्ताओं में उत्साह देखने को मिला। नवनियुक्त जिला महामंत्री प्रबल जायसवाल को नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने शुभकामनाएं देते हुए संगठनात्मक दायित्वों के सफल निर्वहन की कामना की।



मकान बेचना है
स्टेट बैंक कालोनी, पालीटेक्निक कालेज के पास गायत्री रोड बालाघाट में पूर्वमुखी दो मंजिला भवन बेचना है। प्लाट का साईज 50*70 ग्राउंड फ्लोर का कारपेट एरिया 1100 एवं प्रथम फ्लोर का कारपेट एरिया 1200 वर्गफिट है।
संपर्क 9826320168

चौकीदार की आवश्यकता है
शादी के भवन के लिए चौकीदार, परिवार सहित रहने वाले को प्राथमिकता दी जावेगी
8966935382, 9301240270

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

बालाघाट
सोमवार 02 नवंबर 2026

बालाघाट एक्सप्रेस सिटी न्यूज

3
पद्मेश न्यूज
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

शिक्षा विभाग में फर्जी डिग्री से नौकरी का एक और मामला आया सामने, शिक्षक ने दिया नौकरी से इस्तीफा !

महादेव मरकाम प्रकरण के बाद अब मंडई संकुल के अकलपुर प्राथमिक शाला के शिक्षक विनोद संयम पर भी आरोप, विभागीय अधिकारियों ने त्यागपत्र की पुष्टि की, जांच अब भी बाकी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शिक्षा विभाग में फर्जी डिग्री और प्रमाण पत्रों के सहारे सरकारी नौकरी हासिल करने के मामले अब एक के बाद एक सामने आने लगे हैं। बिरसा क्षेत्र के शिक्षक महादेव मरकाम का मामला अभी पूरी तरह शांत भी नहीं हुआ था कि अब मंडई संकुल के अंतर्गत आने वाली अकलपुर प्राथमिक शाला के शिक्षक विनोद संयम पर भी गलत डिग्री के आधार पर वर्षों तक नौकरी करने का आरोप लगा है। महादेव मरकाम के मामले में शिकायत करने वाले चित्रसेन रहांगडाले ने 1 नवंबर को इस संबंध में एक और शिकायत सामने रखते हुए दावा किया कि विनोद संयम ने कथित तौर पर गलत शैक्षणिक प्रमाण पत्रों के आधार पर नौकरी हासिल की और बाद में उनका सत्यापन भी हो गया। शिकायतकर्ता के अनुसार उन्हें हाल ही में जानकारी मिली कि महादेव मरकाम के फर्जी डीएड अंकसूची से नौकरी करने का मामला सामने आने और शिकायतों का दायरा बढ़ने के बाद विनोद संयम ने भी अपने पद से त्यागपत्र दे दिया है। इस नए आरोप ने शिक्षा विभाग में दस्तावेजों के सत्यापन और नियुक्ति प्रक्रिया की निगरानी पर एक बार फिर सवाल खड़े कर दिए हैं।

गौरतलब है कि बिरसा क्षेत्र के माध्यमिक शिक्षक महादेव मरकाम ने स्वयं मीडिया के सामने स्वीकार किया था कि वर्ष 2007 में नौकरी हासिल करने के दौरान उनके पास डीएड की वैध डिग्री नहीं थी और उन्होंने गलत तरीके से प्रमाण पत्र लगाकर नौकरी प्राप्त की थी। उन्होंने यह भी आरोप लगाया था कि इस पूरे मामले में कुछ विभागीय कर्मचारियों और अधिकारियों की भूमिका रही तथा कथित तौर पर पैसे लेकर फर्जी डिग्री उपलब्ध कराने और नौकरी में बनाए रखने में मदद की गई। महादेव मरकाम ने दावा किया था कि उनके अलावा भी वर्ष 2007 की भर्ती प्रक्रिया में करीब 9 से 10 अन्य अभ्यर्थियों ने गलत डीएड डिग्री के आधार पर नौकरी प्राप्त की थी। उनका आरोप था कि कुछ कर्मचारियों की मिलीभगत से ऐसे शिक्षकों को न केवल नौकरी में बनाए



रखा गया, बल्कि उनका सॉविलियन भी कराया गया और नियमित वेतन का लाभ दिलाया गया। हालांकि, इन आरोपों को स्वतंत्र पुष्टि और संबंधित दस्तावेजों की जांच होना अभी बाकी है। अब विनोद संयम का मामला सामने आने के बाद शिकायतकर्ता ने पुराने मामलों के साथ अन्य शिक्षकों के दस्तावेजों की भी जांच कराने की मांग उठाई है। इस संबंध में मंडई संकुल के प्राचार्य राजकुमार उइके से दूरभाष पर चर्चा की गई तो उन्होंने पुष्टि करते हुए बताया कि विनोद संयम द्वारा नौकरी से त्यागपत्र दिया गया है, लेकिन उनका पूरा मामला अभी लंबित है। वहीं बिरसा बीआरसी नंदकिशोर टेकाम ने भी बताया कि विनोद संयम के त्यागपत्र दिए जाने की जानकारी उन्हें है, लेकिन विभाग की ओर से फिलहाल इस मामले में कोई विशेष हस्तक्षेप नहीं किया गया है। दूसरी ओर कुछ वरिष्ठ अधिकारियों की ओर से शिक्षक के इस्तीफे को उनके स्वास्थ्य संबंधी कारणों से जोड़कर बताया जा रहा है। ऐसे में त्यागपत्र के वास्तविक कारणों को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है। वहीं सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग शकुंतला डामोर से चर्चा करने पर उन्होंने बताया कि जनजातीय क्षेत्र में गलत डिग्री लगाकर नौकरी करने से जुड़े कुछ पुराने मामले सामने आए हैं, जिनकी जानकारी लेकर जल्द ही परीक्षण कराया जाएगा। फिलहाल विनोद संयम के खिलाफ लगाए गए आरोपों की विभागीय पुष्टि और दस्तावेजों की जांच होना बाकी है।

विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों की कितनी जिम्मेदारी ?

इस पूरे घटनाक्रम ने जिले के शिक्षा विभाग सहित अन्य सरकारी विभागों में नियुक्ति के दौरान शैक्षणिक दस्तावेजों के सत्यापन की व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। एक ओर शिक्षित युवा अपनी योग्यता साबित करने के लिए वर्षों तक प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं और कठिन परिश्रम के बाद सरकारी नौकरी हासिल कर पाते हैं, वहीं दूसरी ओर यदि गलत प्रमाण पत्रों के सहारे कोई व्यक्ति लंबे समय तक सरकारी सेवा में बना रहता है तो यह पूरी भर्ती और सत्यापन व्यवस्था पर सवाल खड़ा करता है। मामला केवल कथित रूप से फर्जी दस्तावेज लगाने वाले कर्मचारियों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भी जांच का विषय है कि नियुक्ति के समय प्रमाण पत्रों का सत्यापन किस स्तर पर हुआ, सॉविलियन की प्रक्रिया में किन अधिकारियों और कर्मचारियों ने दस्तावेजों को स्वीकृति दी और यदि प्रमाण पत्र संदिग्ध थे तो संबंधित शिक्षक वर्षों तक वेतन कैसे प्राप्त करते रहे। ऐसे मामलों में केवल आरोपित कर्मचारियों की जांच पर्याप्त नहीं होगी, बल्कि दस्तावेजों के सत्यापन और उन्हें संरक्षण देने की कथित भूमिका निभाने वाले विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों की जिम्मेदारी भी तय करनी होगी। अब देखना होगा कि विनोद संयम का मामला सामने आने के बाद विभाग अन्य शिक्षकों के दस्तावेजों की भी व्यापक जांच कराता है या फिर यह प्रकरण भी जांच और कार्रवाई की प्रतीक्षा में फाइलों तक सीमित रह जाता है।

जय हिंद टॉकीज मैदान में अतिक्रमण की कोशिश नाकाम, राजस्व विभाग ने हटाई तार फेंसिंग

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नगर बालाघाट के बीचोंबीच स्थित जय हिंद टॉकीज मैदान की शासकीय नजूल भूमि पर अनाधिकृत कब्जे की कोशिश को राजस्व विभाग ने समय रहते रोक दिया। शासकीय जमीन पर तार फेंसिंग कर कब्जे की तैयारी की जा रही थी, इतना ही नहीं, संबंधित भूमि पर



जाहिर सूचना का बोर्ड भी लगा दिया गया था। मामले की जानकारी मिलने के बाद 31 अक्टूबर 2026 को राजस्व विभाग ने नगरपालिका और पुलिस बल के सहयोग से संयुक्त कार्रवाई करते हुए अवैध तार फेंसिंग और बोर्ड को हटवा दिया। प्रशासन के अनुसार नजूल शीट क्रमांक 25-सी में दर्ज इस शासकीय भूमि पर अनाधिकृत रूप से कब्जा करने के उद्देश्य से यह गतिविधियां की जा रही थीं। राजस्व अमले ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की और शासकीय भूमि को कब्जे के प्रयास से मुक्त कराया। प्राप्त जानकारी के अनुसार जय हिंद टॉकीज मैदान की उक्त भूमि पर की जा रही तार फेंसिंग को हटाने के लिए राजस्व विभाग की टीम मौके पर पहुंची थी। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बालाघाट गोपाल सोनी, नजूल अधिकारी सुधीर जैन एवं तहसीलदार छवि पंत के निर्देशन में राजस्व निरीक्षक (नजूल) और राजस्व अमले ने पूरी कार्रवाई को अंजाम दिया। इस दौरान जमीन पर अतिक्रमण किए जाने की मंशा से लगाया गया जाहिर सूचना का पोल भी हटाया गया। साथ ही शासकीय भूमि पर लगाई गई तार फेंसिंग को निकालकर जमीन को अनाधिकृत कब्जे से मुक्त कराया गया। कार्रवाई के दौरान किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो, इसके लिए पुलिस बल भी मौके पर मौजूद रहा। इस संयुक्त कार्रवाई में राजस्व निरीक्षक (नजूल), चैनमैन, नगरपालिका के कर्मचारी और पुलिस बल के जवान शामिल रहे। प्रशासन की ओर से स्पष्ट किया गया कि शासकीय भूमि पर अनाधिकृत कब्जे के प्रयास को रोकने के लिए यह कार्रवाई की गई है। उल्लेखनीय है कि जय हिंद टॉकीज मैदान नगर की महत्वपूर्ण शासकीय भूमि में शामिल है। ऐसे में यहां तार फेंसिंग कर कब्जे की तैयारी और जाहिर सूचना का बोर्ड लगाया जाना प्रशासन के संज्ञान में आने के बाद कार्रवाई की गई। फिलहाल राजस्व विभाग ने मौके पर की गई अवैध फेंसिंग और पोल को हटाकर भूमि को अतिक्रमण के प्रयास से मुक्त करा दिया है।

टोल प्लाजा के स्थानीय पास को लेकर नए नियम लागू, 20 किमी के दायरे में रहने वालों को मिलेगी रियायत

निजी चारपहिया वाहनों के लिए सालाना 1500 और 3000 रुपए का प्रावधान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। राष्ट्रीय राजमार्गों पर टोल शुल्क और स्थानीय वाहन चालकों को मिलने वाली रियायत को लेकर केंद्र सरकार ने नए नियम जारी किए हैं। राष्ट्रीय राजमार्ग फीस (दरों का अवधारण और संग्रहण) नियम, 2008 में पांचवें संशोधन के तहत उन वाहन मालिकों को रियायती स्थानीय पास लेने का विकल्प दिया गया है, जिनका निवास संबंधित टोल प्लाजा से 20 किलोमीटर के दायरे में है। इसके लिए वाहन का निजी यानी गैर-वाणिज्यिक उपयोग के लिए पंजीकृत होना और उस पर वैध एवं सक्रिय फास्टैग होना अनिवार्य है। नए प्रावधान के अनुसार टोल प्लाजा यदि नगरपालिका या स्थानीय नगर क्षेत्र की सीमा से बाहर स्थित है तो सालाना पास के लिए 1500 रुपए और नगरपालिका अथवा स्थानीय नगर क्षेत्र की सीमा के भीतर स्थित टोल प्लाजा के लिए 3000 रुपए सालाना शुल्क निर्धारित किया गया है। यह पास केवल संबंधित टोल प्लाजा पर आवागमन के लिए मान्य होगा। निर्धारित दरों में केंद्र सरकार प्रत्येक वर्ष 1 अप्रैल को संशोधन करेगी। इस संबंध में बालाघाट और मर्री टोल प्लाजा के मैनेजर विकास सिंह ने बताया कि राजपत्र में जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार स्थानीय चारपहिया वाहन चालकों के लिए पास की व्यवस्था की गई है। उन्होंने बताया कि



12 महीने के लिए 1500 रुपए का पास जारी किया जाएगा, जबकि 20 किलोमीटर के दायरे में आने वाले मल्टी टोल प्लाजा की व्यवस्था के तहत चारपहिया वाहनों के लिए 360 रुपए का मासिक पास भी बनाया जाएगा। हालांकि, अलग-अलग श्रेणी के पास और उनकी पात्रता को लेकर वाहन चालकों को संबंधित टोल प्लाजा से जानकारी लेने की सलाह दी गई है। मैनेजर के मुताबिक, जिले से बाहर या अन्य राज्यों के ऐसे चारपहिया वाहन, जिनके पास स्थानीय रियायती पास नहीं है, उन्हें मर्री टोल प्लाजा से गुजरने पर एक तरफ का 95 रुपए शुल्क देना होगा। यदि वाहन 24 घंटे के भीतर वापस लौटता है तो वापसी पर 45 रुपए का शुल्क निर्धारित बताया गया है। विकास सिंह ने यह भी बताया कि अन्य राज्यों के वाहनों के लिए सालाना पास की अलग व्यवस्था के तहत 3000 रुपए तक के पास जारी किए जा सकते हैं, जबकि 360 रुपए वाला मासिक पास अन्य जिलों के वाहनों पर लागू नहीं होगा। नए नियमों के अनुसार रियायती स्थानीय पास उन्हीं पात्र निजी वाहनों को दिया जाएगा, जिनके मालिक टोल प्लाजा से निर्धारित 20 किलोमीटर के दायरे में रहते हैं। इसके अलावा यदि वाहन चालकों के आवागमन के लिए सर्विस रोड या वैकल्पिक सड़क उपलब्ध है तो उन्हें यह रियायती पास जारी नहीं किया जाएगा। वहीं, यह सुविधा उन राष्ट्रीय राजमार्गों और एक्सप्रेसवे पर लागू नहीं होगी, जहां बंद उपयोगकर्ता संग्रहण प्रणाली के आधार पर टोल शुल्क लिया जाता है। ऐसे में स्थानीय वाहन चालकों के लिए नए नियमों के तहत पास बनवाने से पहले अपने वाहन की पात्रता, पास की अवधि और संबंधित टोल प्लाजा पर लागू शुल्क की जानकारी लेना जरूरी होगा।

जीआरपी बालाघाट का एक्शन मोड

दिन-रात परेड, रेलवे स्टेशन पर सघन चेकिंग अभियान

एनडीपीएस अभियान के तहत संदिग्धों पर पैनी नजर, ट्रेन से लेकर स्टेशन के आउटर एरिया तक खंगाला जा रहा चप्पा-चप्पा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने और मादक पदार्थों की तस्करी सहित अन्य आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए जीआरपी चौकी बालाघाट ने अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। पुलिस मुख्यालय भोपाल से प्राप्त आदेशों के पालन में जीआरपी के अधिकारी एवं कर्मचारियों को शारीरिक रूप से फिट रखने, उनमें अनुशासन की भावना विकसित करने और ड्यूटी के दौरान मुस्तैदी बनाए रखने के उद्देश्य से प्रतिदिन सुबह एवं रात्रि में परेड करवाई जा रही है। वहीं, एनडीपीएस अभियान के तहत रेलवे स्टेशन परिसर में आने-जाने वाले यात्रियों और संदिग्ध व्यक्तियों की गहनता से जांच की जा रही है। सुरक्षा के इस अभियान में रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म से लेकर मुसाफिर खाना और आउटर एरिया तक पुलिस की निगरानी बढ़ा दी गई है। पुलिस की इस दोहरी कवायद में जहां अधिकारी-कर्मचारियों की फिटनेस और अनुशासन पर जोर दिया जा रहा है, वहीं रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए संदिग्ध गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा रही है।



फिटनेस और अनुशासन के लिए सुबह-रात परेड

पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा जारी निर्देशों के अनुरूप जीआरपी चौकी बालाघाट में अधिकारी-कर्मचारियों की नियमित परेड करवाई जा रही है। सुबह और रात्रि में होने वाली इस परेड का उद्देश्य पुलिसकर्मियों को शारीरिक रूप से चुस्त-दुरुस्त रखना और उनमें अनुशासन की भावना को मजबूत करना है। पुलिसकर्मियों की फिटनेस को उनकी कार्यक्षमता और कर्तव्य निर्वहन से जोड़ते हुए नियमित अभ्यास पर जोर दिया जा रहा है। परेड के माध्यम से कर्मचारियों की शारीरिक रूप से सक्रिय रखने के साथ ही ड्यूटी के दौरान सतर्कता, अनुशासन और जिम्मेदारी के प्रति जागरूक किया जा रहा है। पुलिस मुख्यालय के आदेशों के पालन में की जा रही इस व्यवस्था से अधिकारी-कर्मचारियों को अपनी नियमित ड्यूटी के साथ फिटनेस बनाए रखने में मदद मिलेगी।

एनडीपीएस अभियान के तहत स्टेशन पर सघन जांच

रेलवे स्टेशन बालाघाट में एनडीपीएस अभियान के तहत संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के लिए जीआरपी द्वारा सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। स्टेशन पर आने-जाने वाले यात्रियों के साथ संदिग्ध बदमाश व्यक्तियों की चिन्हित कर उनकी गहनता से जांच की जा रही है। इसके अलावा यह भी चेकिंग की जा रही है कि अभियान का उद्देश्य रेलवे स्टेशन और उसके आसपास के क्षेत्रों में मादक पदार्थों की तस्करी सहित अन्य आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना है। जीआरपी की टीम द्वारा आने-जाने वाली ट्रेनों में जांच की जा रही है। इसके साथ ही प्लेटफार्म, टिकट बुकिंग विंडो, मुसाफिर खाना और स्टेशन के संपूर्ण आउटर एरिया को भी चेकिंग के दायरे में रखा गया है। रेलवे स्टेशन के विभिन्न हिस्सों में निगरानी रखकर संदिग्ध व्यक्तियों की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है।

ट्रेन, प्लेटफार्म और आउटर एरिया पर नजर

रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा व्यवस्था को व्यापक बनाने के लिए जीआरपी द्वारा केवल ट्रेनों और प्लेटफार्म तक ही चेकिंग सीमित नहीं रखी गई है, बल्कि स्टेशन परिसर के बाहरी क्षेत्रों में भी जांच की जा रही है। यात्रियों की आवाजाही वाले प्रमुख स्थानों पर संदिग्ध व्यक्तियों को चिन्हित कर आवश्यक पूछताछ और जांच की जा रही है। रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की सुरक्षा और आपराधिक गतिविधियों की रोकथाम को ध्यान में रखते हुए जीआरपी की टीम द्वारा लगातार सतर्कता बरती जा रही है। पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशों के अनुरूप चल रही इस व्यवस्था में नियमित परेड और सघन चेकिंग को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के रूप में निभाया जा रहा है।

पुलिस मुख्यालय के निर्देशों का किया जा रहा पालन- गढ़पाल

जीआरपी चौकी बालाघाट के हेड मुंशी प्रधान आरक्षक राकेश गढ़पाल ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस मुख्यालय भोपाल से प्राप्त आदेशों के पालन में अधिकारी-कर्मचारियों की फिटनेस और अनुशासन बनाए रखने के लिए प्रतिदिन सुबह एवं रात्रि में परेड करवाई जा रही है। वहीं, एनडीपीएस अभियान के तहत रेलवे स्टेशन पर आने-जाने वाले यात्रियों और संदिग्ध व्यक्तियों की गहनता से जांच की जा रही है।उन्होंने बताया कि आने-जाने वाली ट्रेनों, प्लेटफार्म, बुकिंग विंडो, मुसाफिर खाना तथा स्टेशन के संपूर्ण आउटर एरिया में चेकिंग की जा रही है। पुलिस मुख्यालय के निर्देशों के अनुरूप जीआरपी चौकी बालाघाट द्वारा नियमित रूप से इन गतिविधियों को संचालित किया जा रहा है।

फांसी पर लटका मिला बुजुर्ग का शव, आत्महत्या की जताई जा रही आशंका

भरवेली थाना क्षेत्र के ग्राम हीरापुर का मामला, जांच में जुटी पुलिस

आत्महत्या की जताई जा रही आशंका

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भरवेली थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्रामीण हीरापुर में बीती रात उस वक्त हड़कंप मच गया जब वार्ड नं 16 निवासी एक बुजुर्ग का शव ,उसी घर पर ही फांसी के फंदे पर लटकता हुआ दिखाई दिया।मृतक का नाम झामसिंह पिता सुखराम गवालवंशी बताया गया है जिसके शव का सोमवार की सुबह जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम कराकर अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया गया है।तो वही मामले की जांच के लिए डायरी भरवेली थाना पहुंचाई गई है।



पिछले 5 वर्षों से बीमारी से जूझ रहा था बुजुर्ग

प्राप्त जानकारी के अनुसार बुजुर्ग झामसिंह पिछले 5 वर्षों से काफी बीमार था, जिसका उपचार उनके परिजनों द्वारा किया जा रहा था। बताया गया कि करीब 15 दिन पूर्व ही नागपुर से उपचार कराकर उन्हें घर लाया गया था। रोजाना तकलीफ होने की बात बुजुर्ग द्वारा कही जाती थी। जानकारी के अनुसार बीती रात घर के सभी लोग साथ में खाना खाकर सो गए थे, रात्रि करीब 3 बजे जब बुजुर्ग का छोटा बेटा लघुशंका के लिए उठा, तो उसने घर के बाहर टीन के सेड में रस्सी के सहारे फांसी में लटका हुआ पिता झामसिंह का शव दिखाई दिया। जिसकी जानकारी उसने अपने भाई को दी और वहां चीख पुकार मच गई।

बरहाल बुजुर्ग की मौत कैसे हुई फिलहाल यहां स्पष्ट नहीं हो पाया है, लेकिन प्रथम दृष्टिया बुजुर्ग ने आत्महत्या की होगी, ऐसी बात उनके परिजनों द्वारा कहीं जा रही है। हालांकि यह मामला आत्महत्या है या फिर हत्या से जुड़ा है, यह तो पुलिस जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही तय हो पाएगा।लेकिन परिजनों की माने तो बुजुर्ग बीमारी से काफी परेशान थे जिसके चलते ही उन्होंने यह कदम उठाया होगा ऐसी बातें कहीं जा रही है। हालांकि पुलिस द्वारा हर एंगल से मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

पीएम के बाद सौंपा गया शव

उधर अस्पताल चिकित्सक से तहरीर मिलने पर अस्पताल चौकी पुलिस ने शव को बरामद कर अन्य आवश्यक कार्यवाही पूरी की ।वही परिजनों के बयान दर्ज किए गए और रविवार की सुबह शव का पोस्टमार्टम कराकर अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार एक युवक की मौत, साथी गंभीर रूप से घायल

घायल को किया गया जिला चिकित्सालय रिफर, मृतक का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंपा, जांच में जुटी पुलिस





पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। लालबर्रा विकासखंड का प्रवेश द्वार स्थित बंजारी मंदिर केजई के समीप ३१ अक्टूबर एवं १ नवंबर की दरमियानी रात करीब २ बजे एक तेज रफ्तार अज्ञात चौपहिया वाहन ने बाइक सवारों को जोरदार टक्कर मार दी। इस भीषण सड़क हादसे में बालाघाट निवासी एक युवक की मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया है, जिसका लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में प्राथमिक उपचार कर गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर उपचार के लिए जिला चिकित्सालय रिफर किया गया है। वहीं मृतक की पहचान बालाघाट के प्रेमनगर निवासी २५ वर्षीय ब्रजेश धुर्वे के नाम से हुई है। जिसकी जानकारी उसके परिजनों को दी गई। १ नवंबर को दोपहर में मृत युवक का चिकित्सक के द्वारा पोस्टमार्टम किया गया तत्पश्चात उसके परिजनों को शव सुपुर्द कर दिया है एवं पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

अज्ञात वाहन ने मारी जोरदार टक्कर

प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रेमनगर बालाघाट निवासी २५ वर्षीय ब्रजेश धुर्वे अपने साथी के साथ बरघाट सिवनी की ओर से लालबर्रा की ओर मोटरसाइकिल से आ रहे थे। तभी केजई बंजारी माता मंदिर के आगे विपरित दिशा एवं तेज गति से आ रहे अज्ञात चौपहिया वाहन ने उनकी बाइक को जबरदस्त टक्कर मार दी और अज्ञात वाहन चालक वाहन लेकर फरार हो गया। इस सड़क हादसे में बाइक में सवार दोनों युवक घायल हो गये। जिसके बाद पुलिस को घटना की जानकारी लगने पर थाना प्रभारी के निर्देश पर पुलिसकर्मी घटना स्थल पहुंचे और घायलों को तत्काल लालबर्रा अस्पताल लेकर आये। जहां चिकित्सक के द्वारा उपचार किया गया, इस दौरान चिकित्सक ने ब्रजेश धुर्वे को मृत घोषित कर दिया एवं उसके साथी का प्राथमिक उपचार कर गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर उपचार के लिए जिला चिकित्सालय रिफर कर दिया है। पुलिस ने रात हो जाने के कारण मृत युवक के शव को शव विच्छेदन गृह में रखवा दिया और १ नवंबर को दोपहर में चिकित्सक के द्वारा मृत युवक का पोस्टमार्टम कर शव उसके परिजनों को अंतिम संस्कार हेतु सौंप दिया है। वहीं पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

नेवरगांव वा. शास. उमावि. में नि:शुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का हुआ आयोजन

४५२ विद्यार्थियों का हुआ नेत्र परीक्षण, ७७ बच्चों को नि:शुल्क चश्मे का किया गया वितरण

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत नेवरगांव वा. स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में शनिवार को विद्यार्थियों के स्वास्थ्य एवं नेत्र सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए नि:शुल्क नेत्र परीक्षण शिविर संपन्न हुआ। इस अवसर पर लालबर्रा विकासखंड से पहुंचे नेत्र चिकित्सक सहायक टीसी बिसेन ने विद्यालय में अध्ययनरत ३१९ एवं माध्यमिक विद्यालय के १४१ विद्यार्थियों सहित कुल ४५२ विद्यार्थियों के आंखों की जांच की। वहीं नेत्र परीक्षण के दौरान ७७ विद्यार्थी ऐसे पाये गये जिन्हें शासन की ओर से नि:शुल्क चश्मे प्रदान किये गये। इस पहल से विद्यार्थियों को दृष्टि संबंधी समस्याओं के निराकरण में सहायता मिलेगी तथा उनकी पढ़ाई में भी सुविधा होगी। यह नेत्र परीक्षण शिविर विद्यार्थियों के स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा उनकी शैक्षणिक प्रगति में आने वाली दृष्टि संबंधी बाधाओं को दूर करने की दिशा में एक सराहनीय पहल साबित हुआ। इस अवसर पर शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नेवरगांव वा. के प्राचार्य श्रीमती उषा देशमुख सहित अन्य शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सकों का सहाहनीय योगदान रहा।



ब्लॉक मरार माली समाज लालबर्रा की आवश्यक बैठक संपन्न

बैठक में सदस्यता अभियान, समाजोत्थान और एक जिला-एक नियम के पालन पर दिया गया जोर

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत मानपुर के पेट्रोल पंप के सामने स्थित लॉन में रविवार को ब्लॉक मरार माली समाज लालबर्रा की एक आवश्यक बैठक आयोजित की गई। यह बैठक समाज के ब्लॉक अध्यक्ष कैलाश माले की अध्यक्षता में प्रारंभ हुई। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थित पदाधिकारियों एवं समाज के बंधुओं ने महात्मा ज्योतिबाराव फुले और माता सावित्रीबाई फुले के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया। बैठक के दौरान वर्ष २०२६ के सदस्यता अभियान की प्रगति की गहन समीक्षा की गई और उपस्थित पदाधिकारियों ने सभी ग्राम और सर्किल अध्यक्षों तथा सचिवों से अभियान की जानकारी ली। इस दौरान पदाधिकारी एवं सदस्यों ने खाता कि सदस्यता का कार्य सुचारू रूप से जारी है। वहीं बैठक में जिला मरार माली समाज की आमसभा में पारित प्रस्तावों के अनुपालन पर विशेष जोर दिया गया। बैठक में एक जिला-एक नियम के १५ बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई और उपस्थित पदाधिकारियों ने अपने-अपने विचार रखे। सभी से अपील की गई कि वे ग्राम स्तर पर इन नियमों का पालन सुनिश्चित करवाये ताकि सामाजिक व्यवस्था में सुधार आ सके। साथ ही समाज को प्रगति के पथ पर अग्रसर करने के लिए समाजोत्थान से जुड़े कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये। जिसमें समाज में फैली कुछ कुरीतियों को दूर करने, वैवाहिक कार्यक्रमों में डीजे पर प्रतिबंध लगाने और मृत्युभोज जैसी प्रथाओं को बंद करने का निर्णय लिया गया। वहीं बैठक में सामाजिक भवन निर्माण के कार्यों की भी समीक्षा की गई और निर्माण कार्य को तीव्र गति से आगे बढ़ाने की बात कही गई। साथ ही सभी सामाजिक पदाधिकारियों ने कहा कि एक जिला-एक नियम के तहत जो बनाये गये नियम है उसका ग्राम स्तर पर कड़ाई से पालन करवाने की बात कही। चर्चा में मरार माली समाज ब्लॉक लालबर्रा अध्यक्ष कैलाश माले ने बताया कि रविवार को मानपुर स्थित लॉन में मरार माली समाज ब्लॉक लालबर्रा की आवश्यक बैठक आयोजित की गई। जिसमें सदस्यता अभियान, भवन निर्माण, एक जिला-एक नियम के प्रस्ताव पर कार्य करने, समाजोत्थान सहित अन्य बिन्दुओं पर चर्चा की गई। साथ ही उक्त विषय पर उपस्थित पदाधिकारियों ने अपने-अपने सुझाव भी दिये है। श्री माले ने बताया कि सदस्यता अभियान का कार्य जारी है और उक्त कार्य को तीव्र गति से करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये है। साथ ही एक जिला-एक नियम का ग्राम स्तर पर पालन करवाने की अपील की गई है और सभी को संगठित होकर समाजोत्थान के क्षेत्र में बेहतर काम करने कहा गया है। इस अवसर पर मरार माली समाज ब्लॉक लालबर्रा के पदाधिकारी, ग्राम/ सर्किल





रांगोली और चूना-डिस्टेंपर की दुकानें सजकर तैयार

महंगाई और बेमौसम बारिश ने बिगाड़ी ग्राहकी, महंगाई बढ़ने से सभी व्यापार मंद, दीपावली ८ को





पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। हिंदू धर्म के सबसे बड़े प्रकाश पर्व दीपावली में अब महज सात दिन का समय शेष रह गया है। आगामी ८ नवंबर को मनाये जाने वाले दीपोत्सव को चूना, डिस्टेंपर, मिट्टी के दीये, रंग-बिरंगी रांगोली तथा रांगोली बनाने की छलनियों की दुकानें पूरी तरह सजकर तैयार हो चुकी हैं। हालांकि इस बार बेलगाम महंगाई और स्थानीय परिस्थितियों के चलते त्यौहार नजदीक आने के बाद भी बाजारों से रौनक गायब है और व्यापारी ग्राहकों का इंतजार करने को मजबूर हैं।

ग्राहक तो पहुंच रहे, पर सिमट गई है खरीदारी

बाजार क्षेत्र में चूना, डिस्टेंपर और रांगोली का व्यवसाय करने वाले दुकानदारों का कहना है कि हर वर्ष दीपावली से एक सप्ताह पहले ही बाजारों में भारी भीड़ उमड़ पड़ती थी, लेकिन इस बार माहौल बिल्कुल विपरीत है। जो ग्राहक आ भी रहे हैं, वे पहले की तुलना में बहुत सीमित मात्रा में खरीदारी कर रहे हैं। इससे छोटे व्यापारियों का धंधा बेहद मंदा चल रहा है। वहीं व्यापारियों के अनुसार ग्रामीण अंचलों में किसानों की फसल कटाई का काम शुरू तो हो चुका है, लेकिन अचानक बदले मौसम के कारण किसान फसल की सुरक्षित थ्रेसिंग (चुरने) नहीं कर पा रहे हैं। जिसके कारण ग्रामीण अंचल के लोग क्रम संख्या में पहुंच रहे हैं क्योंकि फसल बेचने के बाद ही उनके पास रूपये होंगे और वे खरीदी करेंगें। वही प्रतिवर्ष दीपावली पर्व के एक सप्ताह पूर्व से बाजारों में खरीददारी करने लोगों का आना-जाना शुरू हो जाता था और दुकानों में भीड़ रहती थी किन्तु इस बार ऐसा नही हो रहा है। जिसका मुख्य कारण यह भी माना जा रहा है कि महंगाई चरमसीमा पर है एवं बरसात के बाद ग्रामीण क्षेत्रों के लोग बड़े शहरों की ओर रोजगार के लिए जाते थे और रूपये कमाकर दीपोत्सव पर्व के नजदीक आकर खरीदी करते थे से लोग नही आये है। वही इस बार मनरेगा के तहत पंचायतों में बरसात के बाद कोई काम नही होने एवं किसानों की फसल नही कटने के कारण लोगों के पास रूपये नही है जिसके कारण भी बाजार क्षेत्र में रौनक कम नजर आ रही है।

चर्चा में दुकानदारों ने बताया कि दीपावली पर्व के लिए चूना, डिस्टेंपर, रांगोली की दुकान लगाकर विक्रय कर रहे है किन्तु इस वर्ष की दीपावली पर्व में व्यापार बहुत मंदा चल रहा है। जिसका मुख्य कारण महंगाई व लोगों के पास रूपये नही है और इसी व्यापार की आय से परिवार का पालन पोषण करते है। अगर व्यापार अच्छा नही होगा तो जीवन यापन करने में कठिनाईयों का सामना करना पड़ेगा। साथ ही यह भी बताया कि एक-दो दिनों में मौसम साफ होने और त्यौहार की तारीख बिल्कुल नजदीक आने पर बाजारों में रौनक बढ़ेगी और ग्राहकों में तेजी आवेगी जिससे व्यापार भी बढ़ेगा।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया मध्यप्रदेश स्थापना दिवस

सीनियर बालिका छात्रावास में सांस्कृतिक एवं अन्य कार्यक्रमों का हुआ आयोजन





पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय की ग्राम पंचायत पांढरवानी के आमाटोला स्थित सीनियर बालिका छात्रावास में १ नवंबर को मध्यप्रदेश स्थापना दिवस अत्यंत हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाया गया। यह गरिमामयी आयोजन बालक एवं बालिका छात्रावास के संयुक्त तत्वाधान में संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम पांढरवानी सरपंच अनीस खान, पनविहरी सरपंच वीरेन्द्र बनवाले के मुख्य आतिथ्य, सीनियर बालिका छात्रावास की अधीक्षिका श्रीमती ठौकर, श्रीमती पंचेश्वर, बालक छात्रावास के अधीक्षक टीसी टांडेकर की अध्यक्षता एवं अभिभावकों के विशेष आतिथ्य में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया। इस स्थापना दिवस के अवसर पर छात्रावास के छात्र-छात्राओं ने गीत, भाषण और नृत्य की एक से बढ़कर एक शानदार प्रस्तुतियां देकर उपस्थित सभी लोगों का मन मोह लिया। बच्चों ने अपनी कला के माध्यम से मध्यप्रदेश की गौरवशाली संस्कृति और कला का जीवंत प्रदर्शन किया। इसके साथ ही छात्र-छात्राओं ने मध्यप्रदेश की गौरवशाली विरासत पर ओजस्वी भाषण दिये जिसमें राज्य के गठन से लेकर वर्तमान तक हुए विभिन्न विकास कार्यों और उपलब्धियों का सुंदर उल्लेख किया गया। जिसके बाद अतिथियों द्वारा गीत, भाषण और नृत्य प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कार वितरित कर सम्मानित किया गया। वहीं कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पांढरवानी सरपंच अनीस खान, पनविहरी वीरेन्द्र बनवाले ने कहा कि मध्यप्रदेश का यह स्थापना दिवस केवल एक उत्सव नहीं है, बल्कि यह हमारे राज्य की समृध्द संस्कृति, ऐतिहासिक धरोहर और निरंतर हो रहे विकास का प्रतीक है। आज के युवा और छात्र-छात्राएं ही इस प्रदेश का भविष्य हैं। जो अपनी मेहनत और प्रतिभा से आने वाले समय में मध्यप्रदेश का नाम देश और दुनिया में रोशन करेंगे। आगे अतिथियों ने बच्चों द्वारा प्रस्तुत किये गये सांस्कृतिक कार्यक्रमों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से बच्चों में अपने राज्य के प्रति प्रेम, अनुशासन और नेतृत्व क्षमता का विकास होता है। इस अवसर पर छात्रावास के समस्त स्टाफ, छात्र-छात्राएं एवं अभिभावक उपस्थित रहे।

अमोली बजरंग मंदिर में विहिप/बजरंग दल प्रखण्ड लालबर्रा की बैठक आज

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत अमोली स्थित बजरंग मंदिर में २ नवंबर को दोपहर ३ बजे से विहिप/बजरंग दल की आवश्यक बैठक आहूत की गई है। विहिप/बजरंग दल प्रखण्ड लालबर्रा के पदाधिकारी राहुल शुक्ला ने बताया कि नवंबर को दोपहर ३ बजे से अमोली स्थित बजरंग मंदिर में विहिप/बजरंग दल प्रखण्ड लालबर्रा की बैठक आयोजित की गई है। बैठक में हित चिंतक अभियान कार्यक्रम सहित अन्य बिन्दुओं पर चर्चा कर आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की जायेगी। इस अवसर पर विहिप/बजरंग दल प्रखंड लालबर्रा के प्रांत, विभाग, जिला, प्रखण्ड, ग्राम समिति एवं सभी कार्यकर्ताओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होने की अपील श्री शुक्ला ने की है।

सुंदरलाल ठाकरे बने पवार समाज किरनापुर ब्लॉक अध्यक्ष

पद्मेश न्यूज। हट्टा। पवार समाज के लिए गौरव और हर्ष का विषय है कि मोहगांव खुर्द के पूर्व सरपंच श्री सुंदरलाल ठाकरे को पवार समाज किरनापुर का ब्लॉक अध्यक्ष चुना गया है। उनके इस महत्वपूर्ण पद पर चयनित होने से समाज के लोगों में खुशी का माहौल है।श्री सुंदरलाल ठाकरे पूर्व में मोहगांव खुर्द सरपंच के रूप में भी अपनी सेवाएँ दे चुके हैं। उनके अनुभव और सामाजिक सक्रियता को देखते हुए उनके नेतृत्व में समाज को नई दिशा मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।ब्लॉक अध्यक्ष चुने जाने पर उन्हें समाज के लोगों, शुभचिंतकों एवं परिचितों की ओर से हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ दी जा रही हैं। उनके चयन को समाज की एकता, संगठन की मजबूती और सामाजिक विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।इस अवसर पर उनके उज्ज्वल कार्यकाल की कामना करते हुए आशा व्यक्त की गई कि वे समाज के हितों को प्राथमिकता देते हुए सामाजिक एकता, भाईचारे और जनकल्याण के कार्यों को आगे बढ़ाएंगे।श्री सुंदरलाल ठाकरे को पवार समाज किरनापुर ब्लॉक अध्यक्ष चुने जाने पर समाज में हर्ष का माहौल, शुभचिंतकों ने दी बधाई एवं शुभकामनाएँ।





झूठ, दबाव , षड़यंत्र रचने और गुमराह करने की राननिति कर रहे विवेक पटेल-रामकुमार नगपुरे

विधायक के दबाव में जिला अध्यक्ष ने बिना कारण बताओ नोटिस दिए संगठन से बाहर करने से नाराज रामकुमार नगपुरे ने ली प्रेसवार्ता

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के विश्रामगृह में रविवार को पूर्व जिला पंचायत सदस्य एवं कांग्रेस नेता रामकुमार नगपुरे ने प्रेसवार्ता आयोजित कर कांग्रेस संगठन से अपने निष्कासन की कार्यवाही पर कड़ी नाराजगी जाहिर की। शरद पूर्णिमा के कार्यक्रम में विधायक विवेक पटेल को लेकर दिए गए बयान के बाद जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष संजय उइके के द्वारा की गई निष्कासन की कार्यवाही को उन्होंने एक तरफ ा बताते हुए संगठन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए। इस दौरान रामकुमार नगपुरे ने जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष संजय उइके एवं वारासिवनी विधायक विवेक पटेल पर जमकर निशाना साधा और मामले को प्रदेश संगठन एवं वरिष्ठ नेताओं तक पहुंचाने की बात कही। इस अवसर पर जनपद सभापति दोण डोहरे, जनपद सदस्य मुन्ना लिल्हारे, अवंती बाई लोधी महासभा के अध्यक्ष शेरा सुलाखे, भरत शिवहरे, अजब कुणगाये, सर्वेश मसकरे, गुड्डू लोधी, जयराम मानेकुरे, रमेश बनेवार, हुसनलाल रोहे सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विधायक पटेल अपने हिसाब से वारासिवनी खैरलांजी में संगठन चलाता है

पूर्व जिला पंचायत सदस्य रामकुमार नगपुरे ने कहा कि कांग्रेस कमेटी जिला अध्यक्ष संजय उइके ने मुझे संगठन से निष्कासित किया है। मुझे कारण बताओ नोटिस भी नहीं दिया ना ही दूरभाष पर मेरे से कोई संपर्क किया की विधायक को ऐसा क्यों बोला गया। विधायक मुझे क्षेत्र में बदनाम करना चाहता है खैरलांजी में इन्होंने दो से तीन मंच से भाषण दिया की खैरलांजी ग्राम में हमने २० लाख रुपये दिया है। इसके लिए मेरे द्वारा विधायक को फोन किया उन्होंने २ बजे तक आने की बात कही। फिर वह नहीं आए और उसके दो दिन बाद यह घटना हुई है मंच पर जब मैं गया तो गांव वाले मुझे कहने लगे २० लाख रुपये आए तो वह कहां खर्च किए अब उन्हें कौन बताएं कि पैसे आए ही नहीं तो खर्च क्या होंगे।

मेरा भी २५ वर्ष का राजनितिक सफर रहा है मैंने भी विधानसभा चुनाव लड़ा हूँ

श्री नगपुरे ने कहा की विधायक केवल झूठ बोल रहा है मेरा भी २५ वर्ष का राजनीतिक सफ र रहा है मैंने भी पूर्व मंत्री डोमन सिंह नगपुरे ,पूर्व विधायक श्री भगत के साथ काम किया। बोधसिंह भगत और प्रदीप जायसवाल को भी हमने देखा लेकिन विधायक विवेक पटेल से झूठ विधायक कोई नहीं देखा जो क्षेत्र की जनता को गुमराह कर रहा है। हम लोगों को पंचायत के चुनाव लड़ने होते हैं विधानसभा लोकसभा चुनाव तो हम लड़ेंगे नहीं अब इनकी गलती के कारण हमें मंच से कहना पड़ता है। मैंने कहा था विधायक को बुलाओ पूछो की कहां २० लाख रुपये दिया है ,कागज दिखाएं यदि कागज नहीं दिखाता है तो जूते का हार चढ़ाओ और तुमसे नहीं होता है तो मुझे बुलाओ मैं तीन जूते मारूंगा। यही बोला तो पार्टी से कोई लेटर स्पष्टीकरण मांगने नहीं आया और ना ही कोई जवाब मांगा गया सीधे निष्कासित कर दिया गया।

विधायक विवेक पटेल विकास के नाम पर जनता को चाकलेट दे रहा

श्री नगपुरे ने कहा की मैं मानता हूं यह भाषा सही नहीं है पर जब हमारी आदमी हमें ही बदनाम करने लगे तो बोलना पड़ता है। तभी पता चलेगा जनता तक बात पहुंचेगी मेरा आक्रोश था जो निकाला। अभी ब्लॉक अध्यक्ष जीतू राजपूत ने राहुल प्रियंका गांधी विचार मंच जिला अध्यक्ष जावेद अली से चर्चा की थी जिसमें उसने कहा था कि वह जिला अध्यक्ष मेरे सामने कुछ नहीं लगता तो जिला संगठन ने उसे पर क्या कार्यवाही की। अभी बैहर विधायक संजय उइके है वहां ५५ बच्चों की मौत हो गई इसकी जवाबदारी मुख्यमंत्री की है या विधायक की विधायक क्यों बनाते हैं। क्या उन्होंने क्षेत्र में एक दिन जाकर देखा की कितने बच्चों की मौत हो रही है किस कारण से हो रही है। राहुल गांधी और जीतू पटवारी को बुलाने का विषय अलग है। आपको क्षेत्र की जनता ने जिताया है आपकी जवाबदारी है कि क्षेत्र का आप ध्यान रखें वैसा ही विवेक पटेल वाला मामला है।

विधायक पटेल ने खैरलांजी क्षेत्र की ३० को कुछ नही दिया पार्टी को खराब कर रहे है

श्री नागपुरे ने कहा की ३० पंचायत को विधायक ने छोड़ दिया है काम कुछ नहीं है अभी मैं मंच से भी बोलूंगा कि कहां काम किया है कहां काम नहीं किया है यह गलत बात है फिर झूठ बोलते हैं। कांग्रेस अच्छी पार्टी है राहुल गांधी ,कमलनाथ ,जीतू पटवारी अच्छा काम कर रहे हैं लेकिन उनके नेता झूठ बोल रहे हैं । पार्टी को खराब करने के अलावा कुछ काम नहीं कर रहे हैं। चुनाव को ३ वर्ष ही गए हैं हंगा का संगठन नहीं है कोई मीटिंग नहीं होती है कांग्रेस को उसके नेता कहां लेकर जा रहे हैं पता नहीं ऐसे नेता रहेंगे तो कांग्रेस खत्म हो जाएगी और आने वाले समय में इन्हें टिकट मिला पर जितने वाले भी नहीं हैं। यह जो विषय रहा है इसके बारे में जिला अध्यक्ष, प्रदेश अध्यक्ष और जहां तक हमारी पहुंच है वहां तक जाकर बात करेंगे बताएंगे कि संगठन में दम दिखता नहीं है चार विधायक जीत गए हैं । कांग्रेस के नाम पर यह जो विषय है इसके लिए ५० बार जिला अध्यक्ष को फोन किया गया है फोन उठाया नहीं विधायक से दो बार बात हुई थी बैठकर बात करते हैं आने का समय विधायक ने दिया पर आया नहीं।

जेब में पैसा नही तो भूमि पूजन क्यों करना काम नही हुआ तो सरपंच को बदनाम करता है

श्री नगपुरे ने कहा की २ वर्ष पहले पंचायत में इन्होंने उद्घाटन किया उसका पत्थर भी लगा दिया पर काम नहीं किया और ना ही राशि दी अपने पास फंड नहीं है तो नहीं देना चाहिए । या हिसाब से भूमि पूजन करना चाहिए जब में १० रूपये है तो १०० रूपये का भूमि पूजन यह कर रहे हैं,विधायक स्वयं खराब होने के साथ कांग्रेस को भी खराब कर रहे हैं बिना सोचे मंचों से बोलते जा रहे हैं । मैं भी विधानसभा चुनाव लड़ा हूं मुझे भी २४००० वोट मिले थे ज्यादा नहीं ५००० तो मेरे वोट होंगे । मेरी जगह शास्त्री जी को ६००० वोट मिले थे मेरे जो वोट थे वह कांग्रेस को तो मिले विधायक अपने से तो जीता नहीं है। खैरलांजी की पंचायत में जहां ३०० वोट मिलते थे वहां २००० वोट मिले यहां किसने तुम्हारा काम किया विधायक को सोचना चाहिए। जनता स्थानीय नेता को गाली देती है झूठा विधायक है इसने और गले लगने से के अलावा कुछ नहीं कर रहे हैं।

विधायक विवेक पटेल झूठ का पुलिंदा है

श्री नगपुरे ने कहा की कांग्रेस के नहीं जिले के नेताओं ने मुझे निष्कासित किया है । कांग्रेस के भोपाल में बैठे पदाधिकारी से मैं बात करूंगा मैं जिले के कांग्रेस के नेताओं का निष्कासन नहीं मानता इन्होंने केवल आदेश जारी कर दिया। चुनाव का विषय अलग है मैं अभी किसान गर्जना संगठन का जिला अध्यक्ष हूँ। कोई पार्टी में नहीं जा रहा हो मेरा वोट कांग्रेस को रहेगा कार्यकर्ता कहां जाएंगे पता नहीं जिला अध्यक्ष की शिकायत करेंगे। मुझे कमलनाथ ने कांग्रेस में लाया है उनसे मैं बात करूंगा ,नेता कांग्रेस का हो भाजपा का हो कोई भी हो विकास नहीं करता तो मैं उसके खिलाफ हूं और जो झूठ बोलता है उसके पूरे खिलाफ हूँ हमारा विधायक पूरा झूठ है।

विधायक विवेक पटेल लोधी समाज को दर किनार एवं गुमराह कर रहा

श्री नगपुरे ने कहा की लोधी समाज को यह गुमराह कर रहे हैं विधायक खैरलांजी में पवार समाज के लोगों के घर जाते हैं लोधी समाज को पूछते तक नहीं है । दरकिनार कर रहे हैं ब्लॉक अध्यक्ष इन्होंने ८५ वर्ष के व्यक्ति को बना दिया कितनी बैठक हुई संगठन का क्या काम हुआ पता नहीं। संगठन की कहीं नहीं चलती है क्षेत्र का विधायक अपने हिसाब से काम करता है ,भोजेरे पटले कम थे क्या उन्हें हटा दिया गया लोधी समाज में युवा थे उन्हें छोड़ दिया गया उनकी जगह टोपी वाले को बनाया है ,उसके पास क्या है दो बार सरपंच चुनाव हार गया है। खैरलांजी में लोकसभा चुनाव के समय जीतू पटवारी आए थे २५ लोग थे। इन्होंने श्री सरस्वार को लाखों रुपए का बिल भेज दिया उन्होंने खुद इस बात को माना और बताया कि इन लोगों ने भारती पारधी का काम किया है । अब यह विधायक कांग्रेस का है या बीजेपी का यह लोधी समाज को गुमराह कर रहे है। विधायक ठीक नहीं है और मैं चाहता हूं कि आगे से कांग्रेस विधायक की टिकट भी ना दे।

लक्की कूपन में चमकी पांच भाग्यशाली विजेताओं की किस्मत, किसी को बाइक तो किसी को मिला स्कूटर

३ नवंबर को सिविल क्लब मैदान में होगा पुरस्कार का वितरण-संजय सिंह कछवाहा

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नवदुर्गा उत्सव समिति ३८६५८ तथा पंचम पुरस्कार हायर वाशिंग मशीन कूपन नंबर १२२९३ को प्राप्त हुआ है। इसके अलावा सांत्वना पुरस्कार के लिए कूपन के अंतिम तीन अंक ६५९ निर्धारित किए गए हैं। विदित है कि इस संचालन में व्यापारी वीरेंद्र सोहाने के सहयोग से पारदर्शिता से निकाला गया था। समिति की २३ वर्षों से चली आ रही इस परंपरा और आयोजन के उद्देश्य को लेकर समिति अध्यक्ष संजय सिंह कछवाहा ने बताया कि मां दुर्गा के आशीर्वाद से प्रतिवर्ष इस योजना के माध्यम से श्रद्धालुओं को लाखों रुपये के आकर्षक पुरस्कार प्राप्त होते हैं। कूपन का ड्रॉ सभी लोगों की मौजूदगी में खुले और निष्पक्ष तरीके से निकाला जाता है। श्रद्धालुओं का विश्वास, स्नेह और सहयोग ही समिति की सबसे बड़ी पूंजी है। समिति का उद्देश्य धार्मिक आयोजन के साथ श्रद्धालुओं को उत्सव के माध्यम से जोड़ना और उनके बीच खुशियां बांटना भी है। श्री कछवाहा ने बताया कि शरद पूर्णिमा के अवसर पर प्रतिवर्ष श्रद्धालुओं के मनोरंजन के लिए बॉलीवुड के प्रसिद्ध गायकों एवं इंडियन आइडल जैसे संगीत मंचों से जुड़े कलाकारों को आमंत्रित किया जाता है। इस वर्ष भी विनोद राठौड़, चांदनी मुखर्जी और अब्दुल शेख की गायकी से सांस्कृतिक संध्या यादगार बनी। श्रद्धालुओं के उत्साह और मांग को देखते हुए कूपन साथ लेकर समिति के सदस्यों अथवा जिस स्थान से उन्होंने कूपन प्राप्त किया था वहां संपर्क कर सकते हैं। पुरस्कार वितरण के अवसर पर समिति के पदाधिकारी सदस्य और नगर के गणमान्य नागरिक भी उपस्थित रहेंगे।







विवाह करने से मुकरने पर प्रेमी ने प्रेमिका की गला घोंटकर की हत्या आरोपी गिरफ्तार

रामपायली पुलिस ने दो दिन में सुलझाई अंधे कत्ल की गुत्थी



पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। रामपायली पुलिस थाना अंतर्गत ग्राम बोदलकसा के जंगल बांसी एथेनॉल प्लांट के पास २१ वर्षीय साक्षी डोहरे के मिले शव के मामले में १ नवंबर को अनुविभागीय अधिकारी पुलिस कार्यालय में प्रेस वार्ता आयोजित कर घटना का खुलासा किया गया। जिसमें बताया की आकाश वाघमारे के द्वारा साक्षी डोहरे की हत्या प्रेम विवाह करने से मुकरने पर गला घोंटकर की गयी है। इस मामले का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस की सूक्ष्म जांच के बाद हुआ। मामले में रामपायली पुलिस ने त्वरित कार्यवाही करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर आरोपी के विरुद्ध हत्या एवं साक्ष्य छिपाने से संबंधित धाराओं में प्रकरण दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया है।

पीएम रिपोर्ट से हुआ हत्या का खुलासा

प्राप्त जानकारी के अनुसार २९ अक्टूबर २०२६ की रात ग्राम बोदलकसा के जंगल में बांसी एथेनॉल प्लांट के पीछे नहर से लगभग ५० मीटर की दूरी पर एक २१ वर्षीय युवती का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिला था। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस अधीक्षक नितेश भार्गव, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक निहित उपाध्याय एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस प्रशांत शर्मा के निर्देशन में मामले की जांच शुरू की गई। थाना प्रभारी रामपायली विनोद यादव एवं उनकी टीम को घटना की वारीकी से जांच कर साक्ष्य जुटाने के निर्देश दिए गए। जांच के दौरान मृतिका की पहचान साक्षी पिता रामेश्वर डोहरे निवासी लिंगमारा थाना रामपायली के रूप में हुई। वह बालाघाट स्थित मिताली अस्पताल में नर्स के रूप में कार्यरत थी। इस मामले में आरोपी आकाश वाघमारे पिता प्रभाकर वाघमारे उम्र २६ वर्ष निवासी गोरेघाट थाना तिरोड़ी के द्वारा थाने में आकर युवती के आत्महत्या की सूचना देकर घटना को आत्महत्या का मामला बताने का प्रयास किया गया। सूचना पर पुलिस के द्वारा मौके पर जांच करने के बाद वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश अनुसार कार्यवाही करने के साथ शव बरामद कर पोस्टमार्टम कराया गया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट ने पूरे मामले की दिशा बदल दी डॉक्टरों के पैनल द्वारा तैयार पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मृत्यु का कारण गला घोंटने से दम घुटना स्पष्ट हुआ। इससे यह पुष्टि हुई कि युवती ने आत्महत्या नहीं की थी बल्कि उसकी हत्या की गई थी।

प्रेम विवाह करने का दबाव बना रहा था आरोपी

पुलिस जांच में पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर हत्या प्रदर्शित होने पर पुलिस के द्वारा आरोपी आकाश पिता प्रभाकर वाघमारे उम्र २६ वर्ष निवासी वार्ड क्रमांक ७ गोरेघाट थाना तिरोड़ी को अभिरक्षा में लेकर विस्तृत पूछताछ की गई । जिसमें उसने बताया कि साक्षी और उसका प्रेम संबंध था जिससे प्रेम विवाह करना चाहता था । परंतु मृतिका द्वारा इसका विरोध कर दूरी बनाने का प्रयास किया जा रहा था इसके बावजूद लगातार विवाह के लिए दबाव डाल रहा था। इसमें घटना वाले दिन आरोपी मृतिका को बालाघाट से अपनी मोटरसाइकिल पर घुमाने के बहाने बोदलकसा के जंगल में ले गया जहां उसने विवाह से इनकार करने पर युवती का गला घोंटकर हत्या कर दी। इसके बाद घटना को आत्महत्या का रूप देने के लिए आरोपी के द्वारा झामक बातें फैलाने और साक्ष्य छिपाने का प्रयास किया गया। पुलिस ने घटना स्थल का निरीक्षण करने के साथ तकनीकी एवं भौतिक साक्ष्य जुटाए तथा मृतिका के परिजनों और संबंधित व्यक्तियों से पूछताछ की। इसी दौरान आरोपी की भूमिका सामने आई।

आरोपी गिरफ्तार, महत्वपूर्ण साक्ष्य जब्त

मामले की गंभीरता को देखते हुए रामपायली थाने में अपराध क्रमांक ३६७/२०२६ के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा १०३(१) एवं २३८ क में प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया गया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए ३१ अक्टूबर २०२६ की रात लगभग १०.४५ बजे आरोपी आकाश बाघमारे को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को न्यायलय वारासिवनी के समक्ष पेश किया गया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल क्रमांक एम.पी.५० जेड सी ५९५० उसका मोबाइल फोन, मृतिका का ब्लाइट तथा घटना में प्रयुक्त रस्सी बरामद की मामले में पुलिस की सूक्ष्म विवेचना जारी है।

युवती शादी करने तैयार नहीं थी युवक दबाव बना रहा था इसलिये हत्या की-प्रशांत शर्मा

एसडीओपी प्रशांत शर्मा ने बताया कि २९ अक्टूबर को बोदलकसा में बांडी मिली थी मौके पर आरोपी युवक एवं सरपंच उपस्थित थे। मृतिका की पहचान साक्षी डोहरे २१ वर्ष के रूप में की गई थी मिताली अस्पताल में नर्स का काम करती थी। मर्ग जांच में परिजनों का कथन लेकर पोस्टमार्टम रिपोर्ट का अवलोकन किया गया। जिसमें आत्महत्या नहीं हत्या जैसा प्रकरण स्पष्ट हुआ तो आकाश वाघमारे को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की गई। तो उसने बताया कि दोनों का प्रेम संबंध था विवाह करना चाहता था साक्षी तैयार नहीं थी आक्रोश में गला दबाकर उसने हत्या कर दी। मामले में मर्ग पर अपराध दर्ज कर आरोपी को न्यायालय पेश किया गया है । युवक के द्वारा जो स्टोरी बताई गई कि वह सिंदिया थी जांच में तकनीकी साक्षी भी निकले लड़की के अभिभावक ने भी बताया कि बातचीत होती थी इसमें युवती शादी करने तैयार नहीं थी युवक दबाव बना रहा था।

जिला स्तरीय रंगोली प्रतियोगिता में ७९ प्रतिभागियों ने दिखाई प्रतिभा

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। कृषि उपज मंडी परिसर में संस्कार भारती के तत्वावधान में १ नवंबर को जिला स्तरीय रंगोली प्रतियोगिता २०२६ का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में नगर सहित आसपास के क्षेत्रों के कुल ७९ प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। प्रतिभागियों ने निर्धारित विषयों पर अपनी कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए आकर्षक एवं संदेशप्रद रंगोलियां उकेरीं। प्रतियोगिता को दो श्रेणियों में आयोजित किया गया । श्रेणी क में कक्षा ८ वीं से १२ वीं तक के छात्र छात्राओं ने भाग लिया जिसमें कुल ६१ प्रतिभागी शामिल हुए। वहीं श्रेणी ख में महाविद्यालयीन छात्र छात्राओं एवं अन्य नागरिकों के लिए आयोजित प्रतियोगिता में १८ प्रतिभागियों ने अपनी सहभागिता दर्ज कराई। सभी प्रतिभागियों को अपनी रंगोली के माध्यम से निर्धारित विषयों को कलात्मक रूप में प्रस्तुत करने का अवसर मिला। प्रतियोगिता के लिए आत्मनिर्भर भारत, भारत के वीर शहीद एवं स्वतंत्रता सेनानी, वन्य एवं पर्यावरण संरक्षण, हमारी संस्कृति हमारी विरासत, ऊर्जा के स्रोत तथा बालाघाट जिले के किसी एक दर्शनीय स्थल जैसे विषय निर्धारित किए गए थे। प्रतिभागियों ने इन विषयों को रंगों और कलात्मक अभिव्यक्ति के माध्यम से प्रस्तुत करते हुए भारतीय संस्कृति, राष्ट्रीय गौरव, पर्यावरण संरक्षण और स्थानीय विरासत के प्रति अपनी सोच को रंगोली के जरिए साकार किया। प्रतियोगिता में शामिल प्रतिभागियों के उत्साह और उनकी कलात्मक प्रस्तुतियों को देखते हुए पुरस्कार वितरण समारोह आगामी १५ नवंबर को आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर उत्कृष्ट रंगोलियां बनाने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया जाएगा। प्रणय श्रीवास्तव ने बताया की १६ वर्षों से वारासिवनी में हम जिला स्तरीय रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन संस्कार भारती के माध्यम से कर रहे हैं। यह १६ वां वर्ष है इस अवसर पर दो श्रेणी में यह प्रतियोगिता आयोजित की गई है। जिसमें कक्षा ८ से १२ में ६१ एवं महाविद्यालय और ओपन में १८ प्रतिभागी शामिल हुए हैं। जिनके द्वारा निर्धारित विषय पर मनमोहन रंगोली उकेरी गई है १५ नवंबर को कार्यक्रम का इनाम वितरण किया जायेगा।





'डिजिटल अरेस्ट' से आगे

'डिजिटल अरेस्ट' के घपलों पर 29 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई के दौरान, न्यायमूर्ति सूर्यकांत की यह झुंझलाहट समझ में आती है कि अदालत की तरफ से देरों चेतावनियों और आदेशों के बावजूद, लोग अब भी ऐसे घपलों का शिकार हो रहे हैं। बरामदगियों के बाद भी इस साल इन घपलों से लगभग 800 करोड़ रुपये की चपत लगी है। यह मोटी रकम पीड़ित व्यक्तियों की बचत से गयी है। लेकिन यह केवल भोलेपन का मामला नहीं है। खुद को सीबीआई या पुलिस अधिकारियों की तरह पेश करने वाले ठग इसलिए सफल हो जाते हैं कि उनके शिकार, खास तौर पर बुजुर्ग नागरिक, कानून प्रवर्तन एजेंसियों की बात मानते हैं या उनसे डरते हैं। जब भारतीय पुलिस को आम नागरिकों के प्रति सख्त और केवल ताकतवर लोगों की सेवा में लगा देखा जाता है, तो कई लोगों को चीड़ियों कॉल पर गिरफ्तारी के उतनी अविश्वसनीय नहीं लग सकती। खैर, 'केवाईसी संशोधन निर्देशावली, 2026' को अंतिम रूप देने के लिए अदालत का भारतीय रिजर्व बैंक पर दबाव डालना स्वागतयोग्य है। इस निर्देशावली के तहत बैंकों को संदिग्ध 'म्यूल एकाउंट्स' की पहचान करनी होगी और उन पर निकासी संबंधी अस्थायी रोक लगानी होगी। सीबीआई जांच में सामने आया है कि पीड़ितों को चुना लगाने के बाद अपनी कमाई सफेद बनाने के वास्ते घपलेबाज मुख्य रूप से 'म्यूल एकाउंट्स' का इस्तेमाल करते हैं और कुछ मामलों में, बैंक कर्मचारियों ने इन्हें खुलवाने में मदद की है। लेन-देन के पूरे इतिहास और एआई टूल्स की उपलब्धता को देखते हुए, बैंक अब असामान्य लेन-देन को ज्यादा तेजी से पहचान कर सकते हैं। अटॉर्नी जनरल का यह आश्वासन भी स्वागतयोग्य है कि 31 दिसंबर तक यह निर्देशावली लागू हो जायेगी। सुप्रीम कोर्ट का इस बात पर जोर कि पीड़ितों को केवल मुआवजा दें, आरबीआई के शून्य-दायित्व प्रावधानों से जुड़ा मसला हल करने पर ध्यान देता है। आरबीआई का सालाना 2017 का सर्कुलर केवल अनधिकृत लेन-देन को कवर करता है, जिससे वे पीड़ित लोग बेसहारा रह जाते हैं जिन्हें डरा-धमका कर पैसे ट्रांसफर करने के लिए मजबूर किया गया।

र भी, बैंकों की ओर से उचित सावधानी बरतने में कमी पाये जाने पर पीड़ितों को पूरा मुआवजा देने की व्यवस्था बहुत सावधानी से लागू की जानी चाहिए, क्योंकि यह बैंकों को वास्तविक %म्यूल एकाउंट्स% के अलावा बहुत से दूसरे खातों को भी संदिग्ध के रूप में चिह्नित करने के लिए बाध्य कर सकता है। आरबीआई के निर्देशों में पहले ही बहुत सी चीजें शामिल हैं। 1,000 रुपये या उससे अधिक के किसी लेन-देन को, जो खाताधारक की घोषित प्रोफाइल के हिसाब से %असामान्य% हो, या किसी रिपोर्ट किये गये खाते से जुड़ा हो, 60 दिनों तक रोके रखा जा सकता है, और अगर पुलिस निर्देश दे तो और भी अधिक समय तक। ऐसे मामलों में जहां छोटे व्यापारियों और 'जन धन' खाताधारकों को अनजाने में 'म्यूल एकाउंट्स' से पैसे मिले हैं, उनके खातों को दो महीने या अधिक समय के लिए फ्रीज कर देना एक गैर-आनुपातिक दंड है। इसके अलावा, सुप्रीम कोर्ट का यह सुझाव कि असामान्य लेन-देन की जानकारी अपने आप पुलिस को दी जाए और भौतिक रूप से सत्यापन किया जाए, निजता से जुड़ी चिंताएं पैदा करता है। इन उपायों को यह सुनिश्चित करना होगा कि बैंकों की नाकामियों की सजा सच्चे खाताधारकों को न भुगतनी पड़े। इनमें से कई घपले म्यांमार के संघर्षग्रस्त क्षेत्रों में और कंबोडिया तथा लाओस में तस्करी कर लाये गये भारतीयों का इस्तेमाल करके विभिन्न परिसरों से चलाये जा रहे हैं। इन देशों में ये घपले कुछ हद तक आधिकारिक संरक्षण के कारण फले-फूले हैं। भारत को इन हकूमतों पर दबाव डालने के लिए अपने रसूख का इस्तेमाल करना होगा।

किसानों को ग्रीन अमोनिया से सस्ती खाद की उम्मीद

भारतीय कृषि लंबे समय से बढ़ती लागत और घटती आमदनी की चुनौती व पुरानी रुढ़िवादी तकनीक से जूझ रही है। डीजल, बिजली, बीज, कीटनाशक और उर्वरकों की कीमतों में वृद्धि ने किसानों के सामने आर्थिक संकट को और गहरा किया है। खेती की लागत में उर्वरकों की हिस्सेदारी भी काफी महत्वपूर्ण है। विशेष रूप से यूरिया की उपलब्धता और उसकी कीमत किसानों के लिए हमेशा एक बड़ा मुद्दा रही है। ऐसे में सरकार द्वारा ग्रीन अमोनिया के इस्तेमाल की संभावनाएं तलाशना एक महत्वपूर्ण पहल मानी जा सकती है। यदि यह प्रयोग सफल होता है तो आने वाले समय में किसानों को सस्ती खाद उपलब्ध कराने की दिशा में बड़ा बदलाव संभव है। हालांकि, इस पहल की वास्तविक सफलता केवल तकनीकी प्रयोग तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि इसका लाभ खेतों में काम करने वाले किसानों तक पहुंचना भी जरूरी है।

किसानों के लिए खुश खबरी आई है कि सरकार छह राज्यों में लगभग 10 हजार एकड़ भूमि पर ग्रीन अमोनिया के उपयोग का परीक्षण कर रही है। इसका उद्देश्य यह समझना है कि पारंपरिक नाइट्रोजन आधारित उर्वरकों के विकल्प के रूप में इसका इस्तेमाल कितना प्रभावी और किफायती हो सकता है। ग्रीन अमोनिया का उत्पादन नवीकरणीय ऊर्जा से तैयार हाइड्रोजन के माध्यम से किया जाता है। इसके विपरीत परंपरागत अमोनिया उत्पादन में मुख्य रूप से प्राकृतिक गैस से प्राप्त हाइड्रोजन का उपयोग होता है। इस प्रक्रिया में ऊर्जा की अधिक खपत के साथ कार्बन उत्सर्जन भी होता है। इसलिए यदि अमोनिया को न केवल कृषि की लागत कम करने, बल्कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी एक संभावनाशील विकल्प माना जा रहा है।

नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के सचिव संतोष सारंगी के अनुसार, अमोनिया को सीधे मिट्टी में डालने से उर्वरक की लागत मौजूदा स्तर से लगभग एक-तिहाई तक घट सकती है। यदि यह अनुमान व्यावहारिक रूप से सही साबित होता है तो खाद उत्पादन और कृषि अर्थव्यवस्था के



लिए यह महत्वपूर्ण उपलब्धि होगी। लेकिन यहां एक बुनियादी सवाल भी है कि उत्पादन लागत में संभावित कमी का लाभ किसानों को किस रूप में मिलेगा? क्या इससे यूरिया की खुदरा कीमत घटेगी, या सरकार की सब्सिडी का बोझ कम होगा? इन सवालों का जवाब परीक्षण के परिणाम और सरकार की नीतिगत व्यवस्था से ही मिलेगा।

दरअसल, भारत में यूरिया केवल एक औद्योगिक उत्पाद नहीं, बल्कि कृषि उत्पादन व्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है। देश में बड़ी संख्या में किसान नाइट्रोजन की पूर्ति के लिए यूरिया पर निर्भर हैं। सरकार किसानों को सस्ती दरों पर यूरिया उपलब्ध कराने के लिए भारी सब्सिडी देती है। इसके बावजूद अंतरराष्ट्रीय बाजार में गैस और कच्चे माल की कीमतों में उतार-चढ़ाव का असर उर्वरक क्षेत्र पर पड़ता है। भारत को उर्वरकों के उत्पादन के लिए आवश्यक कच्चे माल और गैस की उपलब्धता के मामले में भी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में स्वच्छ ऊर्जा आधारित अमोनिया का विकल्प देश की आयात निर्भरता कम करने में भी सहायक हो सकता है। हालांकि, ग्रीन अमोनिया को यूरिया का सीधा और तत्काल विकल्प मान लेना जल्दबाजी होगी। अमोनिया एक प्रभावी नाइट्रोजन स्रोत है, लेकिन इसका सुरक्षित भंडारण, परिवहन और खेतों में उपयोग विशेष तकनीकी सावधानी की मांग करता है। यह एक विषाक्त रसायन है और इसके रिसाव से मानव स्वास्थ्य तथा पर्यावरण को गंभीर नुकसान पहुंच सकता है।

इसलिए किसानों को इसके इस्तेमाल की उचित जानकारी, सुरक्षा उपकरण और आधुनिक कृषि तकनीक उपलब्ध कराना आवश्यक होगा। इसके अतिरिक्त मिट्टी की प्रकृति, फसल की जरूरत, मौसम और सिंचाई की परिस्थितियों के अनुसार इसके प्रभाव का वैज्ञानिक मूल्यांकन भी जरूरी है।

सबसे महत्वपूर्ण चुनौती ग्रीन अमोनिया की उत्पादन लागत है। नवीकरणीय ऊर्जा से हाइड्रोजन तैयार करने और उसके माध्यम से अमोनिया बनाने के लिए बड़े निवेश, आधुनिक तकनीक और पर्याप्त ऊर्जा की जरूरत होती है। जब तक इसका उत्पादन बड़े पैमाने पर प्रतिस्पर्धी कीमतों पर नहीं होगा, तब तक किसानों को सस्ती खाद उपलब्ध कराने का लक्ष्य पूरी तरह हासिल करना आसान नहीं होगा। सरकार को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि इस तकनीक के विकास का आर्थिक बोझ अंततः किसानों पर न पड़े।

भारत में कृषि सुधारों की चर्चा अक्सर नई तकनीक और आधुनिक उत्पादन प्रणालियों तक सीमित रह जाती है, जबकि किसान की सबसे बड़ी चिंता उसकी लागत और उपज का उचित मूल्य है। ग्रीन अमोनिया की पहल को भी इसी कसौटी पर परखा जाना चाहिए। यदि इससे उर्वरकों की कीमत कम होती है, मिट्टी की सेहत बेहतर रहती है और पर्यावरण को नुकसान घटता है तो यह कृषि क्षेत्र के लिए दूरगामी परिवर्तन साबित हो सकता है। लेकिन केवल उत्पादन लागत में कमी का दावा पर्याप्त नहीं है। इसके लिए पारदर्शी मूल्य निर्धारण, वितरण व्यवस्था और किसानों तक तकनीक की पहुंच सुनिश्चित करनी होगी।

इसके साथ ही रासायनिक उर्वरकों के संतुलित उपयोग पर भी ध्यान देना जरूरी है। अत्यधिक यूरिया के इस्तेमाल से मिट्टी के पोषक तत्वों का संतुलन बिगड़ता है और कृषि भूमि की गुणवत्ता प्रभावित होती है। इसलिए ग्रीन अमोनिया को केवल सस्ती खाद के विकल्प के रूप में नहीं, बल्कि टिकाऊ कृषि व्यवस्था के व्यापक हिस्से के रूप में विकसित किया जाना चाहिए। जैविक खाद, नैनो उर्वरक, प्राकृतिक खेती और मिट्टी परीक्षण जैसी व्यवस्थाओं के साथ इसका संतुलित समन्वय जरूरी है।

निस्संदेह, ग्रीन अमोनिया को दिशा में सरकार का प्रयोग भविष्य की कृषि के लिए उम्मीद जगाता है। लेकिन किसानों को ऐसी योजनाओं के परिणामों के लिए वर्षों तक इंतजार नहीं करना चाहिए। सरकार को परीक्षण के नतीजे सार्वजनिक करने, उत्पादन लागत का वास्तविक आकलन करने और किसानों को मिलने वाले संभावित लाभ का स्पष्ट खाका तैयार करना चाहिए। कृषि प्रधान देश में तकनीकी नवाचार की सार्थकता तभी है, जब उसका लाभ खेत और किसान तक पहुंचे। आखिरकार, ग्रीन अमोनिया का उद्देश्य केवल हरित ऊर्जा को बढ़ावा देना नहीं, बल्कि किसान की जेब पर पड़ने वाला बोझ कम करना भी होना चाहिए। सस्ती खाद, स्वस्थ मिट्टी और खुशहाल किसान ही इस नई पहल की वास्तविक सफलता का पैमाना होंगे।

- सौरभ वार्ष्णेय
(लेखक वरिष्ठ पत्रकार, चिंतक, राजनीतिक विचारक है।)
(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

क्या एआई का बुलबुला फूट गया है?

पिछले हफ्ते दुनिया की सबसे बड़ी टेक्नोलॉजी सेवा प्रदाता कम्पनी गूगल और अमेजन के तिमाही नतीजों से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई जगत में घबराहट फैल गयी है। इनके साथ ही एआई से जुड़ी अन्य कंपनियां जैसे ग्रोथोपिक, कैटरपिलर, सर्विस नाउ आदि के तिमाही नतीजे भी एआई पर बहुते खर्च में प्रभावित हुये हैं। अमेरिकी शेयर बाजार ने भी इस संकेत की पुष्टि की और गूगल को पेरेंट कम्पनी एल्फाबेट के शेयरों में एक ही दिन में 13 प्रतिशत की ऐतिहासिक गिरावट दर्ज की गयी। यद्यपि अभी भी विशेषज्ञों के बीच पूरी सहमति नहीं है लेकिन अधिकांश का कहना है कि एआई का बुलबुला फूट रहा है। और इसका सबसे बड़ा कारण है एआई पर बेतहाशा खर्च। ज्ञात हो कि भले ही सारी दुनिया में इंसानों की जगह एआई की उपयोगिता का गुणगान हो रहा हो, इसको तैयार करने का खर्च इतना अधिक है कि लागत का बमुश्किल 10 से 15 प्रतिशत ही वसूल हो पाता है। इसी के चलते टेक्नोलॉजी कंपनियों के मुनाफे में कमी आ रही है और कुछ कंपनियां तो घाटे में भी आ गई हैं। एआई पर निर्भरता बढ़ाने की विश्वव्यापी कोशिशों के बीच यह एक गम्भीर चेतावनी है। देखने में यह एकदम हैरान करने वाली बात है कि टेक्नोलॉजी से जुड़ी कंपनियां हर काम में टेक्नोलॉजी का उपयोग बढ़ाने की कोशिश में घाटा क्यों उठा रही हैं। यह एक रोचक विरोधाभास है। वास्तव में एआई का उपयोग करने के लिये एल्गोरिदम और कोडिंग की बेहद जटिल प्रक्रिया की जरूरत होती है। इसके लिये बहुत से विशेषज्ञ कंप्यूटर इंजीनियर्स की जरूरत होती है। यानी जिस एआई को मानवीय परिश्रम कम करने का औजार बनाया जा रहा है, उसे तैयार करने में काफी अधिक मानवीय परिश्रम की जरूरत होती है। फिर एआई के लिये सबसे जरूरी ईंफ्रास्ट्रक्चर है डेटा सेन्टर जिसकी निर्माण लागत और संचालन बेहद खर्चीला है। बड़े बड़े सर्वर संयंत्रों को लगातार ठंडा रखने में पानी की अत्यधिक मात्रा की जरूरत होती है। बहुत से शहरों में डेटा सेन्टर के निर्माण की खबर से कई सामाजिक संगठनों ने विरोध शुरू कर दिया है क्योंकि इस बात की पूरी आशंका है कि डेटा सेन्टर बनने से उस शहर में पानी की कमी हो जायेगी। यानी बहुत से मानवीय भागीदारी के कामों को एआई से करवाने के लिये अत्यधिक मानवीय और प्राकृतिक संसाधनों की आवश्यकता है। साथ ही इसका असर रोजगार पर भी पड़ने वाला है। अभी हाल में माइक्रोसॉफ्ट ने अपने साठ हजार कर्मचारियों को आकर्षक पैकेज के साथ नौकरी छोड़ने का ऑफर दिया है। हो सकता है भावी घाटे को कम करने के इरादे से दूसरी कंपनियां भी ऐसे कदम उठाएं। यानी एआई के अलावा अन्य कामों से जुड़े इंजीनियर्स को कमतर समझकर नौकरी से निकाला भी जा सकता है। बहरहाल ऐसे कई विरोधाभासों के साथ भारी भरकम लागत ने अब एआई के औचित्य पर सवाल खड़े कर दिये हैं। इतिहास गवाह है कि हर टेक्नोलॉजी अपने साथ विभिन्न प्रकार की समस्याएं लेकर आई है। यूरोप में 18वीं और 19वीं सदी की औद्योगिक क्रान्ति के बाद वहां बेरोजगारी और असमानता का दौर चला और सारी दुनिया पर पर्यावरण संकट के लिये सबसे ज्यादा जिम्मेदार यूरोप के औद्योगीकरण को ही माना जाता है। ऊर्जा उत्पादन के उद्देश्य से विकसित परमाणु ऊर्जा की विभीषिका दुनिया दूसरे विश्वयुद्ध में देख ही चुकी है। कंप्यूटर युग में अति आधुनिक मशीनों के विकास के साथ बहुत से कामों में मानवीय भागीदारी कम होने से से अकुशल श्रमिकों के लिये संकट पैदा हुआ है। इसी तरह एआई का विकास भी दोधारी तलवार के समान है। बहरहाल एआई को लेकर इस कशमकश के बीच दुनिया की सारी टेक्नोलॉजी कम्पनियों में चिन्ता की लहर दौड़ गयी है। यद्यपि एआई का भविष्य अनिश्चित है लेकिन प्रतिस्पर्धा के चलते कोई भी कम्पनियां इसको नजरअंदाज करने का जोखिम नहीं उठाना चाहतीं, साथ ही इसकी भारी लागत को लेकर भी आशंकित हैं। दरअसल इधर कुआं उधर खाई वाली स्थिति है। बहरहाल एआई को लेकर दुनिया भर के टेक्नोलॉजी विशेषज्ञ एकराय नहीं हैं और यह तो वक्त ही बतायेगा कि एआई दुनिया के लिये फायदेमंद रहेगा या नुकसानदेह साबित होगा।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

- डॉ योगेन्द्र श्रीवास्तव

मुट्ठी भर अमीरों की कीमत चुका रही हैं पूरी दुनिया

दुनिया आज एक ऐसे विरोधाभास के दौर से गुजर रही है, जहां एक ओर विकास, समृद्धि और आधुनिकता के नए कीर्तिमान स्थापित किए जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर गरीबी, भुखमरी, हिंसा, विस्थापन और पर्यावरणीय विनाश की चुनौतियां लगातार विकराल होती जा रही हैं। प्रश्न यह है कि जब दुनिया के पास पर्याप्त संसाधन हैं, विज्ञान और तकनीक ने अभूतपूर्व प्रगति की है, तब भी करोड़ों लोग जीवन की बुनियादी आवश्यकताओं के लिए संघर्ष क्यों कर रहे हैं? अंतरराष्ट्रीय संस्था ऑक्सफैम की रिपोर्ट 'डिजाएस्टर डिवाइड' इसी प्रश्न का एक अत्यंत, किंतु विचारोत्तेजक उत्तर प्रस्तुत करती है। यह रिपोर्ट बताती है कि जलवायु संकट केवल प्रकृति की नाराजगी नहीं, बल्कि आर्थिक असमानता, अनियंत्रित उपभोग और संसाधनों पर मुट्ठी भर लोगों के बढ़ते नियंत्रण का परिणाम भी है। दुनिया की लगभग 80 लाख आबादी वाले सबसे धनी 0.1 प्रतिशत वर्ग की जीवनशैली और निवेश से होने वाला कार्बन उत्सर्जन करोड़ों नहीं, अरबों लोगों के जीवन को प्रभावित कर रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, यह वर्ग दुनिया के सबसे गरीब 44 प्रतिशत लोगों की तुलना में अधिक कार्बन प्रदूषण के लिए जिम्मेदार है। यह असमानता केवल आंकड़ों का अंतर नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनहीनता का ऐसा दस्तावेज है, जिसमें कुछ लोगों की विलासिता की कीमत पूरी मानवता चुका रही है। निजी विमान, विशाल नौकाएं, अत्यधिक ऊर्जा खपत और प्रदूषणकारी उद्योगों में निवेश आधुनिक अमीरी के प्रतीक बन गए हैं, जबकि दूसरी ओर गरीब आबादी स्वच्छ हवा, सुरक्षित पानी और दो वक्त की रोटी के लिए संघर्ष कर रही है। सवाल यह नहीं कि किसी व्यक्ति के पास कितनी संपत्ति है, बल्कि यह है कि उसकी संपत्ता का सामाजिक और पर्यावरणीय मूल्य कौन चुका रहा है।

इस संकट का सबसे भयावह पक्ष यह है कि जलवायु आपदाएं भी अमीर और गरीब के बीच भेदभाव करने लगी हैं। बाढ़ एक ही समय में अमीर की आलीशान कोठी और गरीब की झोपड़ी तक पहुंचती है, लेकिन दोनों के परिणाम अलग होते हैं। अमीर सुरक्षित स्थानों पर चले जाते हैं, बीमा और आधुनिक सुविधाओं से नुकसान की भरपाई कर लेते हैं, जबकि गरीब अपना घर, खेत, पशुधन और आजीविका गंवाकर वर्षों पीछे चला जाता है। ऑक्सफैम के अनुसार, अधिक आर्थिक असमानता वाले देशों में बाढ़ से होने वाली मौतें सात गुना तक अधिक होती हैं। इतना ही नहीं, रिपोर्ट बताती है कि दुनिया के सबसे अमीर एक प्रतिशत लोगों का उत्सर्जन भविष्य में लगभग 19 लाख अतिरिक्त गर्मी-संबंधी मौतों का कारण बन सकता है। इनमें 78 प्रतिशत मौतें निम्न एवं निम्न-मध्यम आय वाले देशों में होने का अनुमान है। आर्थिक असमानता का यह अंतर केवल पर्यावरण तक सीमित नहीं है। जब समाज में संसाधनों, अवसरों और अधिकारों का वितरण अन्यायपूर्ण हो जाता है, तब असंतोष जन्म लेता है। बेरोजगारी, महंगाई, खाद्य संकट, जल संकट और विस्थापन सामाजिक तनाव को बढ़ाते हैं। धीरे-धीरे यही तनाव आक्रोश, विद्रोह, अपराध, सामुदायिक संघर्ष और हिंसा का रूप ले सकता है। यह कहना उचित नहीं होगा कि प्रत्येक हिंसा के पीछे केवल अमीरी-गरीबी का अंतर है, लेकिन जब विकास का लाभ सीमित हाथों में सिमटता है और संकट का बोझ बहुसंख्यक आबादी पर पड़ता है, तब सामाजिक शांति की नींव कमजोर होना स्वाभाविक है। विडंबना यह है कि कुछ बड़े निवेशक उन्हीं आपदाओं से लिपटते, सफाई तथा पुनर्निर्माण के कारोबार में लाभ अर्जित करते हैं। ऑक्सफैम का 'डिस्ट्रॉय एंड रीबिल्ड इंडेक्स' 217 कंपनियों के माध्यम से इसी दोहरे मुनाफे की पड़ताल करता है। यह सचमुच ऐसी व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न है, जहां किसी के लिए आपदा भी अवसर बन जाती है और किसी के लिए जीवनभर का अभिशाप।

भारत के संदर्भ में यह चेतावनी और भी गंभीर है। भारत की विशाल आबादी का बड़ा हिस्सा कृषि, निर्माण, छोटे व्यवसायों और असंगठित क्षेत्र पर निर्भर है। किसान अनियमित वर्षा, सूखा, बाढ़ और तापमान वृद्धि से जूझ रहा है। मजदूर भीषण गर्मी में काम करने को विवश हैं और महानगरों की झुग्गी-बस्तियों में रहने वाले परिवार जलभराव तथा गर्मी की दोहरी मार झेल रहे हैं। विश्व बैंक के अनुसार, भारत की 80 प्रतिशत से अधिक आबादी ऐसे जिलों में रहती है जो जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न आपदाओं के जोखिम में हैं। वहीं, देश के 57 प्रतिशत जिलों में रहने वाली लगभग 76 प्रतिशत आबादी अत्यधिक गर्मी के उच्च या बहुत उच्च जोखिम का सामना कर रही है। भारत के लिए चुनौती केवल आर्थिक विकास की गति बढ़ाना नहीं, बल्कि विकास को न्यायपूर्ण, समावेशी और पर्यावरण के अनुकूल बनाना है। विकसित भारत 2047 का स्वप्न तभी सार्थक होगा, जब विकास की चमक आंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के जीवन तक पहुंचे। यदि एक ओर अरबपतियों में विलासिता और उपभोग के नए कीर्तिमान बनें और दूसरी ओर गांवों में किसान पानी, बिजली और आजीविका के लिए संघर्ष करता रहे, तो विकास की तस्वीर अधूरी ही रहेगी। विश्वगुरु बनने की आकांक्षा रखने वाले भारत को दुनिया के सामने यह उदाहरण प्रस्तुत करना होगा कि आर्थिक समृद्धि और प्रकृति के संरक्षण के बीच संतुलन संभव है।

- ललित गर्ग

विक्रमशिला हिंदी विद्यापीठ स्वर्णिम इतिहास से वर्तमान तक

विक्रमशिला हिंदी विद्यापीठ अपने आगोश में शिक्षा का स्वर्णिम रश इतिहास समेटे हुए है सन 775 से सन 800 ईसवी तक पाल वंश के शासक रहे राजा धर्मपाल द्वारा स्थापित इस पुरातन विश्वविद्यालय ने अपनी शिक्षा व्यवस्था के उच्चतर मानदण्डों को छूते हुए विश्व स्तर पर प्रतिष्ठा प्राप्त की।आज भी इस विश्वविद्यालय के भग्नावशेष व विक्रमशिला हिंदी विद्यापीठ नाम से भारतीय अधिनियम के तहत पंजीकृत होकर दुनियाभर में हिंदी की सेवा का पुनीत कार्य कर रही है।विद्यापीठ से जुड़े पदाधिकारी जहां विश्वविद्यालय के पुरातन भग्नावशेषों को संरक्षित करने के लिए प्रयत्नशील है,वहीं हिंदी संसार की पहली भाषा बनने इसके लिए भी देश विदेश में हिंदी की अलख जगाने का कार्य किया जा रहा है।इस संस्था के स्वर्णिम रहे इतिहास के अंदर झांके तो पता चलता है,विक्रमशिला विश्वविद्यालय बिहार राज्य के भागलपुर जनपद में स्थापित रहा है। इस विश्वविद्यालय की स्थापना पाल वंश के राजा धर्मपाल ने सन 775 से सन 800 ई0 के मध्य की थी। अपनी स्थापना के बाद से ही इस विश्वविद्यालय ने अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कर ली थी। तिब्बत के साथ इस विश्वविद्यालय का प्रारम्भ से ही विशेष सम्बंध रहा है। विक्रमशिला विश्वविद्यालय में विद्याध्ययन के लिए आने वाले तिब्बत के विद्वानों के लिए अलग से एक अतिथिशाला हुआ करती थी। विक्रमशिला से अनेक विद्वान तिब्बत गए थे तथा वहाँ उन्होंने कई ग्रन्थों का तिब्बती भाषा में अनुवाद भी किया। इन विद्वानों में सबसे प्रसिद्ध दीपंकर श्रीज्ञान थे, जो उपाध्याय अतीश के नाम से विख्यात रहे हैं। उस समय विक्रमशिला का पुस्तकालय बहुत समृद्ध था। विक्रमशिला विश्वविद्यालय में बारहवीं शताब्दी में अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों की संख्या तीन हजार होना इसकी लोकप्रियता का प्रमाण थी। विश्वविद्यालय के कुलपति 6 भिक्षुओं की एक समिति की सहायता से प्रबंधन व्यवस्था देखते थे। कुलपति के अधीन 4 विद्वान पंडितों की एक परिषद प्रवेश लेने हेतु आये विद्यार्थियों की परीक्षा लेती थी।इस विश्वविद्यालय में व्याकरण, न्याय, दर्शन और तंत्र के अध्ययन की विशेष व्यवस्था थी। बंगाल के शासक शिक्षा पूरी होने पर विद्यार्थियों को उपाधि देते थे।

यहाँ बौद्ध धर्म और दर्शन के अतिरिक्त न्याय, तत्त्वज्ञान, व्याकरण आदि की भी शिक्षा दी जाती थी। विद्यार्थियों की सुविधा के लिए पुस्तकें उपलब्ध कराई जाती थीं तथा उनकी जिज्ञासाओं का समाधान विद्वान आचार्यों द्वारा किया जाता था। यहाँ देश से ही नहीं विदेशों से भी विद्याध्ययन के लिए छात्र आते थे। शिक्षा समाप्ति के बाद विद्यार्थी को उपाधि प्राप्त होती थी जो उसके विषय की दक्षता का प्रमाण मानी जाती थी। पूर्व मध्ययुग में विक्रमशिला विश्वविद्यालय के अतिरिक्त कोई शिक्षा केन्द्र इतना महत्त्वपूर्ण नहीं था कि सुदूर प्रान्तों के विद्यार्थी जहाँ विद्या अध्ययन के लिए जाएँ। इसीलिए यहाँ छात्रों की संख्या बहुत अधिक थी। इस विश्वविद्यालय के विद्वानों ने विभिन्न ग्रंथों की रचना की, जिनका बौद्ध साहित्य और इतिहास में आज भी नाम है। इन विद्वानों में रक्षित, विरोचन, ज्ञानपाद, चुद्र, जेतारि रत्नाकर शान्ति, ज्ञानश्री मिश्र, रत्नवज्र और अभयंकर आदि शामिल है। दीपंकर नामक विद्वान ने तो लगभग 200 ग्रंथों की रचना की थी। वह इस विश्वविद्यालय के महान प्रतिभाशाली विद्वानों में से एक थे। सन 1203 ई0 में बख्तियार खिलजी ने विक्रमशिला विश्वविद्यालय को नेस्तनाबूद कर दिया था। जिसकारण इस विश्वविद्यालय को लम्बे समय तक उपेक्षित रहना पड़ा।वहां तक कि मुगलकाल और फिर ब्रिटिश काल में भी विक्रमशिला विश्वविद्यालय अतीत के पन्नों में ही समाया रहा।हालांकि विश्वविद्यालय के भग्नावशेष रह रहकर इस विश्वविद्यालय के स्वर्णिम इतिहास की गवाही दे रहे थे।समय ने करवट बदली और देश आजाद हुआ तो इस पुरातन संस्था को विक्रमशिला हिंदी विद्यापीठ के रूप में पुनर्जीवित कर हिंदी के उत्थान की पहल की गई।अनेक नामचीन साहित्यकारों ने विद्यापीठ के साथ जुड़कर इसकी प्रतिष्ठा को चार चांद लगाये।,तभी तो आज भी यह विद्यापीठ देश विदेश में हिंदी को प्रतिस्थापित करने का संसाधनों के अभाव के बावजूद पुनीत प्रयास कर रही है।विद्यापीठ के कुलपति व कुलसचिव डॉ देवेंद्र नाथ शाह अपनी पीठ की विद्वत परिषद की सलाह पर हिंदी सेवियों को सम्मानित कर उन्हें प्रोत्साहित करने का अभियान दुनिया भर में चलाए हुए है ताकि हिंदी अपना खोया सम्मान फिर से प्राप्त कर जनसामान्य के दिलो की धाष्ा बन सके।इसके लिए एक नवम्बर को बारहाट में हो रहा विद्यापीठ का राष्ट्रीय अधिवेशन हिंदी उत्थान के लिए रामबाण कदम है।

-डॉ श्रीगोपाल नारसन एडवोकेट
(लेखक विक्रमशिला हिंदी विद्यापीठ के उपकुलपतिहै)

त्रिपद काव्य स्वर!

सब सावधान रहें, पास त्योहार।
मिलावट का तेल, लगा व्यापार।
आया माल नकली, बिके बाजार।।।।
मिठाई खाकर के , ठुड़ बीमार।
पटाखे खोड़ा के ,घायल ठ्यार।
तन रंग गुलाल रे, हुआ बेकान।।2।।
सामान लाना भी, बहुत जरूरी।
नकली सामान रे, नविए दूरी।
क्रय सही माल करें, ही मंजूरी।।3।।
चकाचौंध रहेगा , सदैव अक्सर।
लूट के लालच का,न रहे चक्कर।
प्रचार रे नहा दी, नविए बचकन।।4।।
खुशी रे मनाइए , सभी त्योहार।
क्रय करने समय में ,रे सैफीयार।
शुद्धता बनी रहे , करिए विचार।।5।।
घर में आता रहे, शुद्ध आखर।
कभी कोई खेला, नहीं बीमार।
बढ़िया रे मनेगा,सभी त्योहार।।6।।



- डॉ. भरत मिश्र प्राची
(- स्वतंत्र पत्रकार साहित्यकार)
(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

लोढ़ा डेवलपर्स गुरुग्राम के गोल्फ कोर्स में कार्यालय परिसर बनाएगी

नई दिल्ली। रियल एस्टेट क्षेत्र की कंपनी लोढ़ा डेवलपर्स ने दिल्ली-एनसीआर के संपत्ति बाजार में कदम रखते हुए गुरुग्राम के गोल्फ कोर्स रोड पर करीब 1,200 करोड़ रुपये के निवेश से प्रीमियम कार्यालय परिसर विकसित करने की योजना बनाई है। मुंबई मुख्यालय वाली कंपनी की यह एनसीआर में पहली परियोजना होगी। पिछले साल लोढ़ा डेवलपर्स ने गुरुग्राम में दो परियोजनाओं के लिए एमआरजी समूह के साथ संयुक्त विकास करार किया था। इनमें से एक परियोजना वाणिज्यिक और एक आवासीय है। लोढ़ा डेवलपर्स के एक अ?धिकारी ने बताया कि कंपनी ने हाल में 1.2 एकड़ में फैली अपनी वाणिज्यिक परियोजना लोढ़ा पैंथियन पेश की है। इसमें 27 मंजिलों में कुल चार लाख वर्ग फुट बिक्री योग्य क्षेत्र होगा। परियोजना की अनुमानित लागत 1,100 से 1,200 करोड़ रुपये है। कंपनी इस ग्रेड ए प्लस प्लस वाणिज्यिक परियोजना में कार्यालय स्थल बेचेगी।मोदी के मुताबिक, गुरुग्राम में प्रीमियम कार्यालय स्थल की अच्छी मांग है। कई कारोबारी समूह लंबे समय तक किराये पर कार्यालय लेने के बजाय खुद की व्यावसायिक संपत्ति खरीदने में रुचि दिखा रहे हैं। कंपनी चालू वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में गुरुग्राम के सोहना रोड पर आवासीय परियोजना भी पेश करने की तैयारी कर रही है। इन दोनों परियोजनाओं के जरिये कंपनी दिल्ली-एनसीआर के बाजार को समझने के बाद बड़े स्तर पर विस्तार की रणनीति बनाएगी। इस बीच, लोढ़ा डेवलपर्स ने चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में 5,037 करोड़ रुपये की बिक्री बुकिंग दर्ज की, जो पिछले साल की समान अवधि से 10 प्रतिशत अधिक है। पहली छमाही में बिक्री बुकिंग सात प्रतिशत बढ़कर 9,670 करोड़ रुपये रही। कंपनी ने वित्त वर्ष 2026-27 में 24,000 करोड़ रुपये की बिक्री बुकिंग का लक्ष्य रखा है। दूसरी तिमाही में कंपनी का शुद्ध मुनाफा 28 प्रतिशत बढ़कर 1,013.5 करोड़ रुपये पहुंच गया। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी ने 789.8 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा कमाया था तिमाही के दौरान कंपनी की कुल आय बढ़कर 4,584.9 करोड़ रुपये पर पहुंच गई, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 3,878.9 करोड़ रुपये रही थी।

उत्तर प्रदेश में सीएनजी महंगी, लखनऊ से उन्नाव तक नई दरें लागू

लखनऊ। बढ़ती लागत और वैश्विक आपूर्ति संकट के बीच ग्रीन गैस लिमिटेड ने एक नवंबर से उत्तर प्रदेश में सीएनजी की कीमतें बढ़ा दी गई है। अलग-अलग शहरों में कीमतों में एक रुपये से लेकर 2.25 रुपये प्रति किलोग्राम तक की बढ़ोतरी की गई है। इससे वाहन चालकों के ईंधन खर्च में इजाफा होगा। नई दरों के अनुसार, राजधानी लखनऊ में सीएनजी की कीमत 107 रुपये से बढ़कर 108 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है। आगरा में भी एक रुपये प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी की गई है। अयोध्या और सुल्तानपुर में सीएनजी एक रुपये महंगी हुई है। इन दोनों शहरों में अब एक किलोग्राम सीएनजी की कीमत 106 रुपये हो गई है। सबसे ज्यादा बढ़ोतरी उन्नाव में की गई है। यहां सीएनजी की कीमत में 2.25 रुपये प्रति किलोग्राम का इजाफा हुआ है। नई दर लागू होने के बाद उन्नाव में एक किलोग्राम सीएनजी अब 106 रुपये में मिलेगी। कीमतों में बदलाव से निजी वाहन चालकों के साथ-साथ सीएनजी से चलने वाले व्यावसायिक वाहनों का खर्च भी बढ़ सकता है। ग्रीन गैस लिमिटेड का कहना है कि वैश्विक स्तर पर गैस की आपूर्ति में संकट और लागत में वृद्धि के कारण कीमतों में संशोधन किया गया है। कंपनी उत्तर प्रदेश के चुनिंदा शहरों में सीएनजी की आपूर्ति करती है। फिलहाल लखनऊ, आगरा, अयोध्या, सुल्तानपुर और उन्नाव में इसके सीएनजी स्टेशन संचालित हैं। ग्रीन गैस लिमिटेड गेल इंडिया लिमिटेड और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन का संयुक्त उपक्रम है। कंपनी की स्थापना 7 अक्टूबर 2005 को शहरों में प्राकृतिक गैस उपलब्ध कराने के उद्देश्य से की गई थी। शुरुआत में लखनऊ और आगरा में गैस नेटवर्क विकसित किया गया था। बाद में नियामकीय अनुमति मिलने के बाद अयोध्या, सुल्तानपुर और उन्नाव में भी कंपनी का विस्तार हुआ। सीएनजी को पेट्रोल और डीजल की तुलना में अपेक्षाकृत स्वच्छ ईंधन माना जाता है।

तमिलनाडु में शराब की हर बोतल पर 10 रुपए अतिरिक्त शुल्क

चेन्नई । तमिलनाडु में शराब खरीदने वालों की जेब पर 1 नवंबर से अतिरिक्त बोझ बढ़ गया है। राज्य में अब इंडियन मेड फॉरेन लिकर (आईएमएफएल), बीयर और वाइन की प्रत्येक बोतल पर 10 रुपये अतिरिक्त देने होंगे। हालाँकि, ग्राहकों को राहत देने के लिए खाली बोतल निर्धारित दुकानों पर लौटाने पर यह रकम वापस पाने का विकल्प भी दिया गया है। तमिलनाडु सरकार ने शराब की खुदरा बिक्री पर पर्यावरण और सामाजिक कल्याण शुल्क लागू किया है। इस व्यवस्था का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक कल्याण से जुड़ी योजनाओं के लिए धन जुटाना है। इसके साथ ही शराब की खाली बोतलों के उचित निपटान और पुनः उपयोग को बढ़ावा देना भी इसका मकसद है। तमिलनाडु स्टेट मार्केटिंग कॉर्पोरेशन ने नई व्यवस्था लागू करने के लिए शराब आपूर्तिकर्ताओं और स्थानीय उत्पादकों को जरूरी निर्देश जारी किए हैं। इसके तहत बोतलों पर नई कीमतों के अनुरूप क्यूआर कोड वाले मूल्य लेबल लगाने होंगे। शराब की दुकानों और लाइसेंस प्राप्त बिक्री केंद्रों पर भी नई व्यवस्था के अनुसार शुल्क लिया जाएगा।

सोने-चांदी की कीमतों में भारी गिरावट

मुंबई । धनतेरस और दीपावली से पहले भारतीय सराफा बाजार में सोने और चांदी की कीमतों में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में दबाव और अमेरिकी ब्याज दरों को लेकर बनी अनिश्चितता के कारण कीमती धातुओं के भाव नीचे आए हैं। 31 अक्टूबर को दिल्ली के सराफा बाजार में 24 कैरेट सोना 3,200 रुपये गिरकर 1.42 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया, जबकि चांदी 4,200 रुपये टूटकर 1.86 लाख रुपये प्रति किलो रह गई। इंडियन बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के अनुसार 30 अक्टूबर को 24 कैरेट सोने का बंद भाव 1,40,054 रुपये और चांदी का भाव 1,81,344 रुपये प्रति किलो था। कीमतों में गिरावट से त्योहारों पर आभूषण खरीदने की तैयारी कर रहे परिवारों को राहत मिली है। ज्वेलरी कारोबारियों को भी उम्मीद है कि कम कीमतों के चलते धनतेरस और दीपावली पर खरीदारी बढ़ेगी। हालांकि बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के कारण कीमतों में उतार-चढ़ाव जारी रह सकता है।

तिमाही नतीजे, आर्थिक आंकड़े और वैश्विक संकेत तय करेंगे नई दिशा

- निवेशकों की नजर अब ऑटो बिक्री, पीएमआई और दिग्गज कंपनियों के आय पर

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार के लिए यह हफ्ता बेहद महत्वपूर्ण साबित होने वाला है। पिछले हफ्ते की जोरदार तेजी के बाद अब निवेशकों की निगाहें घरेलू और अंतरराष्ट्रीय आर्थिक आंकड़ों, कंपनियों के तिमाही नतीजों और वैश्विक घटनाक्रमों पर टिकी रहेंगी। ये सभी कारक बाजार की आगे की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाएंगे। आने वाले हफ्ते में ऑटो कंपनियों के अक्टूबर महीने के बिक्री आंकड़े और मैन्युफैक्चरिंग तथा सर्विसेज पीएमआई रिपोर्ट्स जारी होंगी। इसके साथ ही आईटीसी, मैरिको, पेट्रोनेट एलएनजी, अपोलो हॉस्पिटल्स, ब ी ए स इ ', डाबर, एलआईसी, महिंद्रा एंड महिंद्रा और हिंडाल्को जैसी नौ दिग्गज कंपनियां अपने दूसरी तिमाही के वित्तीय परिणाम घोषित करेंगी। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अमेरिका में मिडटर्म चुनाव, रोजगार के आंकड़े और एप्पल व एएमडी जैसी बड़ी कंपनियों के नतीजे भी बाजार को प्रभावित करेंगे। बीते हफ्ते भारतीय शेयर बाजार ने शानदार वापसी करते हुए जबरदस्त बढ़त दर्ज की। अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों को स्थिर रखने, कंपनियों के बेहतर तिमाही नतीजों और फार्मा व आईटी शेयरों में आई मजबूत खरीदारी ने बाजार के उत्साह को बढ़ाया। सेक्टरवार प्रदर्शन में फार्मा और हेल्थकेयर में 7 फीसदी तक की जोरदार तेजी देखने को मिली, जबकि मीडिया, कैपिटल मार्केट्स और रियल्टी ने भी अच्छा प्रदर्शन किया। संस्थागत निवेशकों के मोर्चे पर, अक्टूबर में विदेशी निवेशकों ने 45,161 करोड़ रुपये के शेयरों की भारी बिकवाली की। हालांकि, घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 62,220 करोड़ रुपये की मजबूत खरीदारी कर बाजार को सहारा दिया, जिससे एफआईआई की बिकवाली का असर काफी हद तक संतुलित रहा। हालांकि, वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और मध्य पूर्व का तनाव चिंता का विषय बना हुआ है, जिसका सीधा असर भारत के आयात बिल और महंगाई पर पड़ सकता है। शुक्रवार को अमेरिकी बाजारों में नैस्डैक और एसएंडपी में आई गिरावट भी अगले हफ्ते घरेलू बाजार पर दबाव डाल सकती है। तकनीकी स्तर पर, निफ्टी के लिए 23,150 से 23,160 का स्तर बड़ा रेजिस्टेंस है, जिसके पार जाने पर 23,500 तक की तेजी संभव है, जबकि नीचे 22,845 अहम सपोर्ट रहेगा। निवेशकों को आगामी हफ्तों में घोषित होने वाले आर्थिक आंकड़ों और वैश्विक संकेतों पर पैनी नजर बनाए रखने की सलाह दी गई है।

दिवाली से पहले महंगाई का झटका, महंगा हुआ कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर

नई दिल्ली। दिवाली पर्व से ठीक पहले आम जनता और कारोबारियों पर महंगाई का बोझ बढ़ गया है। 1 नवंबर से दिल्ली से लेकर चेन्नई और अहमदाबाद से लेकर शिलांग तक कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दाम बढ़ा दिए गए हैं। हालांकि, आम गृहणियों के लिए राहत की बात यह है कि 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू रसोई गैस सिलेंडर की कीमतें स्थिर रखी गई हैं। इससे पहले 1 अक्टूबर को भी दिल्ली में 19 किलो वाला कमर्शियल सिलेंडर 62.50 रुपए महंगा हुआ था। बेंचमार्क राजधानी दिल्ली में 19 किलोग्राम वाला कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर अब 2,810 रुपए की जगह 2,820 रुपए का हो गया है, जबकि 14.2 किलो वाला घरेलू सिलेंडर 942 रुपए पर ही टिका हुआ है। अन्य प्रमुख शहरों में भी कमर्शियल सिलेंडर की कीमतों में तेजी दर्ज की गई है। चेन्नई में कमर्शियल सिलेंडर 11.50 रुपए महंगा होकर 2,994.50 रुपए का हो गया है (अक्टूबर में यह 2,983 रुपए का था)। चेन्नई में घरेलू सिलेंडर का दाम 957.50 रुपए बना हुआ है। अहमदाबाद में कमर्शियल सिलेंडर की कीमत 10.50 बढ़कर 2,842 रुपए (पहले 2,831.50 रुपए) पहुंच गई है। यहां घरेलू सिलेंडर 949 रुपए पर स्थिर है। मुंबई में कमर्शियल सिलेंडर 2,764 रुपए और घरेलू सिलेंडर 941.50 रुपए का मिल रहा है। बिहार के पटना में कमर्शियल सिलेंडर 3,132 रुपए पर पहुंच गया है और घरेलू सिलेंडर 1,040 रुपए का है। वहीं उत्तर प्रदेश के लखनऊ में कमर्शियल सिलेंडर 2,942 रुपए का हो गया है, जबकि घरेलू सिलेंडर 979.50 रुपए पर स्थिर है। इसके अलावा शिलांग में कमर्शियल सिलेंडर 3,091 रुपए और घरेलू सिलेंडर 1,007.50 रुपए का है।

महिंद्रा की बिक्री नौ प्रतिशत बढ़कर 1,31,109 इकाई के रिकॉर्ड स्तर पर

नई दिल्ली। महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड की कुल वाहन बिक्री अक्टूबर में सालाना आधार पर नौ प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 1,31,109 इकाई पर पहुंच गई। कंपनी ने रविवार को यह जानकारी दी। कंपनी के मुताबिक अक्टूबर में निर्यात सहित कुल बिक्री में वृद्धि दर्ज की गई। इस दौरान निर्यात 77 प्रतिशत बढ़कर 7,102 इकाई रहा। घरेलू यात्री वाहन बिक्री दो प्रतिशत बढ़कर 73,338 इकाई हो गई, जबकि वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री चार प्रतिशत की वृद्धि के साथ 33,037 इकाई रही। कंपनी के एक अ?धिकारी ने कहा ?कि अक्टूबर में कंपनी की एसयूवी बिक्री 73,338 इकाई और कुल वाहन बिक्री 1,31,109 इकाई रही, जो किसी भी महीने में अब तक का सर्वोच्च स्तर है। उन्होंने कहा कि त्योहारी मौसम और नए सिरे से पेश किए गए उत्पादों की वजह से एसयूवी, पिकअप और तिपहिया वाहनों की मांग मजबूत बनी रही। कंपनी के पहले सीएनजी वाहन एक्सयूवी 3एक्सओ जेडएनजी को भी ग्राहकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है।

आज का राशिफल



मेष राशि- आज का दिन आपके लिए कुछ नई चुनौतियां तो लेकर आएगा, लेकिन आपकी मेहनत और जिम्मेदारी निभाने का अंदाज आपको हर परिस्थिति से बाहर निकलने में मदद करेगा। कार्यक्षेत्र में काम का दबाव बढ़ सकता है और एक साथ कई जिम्मेदारियां संभालनी पड़ सकती हैं। ऐसे में घबराने के बजाय काम को प्राथमिकता के अनुसार पूरा करें।

वृषभ राशि- आज आपकी समझदारी, मधुर वाणी और धैर्य आपको दूसरों के बीच खास पहचान दिला सकते हैं। कार्यक्षेत्र में मन लगाकर काम करेंगे, तो अच्छे परिणाम मिलने की संभावना है। आपकी बातों का लोगों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा और सामाजिक स्तर पर मान-सम्मान भी बढ़ सकता है। हालांकि, परिवार में किसी छोटी-सी बात को लेकर तनाव पैदा होने की आशंका है।

मिथुन राशि- आज का दिन आपके जीवन में नई उम्मीदों और संभावनाओं के दरवाजे खोल सकता है। किसी काम को लेकर मन में जो उत्साह है, उसे सही दिशा देने का अवसर मिलेगा। हालांकि, रास्ते में कुछ अड़चनें भी आ सकती हैं, लेकिन आपकी बुद्धिमानी और सकारात्मक सोच आपको उनका समाधान खोजने में मदद करेगी। विद्यार्थियों के लिए दिन खास हो सकता है।

कर्क राशि-आज नौकरीपेशा लोगों के लिए दिन उत्साह बढ़ाने वाला साबित हो सकता है। कार्यक्षेत्र में आपका आत्मविश्वास मजबूत रहेगा और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ संबंधों में सुधार देखने को मिल सकता है। लंबे समय से की जा रही मेहनत पर किसी की नजर पड़ सकती है और आपको प्रशंसा, नई जिम्मेदारी या पदोन्नति से जुड़ी अच्छी खबर मिलने की संभावना है।

सिंह राशि-आज आपके सामने आगे बढ़ने और अपनी प्रतिभा साबित करने के कई अवसर आ सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत रंग लाने लगेगी और पहले बनाई गई योजनाओं से सकारात्मक परिणाम मिलने की संभावना है। यदि आप किसी नए काम की शुरुआत करना चाहते हैं, तो उसके लिए जरूरी तैयारी करने का अच्छा समय है। हालांकि, सफलता पाने की जल्दी में किसी भी कदम को जल्दबाजी में न उठाएं। धैर्य और सही रणनीति आपको बेहतर परिणाम दिलाएंगे।

कन्या राशि- आज आपका मन प्रसन्न रहेगा और आप रोजमर्रा के कामों को हल्के-फुल्के अंदाज में करना पसंद करेंगे। हालांकि, इस उत्साह में अपनी जिम्मेदारियों को नजरअंदाज करना ठीक नहीं होगा। यदि आप काम पर पूरा ध्यान देंगे और समय का सही इस्तेमाल करेंगे, तो अधिकांश कार्य आसानी से पूरे हो सकते हैं।

तुला राशि-आज आपके लिए उन्नति के नए अवसर सामने आ सकते हैं और पारिवारिक जीवन में भी खुशियों की दस्तक सुनाई दे सकती है। जीवनसाथी की ओर से कोई सरप्राइज, उपहार या सुखद समाचार मिलने की संभावना है, जिससे आपका दिन खास बन सकता है। आपसी प्रेम और समझदारी बढ़ाने के लिए यह अच्छा समय है।

वृश्चिक राशि-आज का दिन आपको राहत देने के साथ-साथ अपनी क्षमताओं पर भरोसा बढ़ाने का अवसर भी दे सकता है। कार्यक्षेत्र में कोई चुनौतीपूर्ण काम सामने आ सकता है, लेकिन आपकी टीम और कनिष्ठ कर्मचारियों का सहयोग मिलने से उसे पूरा करना आसान हो जाएगा। यदि आप दूसरों के अनुभव और सुझावों को महत्व देंगे, तो बेहतर परिणाम हासिल कर सकते हैं।

धनु राशि-आज आपके सामने नई जिम्मेदारियां आ सकती हैं और आप उन्हें पूरी ईमानदारी से निभाने का प्रयास करेंगे। कार्यक्षेत्र में व्यस्तता बढ़ने के बावजूद आपका उत्साह बना रहेगा। हालांकि, लगातार काम करने से थकान महसूस हो सकती है, इसलिए बीच-बीच में थोड़ा आराम करना भी जरूरी है। परिवार में प्रेम, सहयोग और एकता का माहौल बना रह सकता है। अपनों का साथ मिलने से मानसिक शांति मिलेगी और दिनभर की भागदौड़ का तनाव भी धीरे-धीरे कम होगा।

मकर राशि-आज आपको हर कदम सोच-समझकर उठाने और भावनाओं के बजाय विवेक से निर्णय लेने की जरूरत होगी। कानूनी मामलों में कुछ अड़चनें या देरी सामने आ सकती हैं, जिससे मन थोड़ा परेशान हो सकता है। ऐसी स्थिति में धैर्य बनाए रखें और बिना पूरी जानकारी के कोई कदम न उठाएं। सही रणनीति और अनुभवी व्यक्ति की सलाह से परिस्थितियों को संभालने में मदद मिल सकती है। विद्यार्थियों के लिए दिन अच्छा रह सकता है।

कुंभ राशि-आज आपका आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता लोगों के सामने आपकी अलग पहचान बना सकती है। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारी मिलने, पद में सुधार होने या आपके काम की सराहना होने की संभावना है। यदि आप किसी महत्वपूर्ण अवसर की प्रतीक्षा कर रहे हैं, तो अपनी तैयारी पूरी रखें और सही समय पर अपनी योग्यता साबित करने से पीछे न हटें।

मीन राशि-आज आपके लिए धैर्य और संतुलन बनाए रखना सबसे महत्वपूर्ण रहेगा। दिन की शुरुआत में कुछ काम आपकी उम्मीद के अनुसार नहीं चल सकते, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं है कि पूरे दिन परिस्थितियां आपके विपरीत रहेंगी। शांत मन से अपनी योजनाओं पर काम करते रहें और जहां जरूरत हो, वहां अपने तरीके में बदलाव करने से न हिचकिचाएं। आर्थिक दृष्टि से आय के अच्छे अवसर सामने आ सकते हैं, लेकिन साथ ही खर्च बढ़ने की संभावना भी रहेगी।

शब्दजाल- 8438

या	ज	आ	र	ग	व	ज	क	प	ल	क
दें	व	ज	क	या	ज	क	मौ	स	ज	इ
क	ह	या	व	र्म	छ	स	या	ता	व	क
क	र	ल	र	दे	वी	स	न	ल	श	क
ज	इ	ल	म	सं	व	ज	श	र	ला	ल
क	ज	दा	ई	र	व	ज	फ	लो	श	ज
क	ज	चे	दा	ई	क	स	रि	ग	प	न
द	र	मी	प	व	ज	ना	र्द	न	ज	स
क	ज	ल	ज	न	व	री	ऐ	ना	प	ह
क	मी	ल	प	द	या	स	मा	ज	स	यो
का	न	चे	न्ह	ई	क	ज	रि	ग	प	ग

शब्द जाल में 'ज' से शुरू होनेवाले 10 शब्दों के नाम ढूंढिए. शब्द ऊपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

जवाहर, जयदेव, जनता, जय, जनार्दन, जनवरी, जनसहयोग, जमाना, जमींदार, जमीन.

शब्दजाल - 8437 का हल

[illegible]

दैनिक पंचांग

2 नवम्बर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

सोमवार 2026 वर्ष का 306 वा दिन दिशाशूल पूर्व ऋतु शरद।
विक्रम संवत् 2083 शक संवत् 1948
मास कार्तिक (दक्षिण भारत में आश्विन) पक्ष कृष्ण
तिथि अष्टमी 13.11 बजे को समाप्त।
नक्षत्र आश्लेषा 03.47 बजे रात्र को समाप्त। [illegible]

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभाशुभ [illegible] Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली - 7372

ऊपर से नीचे:- [illegible]

बायें से दायें:- [illegible]

फिल्म वर्ग पहेली - 7371 [illegible]

प्रसंगतः बुद्धिमान कौन

वजीर के अवकाश लेने के बाद बादशाह ने वजीर के रिक्त पद पर नियुक्ति के लिए उम्मीदवार बुलवाए। कठिन परीक्षा से गुजर कर 3 उम्मीदवार योग्य पाए गए। तीनों उम्मीदवारों से बादशाह ने एक-एक कर एक ही सवाल किया, 'मान लो मेरी और तुम्हारी दाढ़ी में एकसाथ आग लग जाए तो तुम क्या करोगे?' 'जहाँपनाह, पहले मैं आप की दाढ़ी की आग बुझाऊँगा,' पहले ने उत्तर दिया। दूसरा बोला, 'जहाँपनाह पहले मैं अपनी दाढ़ी की आग बुझाऊँगा।' तीसरे उम्मीदवार ने सहज भाव से कहा, 'जहाँपनाह, मैं एक हाथ से आपकी दाढ़ी की आग बुझाऊँगा और दूसरे हाथ से अपनी दाढ़ी की।' इस पर बादशाह ने फरमाया, 'अपनी जरूरत नजरंदाज करने वाला नादान है। सिर्फ अपनी भलाई चाहने वाला स्वार्थी है। जो व्यक्तिगत जिम्मेदारी निभाते हुए दूसरे की भलाई करता है। यही बुद्धिमान है।' इस तरह बादशाह ने वजीर के पद पर तीसरे उम्मीदवार की नियुक्ति कर दी।

सूडोकु बवाल- 7681

★★★ मध्यम

8		4	3	9	7	5		6
3					2			
		7	6	5				4
9	6		5			1		7
5		1	4		9	8		2
4		8					5	3
2				6	1	4		
			7					8
7		9	8	3	5	6		1

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
■ पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकु बवाल - 7680 का हल

[illegible]

शब्द पहेली - 8896

बाएँ से दाएँ

1.दैत्य,असुर-3
3.रुकावट,बाधा-4
6.सम्मान-2
7.नियंत्रण,घोड़े की रास-3
8.मूल,कंद-2
9.सलाह,मशवरा-2
10.मोटा आटा-2
12.सलाह देने वाला-5
14.जलाना-3
17.माला का मोती-3
19.आवाद,हिंसा वाद-5
22.शराब,मदिरा-2
24.दुख,कष्ट-2
25.चेतना,ध्यान-2
27.सालन,रसा-3
28.प्राणदिया,इज्जत-2
29.राजकुमार (उर्दू-4)
30.अस्तित्व,प्राण तत्व-3

ऊपर से नीचे

1.खैरात,दक्षिणा-2
2.गोलाकार-5
3.नम्बर,जो कभी न मरे-3
4.प्रतिदिन-2
5.हृदय स्पंदन-4
6.विचार-3
9.मार्ग,रास्ता-2
11.अदालत में प्रस्तुत दावा-2
13.बब्बर शेर (अंग्रेजी-3)
15.सीरा,एक मिष्ठान-3
16.पतंग के पेच लड़ाना-5
17.बेसुध,अलमस्त-4
18.कार्य-2
20.जरा,थोड़ा-2
21.दरवाजा खटखटाना-3
23.इन्होंने कृष्ण को पाला था,कृष्ण की दूसरी मां-3
26.ठकसाथ,बढ़ावा-2
28.मैदे की एक प्रकार की रोटी-2

शब्द पहेली -8895 का हल

[illegible]

Jagrutidaur.com, Bangalore

लांजी के तोषराम कनोजे को मिला स्पेशल स्पोर्ट्स अवॉर्ड

20 साल की खेल साधना को मिला राष्ट्रीय सम्मान, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का कर चुके हैं प्रतिनिधित्व

पद्मेश न्यूज। लांजी। खेल के मैदान में खुद की पहचान बनाना एक उपलब्धि है, लेकिन अपनी मेहनत और अनुभव से नई पीढ़ी के खिलाड़ियों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाना उससे भी बड़ी उपलब्धि है। बालाघाट जिले की लांजी तहसील के ग्राम धानेगांव निवासी अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी एवं खेल प्रशिक्षक तोषराम कनोजे ने अपनी करीब दो दशक की खेल साधना से यह मुकाम हासिल किया है। खेल के क्षेत्र में उनके इसी लंबे योगदान, उपलब्धियों और प्रशिक्षण कार्यों के लिए उन्हें भोपाल में आयोजित 31वें नेशनल स्पोर्ट्स टाइम्स-एचएमजी स्पोर्ट्स अवॉर्ड्स समारोह में स्पेशल स्पोर्ट्स अवॉर्ड 2026 से सम्मानित किया गया। 30 अक्टूबर को मिले इस सम्मान से लांजी क्षेत्र का नाम खेल जगत में गौरवान्वित हुआ है।



अंतरराष्ट्रीय मंचों पर कर चुके हैं देश का प्रतिनिधित्व

तोषराम कनोजे का खेल सफर उपलब्धियों से भरा रहा है। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका, अबूधाबी और श्रीलंका जैसे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत का प्रतिनिधित्व किया है। वर्ष 2010 में श्रीलंका के कोलंबो में आयोजित ओपन इंटरनेशनल कराटे चैंपियनशिप, एशिया कराटे कप और इंडिपेंडेंस इंटरनेशनल कराटे चैंपियनशिप में सहभागिता की। इसके बाद वर्ष 2018 में दक्षिण अफ्रीका में कॉमनवेल्थ कराटे चैंपियनशिप, 2019 में अबूधाबी में वर्ल्ड जू-जित्सु चैंपियनशिप और 2021 में एशियन जू-जित्सु चैंपियनशिप में देश का प्रतिनिधित्व किया। वर्ष 2025 में इंटरनेशनल इंडियन चैलेंजर कप की 9वीं कराटे चैंपियनशिप में कांस्य और 10वीं चैंपियनशिप में रजत पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

सात मार्शल आर्ट्स विधाओं में हासिल किया अनुभव

तोषराम कनोजे की खासियत यह है कि उन्होंने केवल एक खेल तक खुद को सीमित नहीं रखा। कराटे, जू-जित्सु, जूडो, ताइक्वांडो, किकबॉक्सिंग, वुशु और कलारिपयट्टु जैसी सात मार्शल आर्ट्स विधाओं में उन्होंने अनुभव हासिल किया है। राष्ट्रीय स्तर पर भी उनका प्रदर्शन शानदार रहा है। वर्ष 2006 में कराटे में पहला राष्ट्रीय स्वर्ण पदक जीता। वर्ष 2007 में कांस्य और 2009 में स्वर्ण पदक हासिल किया। 2010 एवं 2012 की अखिल इंडिया ओपन कराटे चैंपियनशिप में रजत और कांस्य पदक अपने नाम किए। जू-जित्सु में वर्ष 2023 में तीन स्वर्ण तथा 2024 में एक स्वर्ण पदक जीता। वहीं, वर्ष 2026 की नेशनल किकबॉक्सिंग चैंपियनशिप में भी स्वर्ण पदक हासिल किया। इसके अलावा 2018 में सीनियर नेशनल ताइक्वांडो, 2015 में नेशनल कलारिपयट्टु और 2025 में सीनियर नेशनल वुशु चैंपियनशिप में सहभागिता की। जूडो में कॉलेज स्तर पर भी अपनी खेल प्रतिभा दिखा चुके हैं। एथलेटिक्स में भाला फेंक, लंबी कूद और दौड़ में राज्य स्तरीय स्वर्ण पदक जीतकर उन्होंने अपनी बहुमुखी प्रतिभा का परिचय दिया।

खुद खिलाड़ी बनने के साथ नई प्रतिभाओं को भी तराश रहे

तोषराम कनोजे की उपलब्धियां केवल पदक जीतने तक सीमित नहीं हैं। वे लंबे समय से खेल प्रशिक्षक के रूप में युवाओं को प्रशिक्षण दे रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में तैयार हुए कई खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक हासिल कर चुके हैं। उनका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों की प्रतिभाओं को उचित प्रशिक्षण और अवसर देकर बड़े खेल मंचों तक पहुंचाना है। शैक्षणिक रूप से भी उन्होंने खेल क्षेत्र में अपनी मजबूत पहचान बनाई है। उन्होंने शारीरिक शिक्षा में एमपीएड की उपाधि प्राप्त की है। इसके साथ ही खेल प्रशिक्षण एवं योग में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा किया है। वर्तमान में वे शारीरिक शिक्षा विषय में पीएचडी कर रहे हैं।

सोशल मीडिया से चला रहे आत्मरक्षा जागरूकता अभियान

खेल और प्रशिक्षण के साथ तोषराम कनोजे सोशल मीडिया को भी जागरूकता का माध्यम बना रहे हैं। इंस्टाग्राम और यूट्यूब पर वीडियो के जरिए वे लाखों लोगों तक पहुंच बना चुके हैं। इन वीडियो में महिलाओं, बालिकाओं और युवाओं को आत्मरक्षा की व्यावहारिक तकनीकों की जानकारी देते हैं। उनका प्रयास है कि लोग आत्मरक्षा के प्रति जागरूक हों और खेलों को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं। गौरतलब है कि वर्ष 2024 में उन्हें महाकौशल खेल रत्न पुरस्कार से भी सम्मानित किया जा चुका है। अब नेशनल स्पोर्ट्स टाइम्स का स्पेशल स्पोर्ट्स अवॉर्ड उनके करीब 20 वर्षों के संघर्ष, अनुशासन और खेलों के प्रति समर्पण की एक और बड़ी पहचान बना है। तोषराम कनोजे का लक्ष्य आने वाले समय में और अधिक प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को तैयार करना तथा उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश के लिए पदक जीतने योग्य बनाना है।



मांझी सैनिकों ने सौंपा ज्ञापन

संगठन के कार्यालय और देवस्थल निर्माण के लिए 5 एकड़ भूमि की मांग

पद्मेश न्यूज। लांजी। श्री मांझी अंतरराष्ट्रीय समाजवाद आदिवासी किसान सैनिक संगठन के सदस्यों ने शुक्रवार, 30 अक्टूबर को संगठन के क्षेत्रीय कार्यालय रिसेवाड़ा के लिए भूमि उपलब्ध कराने सहित विभिन्न मांगों को लेकर कलेक्टर, वन मंडल अधिकारी एवं विधायक के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में संगठन के कार्यालय भवन, क्रांतिवीर हीरासिंह देव कंगला मांझी सरकार देवस्थल तथा राष्ट्रध्वज चबूतरे के निर्माण के लिए कुल 5 एकड़ भूमि आवंटित करने की मांग की गई है। ज्ञापन में बताया गया कि श्री मांझी अंतरराष्ट्रीय समाजवाद आदिवासी किसान सैनिक संगठन पिछले 114 वर्षों से गरीब एवं वंचित आदिवासी समाज के हितों के लिए कार्य कर रहा है। संगठन द्वारा आदिवासी समुदाय के विरुद्ध होने वाले अन्याय और अत्याचार के मामलों में आवाज उठाने के साथ पीड़ितों को कानूनी न्याय दिलाने तथा समाज की समस्याओं से राज्य और केंद्र सरकार को अवगत कराने का कार्य किया जाता है। संगठन की शाखाएं विभिन्न राज्यों में संचालित हैं। संगठन के सदस्यों ने बताया कि रिसेवाड़ा चौकी टोला, थाना बहेला, तहसील लांजी में स्थानीय स्तर पर बैठकों, सामाजिक गतिविधियों और संगठनात्मक कार्यों के संचालन के लिए कार्यालय भवन की आवश्यकता है। संगठन से जुड़े अधिकांश सदस्य गरीब कृषक परिवारों से हैं, जो सामूहिक रूप से समाजहित में कार्य कर रहे हैं। ऐसे में कार्यालय निर्माण के लिए शासकीय भूमि उपलब्ध कराने की मांग की गई है। इसके अलावा अखिल भारतीय माता दंतेवाड़ीन समाज समिति के माध्यम से सामूहिक रूप से क्रांतिवीर हीरासिंह देव कंगला मांझी सरकार देवस्थल तथा राष्ट्रध्वज चबूतरा निर्मित करने के लिए भी भूमि आवंटित करने का आग्रह किया गया है।

खराड़ी में गौठान और मोक्षधाम की मांग

ज्ञापन में ग्राम खराड़ी में ग्रामीणों की सुविधा के लिए गौठान एवं मोक्षधाम (शमशान घाट) निर्माण हेतु भूमि उपलब्ध कराने की मांग भी शामिल है। वहीं सूरजलाल मसराम, सुंदरलाल सिरसाम, बृजलाल सरोटे और ज्ञानीराम पंदे सहित अन्य आवेदकों को नियमानुसार शासकीय वनभूमि के पट्टे प्रदान करने का अनुरोध किया गया है। इस दौरान तहसील अध्यक्ष होमेश्वर घोरमारे, क्षेत्र अध्यक्ष रामदास मलगाम, ब्रांच अध्यक्ष बारेलाल मड़ावी, ब्रांच अध्यक्ष ज्ञानीराम पंदे, तिजलाल मसराम, बृजलाल सरोटे, सुंदरलाल सिरसाम, संजय पंदे, सालिकराम उईके, मंगलू उईके, सूरजलाल मसराम, राजेश मड़ावी, कलोराम उईके, फूलचंद मसराम, आशिक उईके सहित संगठन के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

नवोदय की तैयारी परखने 121 विद्यार्थियों ने दी मॉडल टेस्ट परीक्षा

आलोक संघ एवं 'छू लो आसमान, किसने रोका है' अभियान की पहल, 28 नवंबर को होने वाली मुख्य परीक्षा से पहले विद्यार्थियों को मिला अभ्यास का अवसर

पद्मेश न्यूज। लांजी। जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा की तैयारी कर रहे कक्षा पांचवीं के विद्यार्थियों को परीक्षा का वास्तविक अनुभव देने और उनका आत्मविश्वास बढ़ाने के उद्देश्य से रविवार, 1 नवंबर को वीरांगना रानी अवंती बाई विद्यालय लांजी में नवोदय मॉडल टेस्ट परीक्षा का आयोजन किया गया। मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर सुबह 11 बजे शुरू हुई इस परीक्षा में बालाघाट जिले के विभिन्न विद्यालयों के कुल 121 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। इनमें 49 बालिकाएं और 72 बालक शामिल रहे। यह आयोजन आलोक संघ ब्लॉक लांजी एवं 'छू लो आसमान, किसने रोका है' अभियान के नवोदय जागृति मॉक टेस्ट कार्यक्रम के तहत किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को 28 नवंबर 2026 को आयोजित होने वाली मुख्य नवोदय प्रवेश परीक्षा से पहले प्रश्नपत्र हल करने का अभ्यास कराना, परीक्षा पद्धति से परिचित कराना तथा परीक्षा कक्ष में होने वाली संभावित त्रुटियों के प्रति जागरूक करना है। मॉक टेस्ट के माध्यम से विद्यार्थियों को अपनी तैयारी का आकलन करने और कमियों को सुधारने का अवसर मिला। आयोजकों के अनुसार, आलोक संघ ब्लॉक लांजी एवं 'छू लो आसमान' की संचालिका साक्षी लिल्हारे तथा जबलपुर के जीएसटी कमिश्नर लोकेश लिल्हारे के मार्गदर्शन में पिछले पांच वर्षों से यह अभियान निरंतर संचालित किया जा रहा है। इस पहल के माध्यम से ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के विद्यार्थियों को नवोदय प्रवेश परीक्षा की बेहतर तैयारी के लिए मंच उपलब्ध कराया जा रहा है।



शिक्षकों ने संभाली परीक्षा संचालन की जिम्मेदारी

परीक्षा के सफल संचालन एवं व्यवस्थाओं का निरीक्षण आलोक संघ लांजी के नवोदय परीक्षा प्रभारी प्रमोद बसेना, प्रमोद भामने, डीके फुंडरे एवं विजय कुमार कुचलाहे ने किया। आयोजन को सफल बनाने में शिक्षकों में पूनम नेवारे, दीक्षा कुशले, काजल सातपुते, रिया भोंडेकर, सुहानी सोलंकी, मोहिनी कोठरे, मनीषा जाम्भुरे, ज्ञानकार कुशले, सरस्वती हनोते, आयशा शेख, माया सहारे, फरहीन खान, शीतल रामावत, सचिका लिल्हारे, दीपक कुमार एवं जयश्री सातपुते का सराहनीय योगदान रहा। वीरांगना रानी अवंती बाई विद्यालय के प्रधानपाठक विजय कुमार कुशले के निरीक्षण में परीक्षा व्यवस्थित रूप से संपन्न हुई। उन्होंने विद्यार्थियों एवं उनके पालक-अभिभावकों को 28 नवंबर को होने वाली मुख्य नवोदय प्रवेश परीक्षा की तैयारी के संबंध में मार्गदर्शन देते हुए सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं। आयोजन के माध्यम से विद्यार्थियों को मुख्य परीक्षा से पहले अपनी तैयारी परखने और आत्मविश्वास के साथ परीक्षा में शामिल होने का अवसर मिला।

13 विद्यालयों के विद्यार्थियों ने लिया हिस्सा

परीक्षा में वीरांगना रानी अवंती बाई भीमोड़ी के 6, राजभारती स्कूल लांजी के 16, पॉली एकेडमी बिसोनी के 17, मैत्री पब्लिक स्कूल देवलगांव के 8, सनशाइन स्कूल लांजी के 18, सरस्वती शिशु मंदिर लांजी के 9, सीआईए लांजी के 3, सांकेत स्कूल लांजी के 22, प्राथमिक शाला कालीमाटी के 4, सांदीपनि विद्यालय बोलेगांव के 3, वैदिक कॉन्वेंट स्कूल लालबर्रा के 2 तथा प्राथमिक शाला सिर्री के 1 विद्यार्थी ने सहभागिता की।

मोहझरी में धूमधाम से मनाया गया मध्यप्रदेश स्थापना दिवस एवं छात्रावास दिवस समारोह

लांजी-किरनापुर के छात्रावासों के विद्यार्थी सामूहिक रूप से हुए शामिल





पद्मेश न्यूज। लांजी। मध्यप्रदेश स्थापना दिवस एवं छात्रावास दिवस के अवसर पर 1 नवंबर को शासकीय आदिवासी सीनियर बालक छात्रावास मोहझरी में भव्य समारोह का आयोजन किया गया। इस आयोजन में लांजी एवं किरनापुर विकासखंड के विभिन्न शासकीय छात्रावासों एवं आश्रमों के छात्र-छात्राओं ने सामूहिक रूप से सहभागिता निभाई। विद्यार्थियों, जनप्रतिनिधियों, छात्रावास अधीक्षकों एवं ग्रामीणजनों की उपस्थिति में आयोजित यह समारोह उत्साहपूर्ण एवं उच्चस्तरीय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के महत्व से विद्यार्थियों को परिचित कराना, छात्रावास दिवस के माध्यम से विद्यार्थियों में आपसी भाईचारा, एकता, सामाजिक समरसता एवं सामूहिक सहभागिता की भावना को प्रोत्साहित करना रहा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में लांजी-किरनापुर क्षेत्र के विधायक राजकुमार कर्रहे उपस्थित रहे। वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता जनपद पंचायत किरनापुर के अध्यक्ष राणा कल्याण सिंह ने की। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य सुश्री ढाली काचरे, श्रीमती रेखा ताराचंद कालबेले, नगर पंचायत अध्यक्ष लांजी रामकुमार राणा एवं श्रीमती मनीषा संतोष नाकतोड़े सहित अन्य जनप्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। अतिथियों का छात्रावास परिवार की ओर से स्वागत किया गया। सभी अतिथियों ने विद्यार्थियों के बीच पहुंचकर उनका उत्साहवर्धन किया तथा आयोजन की सराहना की। समारोह को संबोधित करते हुए अतिथियों ने कहा कि मध्यप्रदेश स्थापना दिवस हम सभी के लिए गौरव और सम्मान का अवसर है। हमारा प्रदेश अपनी सांस्कृतिक विरासत, प्राकृतिक संपदा, परंपराओं एवं विविधताओं के लिए विशेष पहचान रखता है। प्रदेश के विकास में युवाओं एवं विद्यार्थियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ अनुशासन, संस्कार, मेहनत एवं आत्मविश्वास को अपने जीवन का आधार बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि छात्रावास केवल रहने और पढ़ने का स्थान नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण, सामाजिक समरसता और बेहतर भविष्य की नींव रखने का महत्वपूर्ण केंद्र भी हैं। अतिथियों ने कहा कि आदिवासी अंचलों के विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक अवसर उपलब्ध कराना तथा उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना समाज और शासन दोनों की जिम्मेदारी है। छात्रावासों में रहने वाले विद्यार्थी विभिन्न गांवों और परिवारों से आते हैं, लेकिन यहां उन्हें एक परिवार की तरह रहने, एक-दूसरे का सहयोग करने और सामूहिक रूप से आगे बढ़ने का अवसर मिलता है। ऐसे आयोजन विद्यार्थियों के भीतर नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास एवं सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करने में सहायक होते हैं। कार्यक्रम में लांजी एवं किरनापुर विकासखंड के विभिन्न छात्रावासों तथा आश्रमों से पहुंचे छात्र-छात्राओं की सहभागिता विशेष आकर्षण का केंद्र रही। विद्यार्थियों ने सामूहिक रूप से आयोजन में भाग लेकर स्थापना दिवस एवं छात्रावास दिवस की खुशियां साझा कीं। कार्यक्रम में उपस्थित ग्रामीणजनों ने भी विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। समारोह ने छात्रावासों के बीच आपसी समन्वय एवं एकजुटता का संदेश दिया। समारोह में लांजी एवं किरनापुर विकासखंड के छात्रावास अधीक्षक व समस्त छात्रावासों के एवं आश्रमों के छात्र-छात्राओं के साथ बड़ी संख्या में ग्रामीणजन एवं गणमान्य नागरिक शामिल हुए। सभी की सामूहिक सहभागिता से मध्यप्रदेश स्थापना दिवस एवं छात्रावास दिवस का यह आयोजन यादगार बना। कार्यक्रम उत्साह, उमंग एवं सामाजिक एकता के संदेश के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

वनरक्षक विशाल आसटकर को मिला कमेंडेशन डिस्क सम्मान

वन सेवा में उत्कृष्ट कार्य और सराहनीय योगदान के लिए भोपाल में किया गया सम्मानित

पद्मेश न्यूज। लांजी। जंगलों की सुरक्षा, वन्यजीवों का संरक्षण और प्राकृतिक संसाधनों को बचाने की जिम्मेदारी निभाने वाले वनकर्मी वास्तव में पर्यावरण संरक्षण के अग्रिम प्रहरी हैं। विपरीत परिस्थितियों, दुर्गम वन क्षेत्रों और अनेक चुनौतियों के बीच दिन-रात अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने वाले इन कर्मचारियों की कर्तव्यनिष्ठा और समर्पण ही वनों की सुरक्षा की मजबूत नींव है। ऐसे ही समर्पित प्रयासों को जब सम्मान मिलता है, तो यह न केवल संबंधित कर्मचारी का मनोबल बढ़ाता है, बल्कि पूरे वन विभाग के लिए प्रेरणा बनता है। निश्चित ही, वनरक्षक विशाल आसटकर को मिला यह सम्मान वन विभाग के प्रत्येक मैदानी कर्मचारी के समर्पण, मेहनत और कर्तव्यनिष्ठा का भी सम्मान है। ऐसे प्रोत्साहन से वनकर्मियों का मनोबल बढ़ेगा और वे भविष्य में भी वनों की सुरक्षा, अवैध गतिविधियों पर नियंत्रण तथा वन्यजीव संरक्षण के कार्यों को और अधिक उत्साह एवं जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित होंगे। उल्लेखनीय है की दक्षिण सामान्य वन मंडल बालाघाट के पश्चिम लांजी सामान्य परिक्षेत्र में पदस्थ वनरक्षक विशाल आसटकर, बोटगार्डे पीपलगांव को वन सेवा में उत्कृष्ट कार्य एवं सराहनीय योगदान के लिए भोपाल स्थित वन भवन में आयोजित अलंकरण समारोह में सम्मानित किया गया। समारोह में उन्हें सम्मान स्वरूप कमेंडेशन डिस्क एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। यह सम्मान मुख्य वन संरक्षक, वनवृत्त बालाघाट गौरव चौधरी (भा.व.से.) एवं वन मंडल अधिकारी, दक्षिण सामान्य बालाघाट निथानंदम एल. (भा.व.से.) के मार्गदर्शन तथा उपवनमंडल अधिकारी, बालाघाट सामान्य अरविंद केने के सहयोग से वन सेवा में किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए प्रदान किया गया। भोपाल में आयोजित इस गरिमामय अलंकरण समारोह में प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख, चीफ वाइल्डलाइफ वार्डन सहित वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों एवं अन्य गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति में विशाल आसटकर को यह सम्मान प्रदान किया गया। वनरक्षक विशाल आसटकर की इस उपलब्धि से दक्षिण सामान्य वन मंडल बालाघाट सहित पश्चिम लांजी परिक्षेत्र में हर्ष का माहौल है। यह सम्मान उन सभी वनकर्मियों के लिए भी प्रेरणास्रोत है, जो सीमित संसाधनों और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद वन एवं वन्यजीव संरक्षण के प्रति पूरी निष्ठा से अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर रहे हैं।



'ओबीसी का डेटा नहीं, तो हिस्सेदारी भी नहीं'

गोंदिया में ओबीसीओं का महामोर्चा - जातिवार जनगणना में अलग कॉलम की मांग

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। 'ओबीसी का डेटा नहीं, तो हिस्सेदारी भी नहीं' और 'अपनी लड़ाई हमें खुद लड़नी होगी' के नारे के साथ रविवार, 1 नवंबर को गोंदिया के जयस्तंभ चौक पर ओबीसी समाज का भव्य महामोर्चा निकाला गया. सुबह 11 से दोपहर 3 बजे तक चले इस आंदोलन में जिलेभर से हजारों ओबीसी समाजबंधुओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं, युवाओं और महिलाओं ने उत्स्फूर्त भागीदारी की. प्रदर्शनकारियों ने जनगणना में अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) की तरह ओबीसी के लिए अलग कॉलम शामिल करने की मांग उठाई. आंदोलनकारियों ने सवाल किया कि जब देश में विभिन्न वर्गों की अलग-अलग गणना की जाती है, तो बड़ी आबादी वाले ओबीसी समाज की जातिवार जनगणना के लिए अलग व्यवस्था क्यों नहीं की जा रही है? ओबीसी संगठनों ने आरोप लगाया कि स्वतंत्र कॉलम नहीं होने से समाज की वास्तविक संख्या और उसकी स्थिति का आकलन प्रभावित होगा. उन्होंने इसे अपने संवैधानिक अधिकारों से जुड़ा मुद्दा बताते हुए सरकार से जातिवार जनगणना की मांग पूरी करने का आग्रह किया. मोर्चे में शामिल वक्ताओं और प्रदर्शनकारियों ने कहा कि जंगलों में वन्यजीवों और पक्षियों तक की अलग-अलग गणना कर उनके संरक्षण की व्यवस्था की जाती है, लेकिन देश की आधी से अधिक आबादी माने जाने वाले ओबीसी समाज की जातिवार गणना की लेकर स्पष्ट व्यवस्था नहीं होने पर सवाल उठते हैं. उन्होंने कहा कि अब तक कई पीढ़ियां अपने अधिकारों के प्रति जागरूकता के अभाव में पीछे रह गईं. समाज के अधिकारों के लिए किसी मसीहा के आने की प्रतीक्षा करने के बजाय ओबीसी समाज को खुद आगे आकर संघर्ष करना होगा. आंदोलन में सकल ओबीसी महामोर्चा के संयोजक उमेश कोरम, मनीज मेंढे, सुनील पटले, खेमेन्द्र कटरे, कैलाश भेलावे, भूमेश शेंडे, अमर वर्हाडे, पुष्पा खोटेले, एस. यू. वंजारी, पंकज यादव, चंद्रकुमार बहेकार, रवी अंबुले, अजाबराव रिनायत, निखिल वन्साेड, प्रकाश काकड़े, गुड्डू लिल्हारे, सुनील तरोणे, राजेश नागरीकर, गंगाधर परशुरामकर, धाई. टी. कटरे, ओम पटले, विजय फुंडे, बंटी पंचबुद्धे, मनोज शरणागत, ओम कटरे, रवी पटले, गणेश बरडे, पप्पू पटले, भूमेश ठाकरे, संतोष खोब्रागड़े, सुरेंद्र सोनवणे, बी. एम. करमकर, सावन कटरे, तीर्थराज उके, रवी भांडारकर, अतुल सतदेवे, परेश दुरुगकर, विनायक येडेवार, कृष्णा ब्राम्हणकर, भोजराज फुंडे, नरेश परिहार, दिलीप गौतम, प्रकाश पटले, किशोर डोंगरवार, संदीप तिडके, खेमेंद्र रहांगडाले, मालती किशाके, सुरेंद्र खोब्रागड़े व सविता बेदरकर सहित हजारों समाजबंधु शामिल हुए.



'जय ओबीसी' के नारों से गूंजा शहर

जयस्तंभ चौक से शुरू हुए महामोर्चे के दौरान 'जय ओबीसी' के गगनभेदी नारों से परिसर गूंज उठा. प्रदर्शनकारियों ने सरकार से टालमटोल की भूमिका छोड़कर ओबीसी की जातिवार जनगणना सुनिश्चित करने की मांग की. 'उठ ओबीसी राजा उठ' के आह्वान ने युवाओं में उत्साह भर दिया. आंदोलनकारियों ने कहा कि ओबीसी समाज और आने वाली पीढ़ियों का भविष्य उनके अधिकारों के लिए किए जाने वाले संघर्ष से जुड़ा है. महामोर्चा शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से संपन्न हुआ. इसके माध्यम से शासन का ध्यान जातिवार जनगणना की मांग की ओर आकर्षित किया गया. प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि जब तक ओबीसी की जातिवार जनगणना की मांग पूरी नहीं होती, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा।

घर का ताला तोड़कर सोने के कंगन चोरी

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। सड़क अर्जुनी की प्रगति कॉलोनी में एक महिला के घर का ताला तोड़कर अलमारी में रखे सोने के दो कंगन चोरी किए गए. कंगनों का वजन करीब चौंच तोला और अनुमानित कीमत एक लाख रु. बताई गई है. जानकारी के अनुसार, प्रगति कॉलोनी निवासी फिर्यादी ज्योति बबन कांबले (56) का विवाह भंडारा जिले के लाखनी निवासी आरोपी बबन रामदासजी कांबले के साथ 26 जनवरी 2006 को सामाजिक रीति-रिवाज से हुआ था. दोनों वर्ष 2020 तक साथ रहे. वर्ष 2021 में आपसी मतभेद होने के बाद आरोपी अपनी पहली पत्नी के पास चला गया. इसके बाद फिर्यादी ने आरोपों के खिलाफ घरेलू हिंसा प्रतिबंधक कानून के तहत सड़क अर्जुनी न्यायालय में मामला दायर किया, जो अभी विचाराधीन है. तब से महिला सड़क अर्जुनी स्थित कांबले निवास में अकेली रह रही है. घटना के समय महिला घर पर मौजूद नहीं थी. इसी दौरान आरोपी ने घर के मुख्य दरवाजे का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया और लोहे की गोदरेज अलमारी खोलकर पर्स में रखे सोने के दो पुराने कंगन चुरा लिए. फिर्यादी की शिकायत पर डुग्गीपार पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जांच परिवीक्षाधीन पुलिस उपनिरीक्षक ऋषिकेश शेजाल कर रहे हैं.

महिला को जान से मारने की धमकी

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। रामनगर क्षेत्र में एक महिला को हिडन मोबाइल नंबर से फोन कर जान से मारने की धमकी देने और मोबाइल हैक कर निजी फोटो व वीडियो चोरी करने की धमकी दी गई. जानकारी के अनुसार, रामनगर निवासी फिर्यादी विद्या टिकमदास दयानी (35) को अज्ञात व्यक्ति ने हिडन नंबर से फोन किया. फोन करने वाले ने सिंधी कॉलोनी निवासी रोशनी अनिल हेमरजानी व सुनील गंगवानी के खिलाफ चल रहे कोर्ट केस वापस लेने की धमकी दी. ऐसा नहीं करने पर जान से मारने की धमकी दी. अज्ञात आरोपी ने महिला के मोबाइल से फोटो और वीडियो निकालकर डेटा चोरी किया, मोबाइल हैक किया और उसकी बदनामी भी की. फिर्यादी की शिकायत पर रामनगर पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जांच पुलिस निरीक्षक राणे कर रहे हैं.

अवैध रेत ले जा रहे ट्रैक्टर को पकड़ा

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। ग्रामीण पुलिस ने शासकीय संपत्ति की रेत चोरी के मामले में पांढराबोडी निवासी 22 वर्षीय ट्रैक्टर चालक निखिल बृजलाल भुरे के खिलाफ मामला दर्ज किया है. जानकारी के अनुसार, आरोपी 5 हजार 300 रु. कीमत की एक ब्रास रेत अवैध रूप से ले जा रहा था. इसी बीच ट्रॉली का बायां पहिया पंचर होने के कारण आरोपी ने इंजन अलग कर ट्रॉली सड़क से नीचे खड़ी कर दी थी. रेत परिवहन में इस्तेमाल ट्रैक्टर-ट्रॉली की अनुमानित कीमत 1 लाख 50 हजार रु. बताई गई है. रेत और ट्रैक्टर-ट्रॉली की कुल कीमत 1 लाख 55 हजार 300 रु. है. फिर्यादी पुलिस उपनिरीक्षक अंकित सोनवाने की शिकायत पर ग्रामीण पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है. जांच हवलदार बहेकार कर रहे हैं.

25वीं जिला पुलिस खेलकूद प्रतियोगिता संपन्न

पुरुष वर्ग में आमगांव तो महिला वर्ग में पुलिस मुख्यालय गोंदिया विजेता

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। जिला पुलिस दल के अधिकारी व कर्मचारियों में खेल प्रतिभा को प्रोत्साहित करने, खिलाड़ी वृत्ति की भावना मजबूत करने के उद्देश्य से पुलिस मुख्यालय के कवायद मैदान (कारंजा) में 26 से 30 अक्टूबर तक 25वीं जिला पुलिस खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. प्रतियोगिता में पुरुष वर्ग की जनरल चैंपियनशिप आमगांव उपविभाग की टीम ने, जबकि महिला वर्ग की चैंपियनशिप पुलिस मुख्यालय गोंदिया की टीम ने अपने नाम की.



प्रतियोगिता में देवरी, आमगांव, तिरोड़ा व गोंदिया उपविभाग सहित पुलिस मुख्यालय गोंदिया की कुल पांच टीमों ने हिस्सा लिया. खेल स्पर्धाओं में फुटबॉल, वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, हैंडबॉल और कबड्डी जैसे सांघिक खेलों के साथ व्यक्तिगत वर्ग में जूडो, कुश्ती और एथलेटिक्स की प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं. प्रतियोगिता के समापन व पुरस्कार वितरण समारोह में पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे प्रमुख अतिथि के रूप में उपस्थित थे. उन्होंने विजेता खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों की खेल प्रतिभा को निखारने, उन्हें अपनी क्षमता प्रदर्शित करने का अवसर देने और आपसी सौहार्द बढ़ाने के लिए इस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. पुलिस अधीक्षक भामरे ने विजेता टीमों और सभी प्रतिभागियों का अभिनंदन करते हुए कहा कि आगामी गड़चिरोली में होने वाली परिक्षेत्रीय पुलिस खेलकूद प्रतियोगिता तथा उसके बाद आयोजित होने वाली महाराष्ट्र राज्य पुलिस खेलकूद प्रतियोगिता में भी खिलाड़ी बेहतर प्रदर्शन करें और गोंदिया जिले का नाम रोशन करें. समारोह में अपर पुलिस अधीक्षक अभय डोंगरे, पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय) सुनील दरेकर, उपविभागीय पुलिस अधिकारी दिनेशचंद्र शुक्ला, आमगांव के उपविभागीय पुलिस अधिकारी गजानन गुल्हाने, देवरी के उपविभागीय पुलिस अधिकारी राजेश तटकरे, परिवीक्षाधीन पुलिस उपाधीक्षक दीपम दहिवले, रिजर्व पुलिस निरीक्षक राजेश सरोदे और रिजर्व पुलिस उपनिरीक्षक दीपक शेंडे सहित जिले के विभिन्न थानों के प्रभारी, पुलिस अधिकारी, कर्मचारी व लिपिक वर्ग के कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे. संचालन हवलदार मंगला प्रधान ने किया व आभार पुलिस उपाधीक्षक सुनील दरेकर ने माना.

पेंशनर्स एसोसिएशन का 2 को आंदोलन

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। सेवानिवृत्त शिक्षकों, स्वास्थ्य कर्मचारियों व शिक्षकेतर कर्मचारियों को समय पर पेंशन देने तथा विभिन्न प्रलंबित मांगों के निराकरण के लिए 2 नवंबर को जिला परिषद कार्यालय के सामने आंदोलन की चेतावनी दी है. ऐसी जानकारी जिला पेंशनर्स एसोसिएशन की ओर से दी गई है कि पेंशन समय पर देने तथा प्रलंबित मांगों को लेकर कई बार जिला प्रशासन के अधिकारियों को ज्ञापन सौंपकर चर्चा भी की गई है. लेकिन आश्वासन के अलावा कोई भी समस्या हल नहीं की जा रही है. मांग है कि सेवानिवृत्त शिक्षकों व शिक्षकेतर कर्मचारियों को दीपावली के पूर्व पेंशन देने, प्रत्येक माह में ई-कुबेर एप के माध्यम से 1 तारीख को पेंशन का भुगतान करने, मार्च 2026 से सेवानिवृत्त कर्मचारियों को ग्रेच्युटी राशि तत्काल प्रदान करने आदि प्रलंबित मांगों का समावेश है. इन मांगों को लेकर 2 नवंबर को जिला परिषद कार्यालय के सामने धरना आंदोलन किया जाएगा. ऐसी जानकारी संगठन के अध्यक्ष एल.एफ. गिरेपुंजे, एस.डी. पटले, नानगबाई बिसेने, टी.डी. कावले, सचिव अजय चौरे, जी.एम. के खान, एस. तागड़े, डी.जी. बिसेने, एन.के. बिसेने, डी.जी. सहारे, एस.एच. गभने आदि ने दी है.

दिवाली पर्व पर कोयलारी में सजेगी लावणी की महफिल

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। दिवाली, मंडई और भाऊबीज के शुभ अवसर पर आजाद मित्र मंडल, कोयलारी की ओर से भव्य मराठी लावणी कार्यक्रम का आयोजन किया गया है. प्रसिद्ध डांस क्वीन सायली पाटील की आकर्षक लावणी प्रस्तुति इस आयोजन का मुख्य आकर्षण रहेगी. यह कार्यक्रम 12 नवंबर को रात 8 बजे शाम कोयलारी के भगवान चौक में आयोजित किया जाएगा. त्योहारों के उत्साह के बीच आयोजित इस लावणी महोत्सव को लेकर क्षेत्र के कला प्रेमियों और ग्रामीणों में उत्साहता है. आजाद मित्र मंडल, कोयलारी ने अधिक से अधिक संख्या में रसिकों और ग्रामवासियों से कार्यक्रम में उपस्थित रहकर मराठी लोककला और लावणी का आनंद लेने की अपील की है.

3 नवंबर को भोपाल के नीलम पार्क में सफाई कर्मचारियों का होगा प्रदेशव्यापी विशाल धरना प्रदर्शन

भोपाल। मध्य प्रदेश के सफाई कर्मचारियों एवं अन्य कर्मचारी वर्गों के लंबित अधिकारों और मांगों को लेकर 3 नवंबर 2026, मंगलवार को भोपाल के नीलम पार्क में प्रदेशव्यापी विशाल धरना प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा। यह प्रदर्शन अखिल भारतीय सफाई मजदूर ट्रेड यूनियन 7262 के बैनर तले प्रदेश अध्यक्ष श्री मंगलाल झांझोट के नेतृत्व में किया जा रहा है। इस प्रदेशव्यापी आंदोलन में मध्य प्रदेश के विभिन्न जिलों से लगभग 8 हजार से 10 हजार सफाई कर्मचारियों एवं अन्य कर्मचारी वर्गों के शामिल होने की संभावना जताई जा रही है। कर्मचारी अपनी लंबित मांगों को लेकर एकजुट होकर शासन के समक्ष अपनी आवाज बुलंद करेंगे। यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष मंगलाल झांझोट ने कहा कि कर्मचारियों द्वारा लंबे समय से अपने अधिकारों और न्याय के लिए संघर्ष किया जा रहा है, लेकिन शासन स्तर पर अब तक उनकी समस्याओं का स्थायी समाधान नहीं हो पाया है। कर्मचारियों की उपेक्षा अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि यदि 3 नवंबर की आयोजित धरना प्रदर्शन के दौरान शासन द्वारा कर्मचारियों की मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया जाता है, तो धरना स्थल नीलम पार्क से ही कर्मचारियों की सहमति एवं सामूहिक निर्णय के आधार पर 4 नवंबर 2026 से मध्य प्रदेश की समस्त नगर निगमों, नगर पालिकाओं एवं नगर परिषदों में अनिश्चितकालीन हड़ताल का ऐलान किया जाएगा। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि कर्मचारियों को उनके जायज अधिकार और न्याय दिलाने के लिए यह संघर्ष निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुका है। यदि प्रदेशव्यापी हड़ताल की स्थिति निर्मित होती है, तो इसकी संपूर्ण जिम्मेदारी शासन एवं प्रशासन की होगी। उन्होंने प्रदेश के समस्त सफाई कर्मचारियों, वाहन चालकों एवं अन्य कर्मचारी संगठनों से अधिक से अधिक संख्या में 3 नवंबर को भोपाल के नीलम पार्क पहुंचकर आंदोलन को सफल बनाने की अपील की।

सरदार पटेल जयंती व इंदिरा गांधी स्मृतिदिन पर मनाया राष्ट्रीय एकता दिवस

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। सरांडी स्थित अनुसूचित जाति व नवबौद्ध लड़कियों की शासकीय आवासीय विद्यालय में 31 अक्टूबर को लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती तथा देश की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि के अवसर पर राष्ट्रीय एकता दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया. अध्यक्षता प्रधानाध्यापक नरेंद्र मेंढे ने की.



कार्यक्रम की शुरुआत सरदार वल्लभभाई पटेल व पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के छायाचित्रों पर पुष्प अर्पित कर अभिवादन के साथ हुई. इस दौरान सरदार पटेल के राष्ट्र को एकता और अखंडता के लिए दिए गए अमूल्य योगदान का स्मरण किया गया. प्रधानाध्यापक मेंढे ने छात्राओं को राष्ट्रीय एकता, अखंडता और भाईचारे का महत्व समझाया. कार्यक्रम के अंत में प्रधानाध्यापक मेंढे ने उपस्थित शिक्षकों और छात्राओं को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई. इस दौरान देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा बनाए रखने के साथ ही सभी नागरिकों में भाईचारा, समानता और राष्ट्रीय एकात्मता की भावना को मजबूत करने का संकल्प लिया गया.

जिले के 15 ब्लैक स्पॉट बने जानलेवा

9 माह में 154 लोगों की मौत - यातायात नियमों की अनदेखी बन रही दुर्घटनाओं की वजह

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। जिले में राष्ट्रीय और राज्य महामार्गों पर बढ़ती सड़क दुर्घटनाएं चिंता का विषय बन गई हैं. जिले के 15 दुर्घटना संभावित स्थल (ब्लैक स्पॉट) वाहन चालकों के लिए जानलेवा साबित हो रहे हैं. इन स्थानों पर जनवरी से सितंबर 2026 के बीच नौ महीनों में 260 सड़क हादसे हुए, जिनमें 154 लोगों की जान चली गई. लगातार हो रही दुर्घटनाओं ने यात्रियों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं.

सड़कें चौड़ी होने के साथ ही महामार्गों पर वाहनों की रफ्तार भी बढ़ गई है. तेज गति से वाहन चलाना और यातायात नियमों की अनदेखी दुर्घटनाओं के प्रमुख कारण बन रहे हैं. जिला यातायात पुलिस ने वाहन चालकों से सावधानी बरतने और नियंत्रित गति से वाहन चलाने की अपील की है. वाहनों में कंपनियों की ओर से सुरक्षा के लिए कई आधुनिक सुविधाएं दी जाती हैं, लेकिन उनका सही तरीके से इस्तेमाल करना भी जरूरी है. कार में सफर करते समय सीट बेल्ट लगाना बेहद आवश्यक है. सीट बेल्ट जीवन सुरक्षा प्रणाली का महत्वपूर्ण हिस्सा है. कई वाहनों में सीट बेल्ट नहीं लगाने



पर एयरबैग भी प्रभावी ढंग से काम नहीं कर पाते. ऐसे में महंगी और आधुनिक कार होने के बावजूद सुरक्षा उपकरणों का इस्तेमाल नहीं किया गया तो दुर्घटना में जान जाने का खतरा बना रहता है.

जिले के 15 ब्लैक स्पॉट

जिला यातायात पुलिस के अनुसार, ग्रामीण थाना क्षेत्र में फूलचूर आईटीआई, कारंजा बस स्टॉप और खमारी पिपरिया माहेश्वरी सॉल्वेंट, रामनगर थाना क्षेत्र में भागवतटोला शिवार, कटंगी कला शिवार और बालाघाट टी-पॉइंट, देवरी थाना क्षेत्र में धोबीसराड़, मुरदोली व लोहारा, अर्जुनी मोरगांव थाना क्षेत्र में इटखेड़ा टी-पॉइंट, डुग्गीपार थाना क्षेत्र में डव्वा, नैनपुर और चिखली, तिरोड़ा थाना क्षेत्र में बिरसी फाटा तथा सालेकसा थाना क्षेत्र में साखरीटोला शामिल हैं.

सीट बेल्ट जीवन सुरक्षा प्रणाली का महत्वपूर्ण हिस्सा है. इसका इस्तेमाल हर बार और बिना चूके करना चाहिए. सीट बेल्ट नहीं लगाने के कारण जान गंवाने वालों की संख्या भी काफी है. इसलिए वाहन में बैठते ही सीट बेल्ट लगाने की आदत डालें.

नागेश भास्कर, पुलिस निरीक्षक, जिला यातायात शाखा, गोंदिया

आरंभा बाजार चौक पर हुई चाकूबाजी ३८ वर्षीय युवक घायल

पद्मेश न्यूज। चारासिवनी। खैरलांजी थाना अंतर्गत ग्राम आरंभा के बाजार चौक पर रविवार की सुबह चाकूबाजी की घटना सामने आई। इस वारदात में ग्राम आरंभा निवासी ३८ वर्षीय रमेश पिता भिकम ठाकरे गंभीर रूप से घायल हो गए। चाकू से हुए हमले में उनके बाएं हाथ पर तीन स्थानों पर चोट आई है जिसमें एक जगह चाकू आर पार हो गया। घायल को परिजनों के द्वारा तत्काल खैरलांजी के उपस्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया जहां उनका उपचार जारी है। वहीं पुलिस ने मामले में अपराध दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

धान के बोझे घर लाने के लिए कर रहे थे बातचीत

प्राप्त जानकारी के अनुसार इन दिनों क्षेत्र में धान कटाई का कार्य चल रहा है। ग्राम आरंभा निवासी रमेश ठाकरे ने अपने खेत में धान कटाई का कार्य करवा लिया था। कटाई के बाद धान के बोझे घर लाने के लिए उन्हें ट्रैक्टर की



आवश्यकता थी। इसी सिलसिले में रविवार की सुबह वह ट्रैक्टर चालक से फोन पर बातचीत कर रहे थे। बातचीत करते हुए वह ग्राम के बाजार चौक स्थित चाय दुकान के सामने पहुंच गए जहां फोन पर ट्रैक्टर चालक से चर्चा कर रहे थे। इसी दौरान वहां मौजूद प्रफुल्ल जैतवार ने रमेश ठाकरे से यह कहते हुए विवाद शुरू कर दिया कि तुमने मुझे यह बात कही थी। देखते ही देखते कहासुनी बढ़ गई और विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। आरोप है कि प्रफुल्ल जैतवार ने चाकू निकालकर रमेश ठाकरे पर हमला कर दिया। अचानक हुए चाकू के हमले से रमेश ठाकरे गंभीर रूप से घायल हो गए। उनके बाएं हाथ पर तीन जगह चाकू से वार किए गए जिसमें एक स्थान पर चाकू आर पार हो गया। हमले के बाद रमेश अपनी जान बचाकर वहां से भागे और ग्रामीणों को घटना की जानकारी दी। सूचना मिलने पर परिजन मौके पर पहुंचे और उन्हें तत्काल खैरलांजी के उपस्वास्थ्य केंद्र में उपचार के लिए भर्ती कराया। वहीं पुलिस के द्वारा मामले में भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी गई है।

आरोपी पर हो कठोर कार्यवाही -रमेश ठाकरे

घायल रमेश ठाकरे ने बताया कि खेत में धान के बोझे बांधकर घर लाने के लिए वह ट्रैक्टर चालक से फोन पर बातचीत कर रहे थे। इसी दौरान पास में खड़ा एक व्यक्ति जो शराब के नशे में प्रतीत हो रहा था मुझसे कहने लगा कि तुमने मुझे यह बात कही है। जबकि मैं ट्रैक्टर चालक से बात कर रहे थे। इसी बात को लेकर उसने विवाद शुरू कर दिया और चाकू निकालकर हमला कर दिया। रमेश ठाकरे ने प्रफुल्ल जैतवार पर हमला करने का आरोप लगाते हुए पुलिस से न्याय दिलाने और आरोपी के विरुद्ध उचित कार्रवाई करने की मांग की है।

विद्युत करंट लगाकर गौर का शिकार, वन विभाग ने आरोपियों को हिरासत में लिया

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। दक्षिण सामान्य वनमंडल बालाघाट के अंतर्गत वन परिक्षेत्र हट्टा की बीट गोदरी में वन्यप्राणी गौर का शिकार किए जाने का मामला सामने आया है। मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर वन विभाग की टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपियों को हिरासत में लिया है। प्रारंभिक जांच में गौर का शिकार विद्युत करंट लगाकर किए जाने की जानकारी सामने आई है। वन विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार, 1 नवंबर को वन परिक्षेत्र हट्टा की बीट गोदरी के कक्ष क्रमांक 204 में वन्यप्राणी गौर के शिकार की सूचना मिली थी। इस पर फ्लाई स्क्वॉड, वन वृत्त बालाघाट एवं वन परिक्षेत्र हट्टा के वन अमले ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की। इस दौरान



आरोपियों के पास से मांस जब्त किया गया तथा घटनास्थल का निरीक्षण किया गया।

आरोपियों से पूछताछ और उनकी निशानदेही पर की गई प्रारंभिक जांच में पता चला कि वन्यप्राणी गौर का शिकार विद्युत करंट लगाकर किया गया था। वन विभाग की टीम ने घटनास्थल से गौर के अवशेष, विद्युत तार एवं शिकार में इस्तेमाल की गई अन्य सामग्री भी जब्त की है।

मामले में आरोपियों की हिरासत में लेकर वन अपराध प्रकरण क्रमांक 16294/15, दिनांक 1 नवंबर 2026 पंजीबद्ध किया गया है। वन विभाग द्वारा प्रकरण की विस्तृत जांच की जा रही है तथा आरोपियों के विरुद्ध अग्रिम वैधानिक कार्रवाई जारी है।

आरबीआई पहुंचे 100 रुपये के 22 जाली नोट, एफआईआर दर्ज

भोपाल। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की करेंसी जांच में 100 रुपये के 22 जाली नोट मिलने का मामला सामने आया है। ये सभी नोट बैंक ऑफ इंडिया के धार स्थित करेंसी चेस्ट से भोपाल पहुंची नोटों की खेप में मिले हैं। आरबीआई के निर्गम विभाग की शिकायत पर एमपी नगर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार शुक्रवार को आरबीआई के प्रबंधक गौरव सोहगौरा ने अपनी शिकायत में बताया की सितंबर 2026 में विभिन्न बैंकों के करेंसी चेस्ट से प्राप्त नोटों की छंटाई के दौरान ये जाली नोट पकड़े गए थे। जांच में सामने आया कि 22 नकली नोटों में 21 पुराने डिजाइन के हैं, जबकि एक नए डिजाइन का है।

न्यूजीलैंड ने पांचवें टी20 को सात विकेट से जीता

हैमिल्टन । टिम सीफर्ट 93 और ग्लेन फिलिप्स 55 रनों की शानदार पारियों से न्यूजीलैंड ने भारतीय क्रिकेट टीम को पांचवें और अंतिम टी20 क्रिकेट मुकाबले में 7 विकेट से हरा दिया। भारतीय टीम ने हालांकि शुरुआती तीन मैच जीतकर सीरीज 3-2 से जीती। अंतिम मैच बेहद रोमांच रहा मेजबान की कीवी टीम ने टॉस जीतकर भारतीय टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। भारतीय टीम ने 20 ओवरों में 8 विकेट पर 191 रन बनाये। इस प्रकार मेजबान टीम को जीत के लिए 192 रनों का लक्ष्य मिला जो उसने 18 ओवर में ही तीन विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। 192 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम ने शुरू से ही आक्रामक रुख अपनाया। सलामी बल्लेबाज



सीफर्ट ने भारतीय तेजी से खेलते हुए मात्र 50 गेंदों पर 93 रनों की पारी खेली। इसके अलावा फिलिप्स ने भी शानदार बल्लेबाजी करते हुए 32 गेंदों पर नाबाद 55 रन बनाए। फिलिप्स ने अपने अर्धशतक के साथ न्यूजीलैंड की जीत को लगभग सुनिश्चित कर दिया। इन दोनों की तूफानी पारियों की बदौलत न्यूजीलैंड ने महज 18 ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर लिया, जिससे उनकी प्रभावशाली जीत स्पष्ट हुई। वहीं इससे पहले, न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था। भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही, जब संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा सस्ते में पवेलियन लौट गए। शुरुआती झटकों के बाद ईशान किशन और कप्तान श्रेयस अय्यर ने पारी को संभाला और तेजी से रन बटोरे। दोनों बल्लेबाजों के बीच 43 गेंदों पर 93 रनों की अहम साझेदारी हुई, जिसने टीम को संकट से उबारकर सम्मानजक स्कोर तक पहुंचाया। ईशान किशन ने 32 गेंदों पर 61 रनों की आकर्षक पारी खेली, जबकि कप्तान श्रेयस अय्यर ने भी शानदार अर्धशतक जड़कर टीम को एक मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। भारत ने निर्धारित 20 ओवर में 191 रन बनाए, जिसमें 8 विकेट गिरे।

इस पांच मैचों की टी20 सीरीज में भारतीय टीम ने दमदार शुरुआत की थी और पहले तीन मुकाबले जीतकर 3-0 की अजेय बढ़त बना ली थी। हालांकि, कीवी टीम ने जबरदस्त वापसी करते हुए चौथे टी20 में 87 रन से बड़ी जीत दर्ज की और फिर पांचवें व आखिरी मुकाबले में भी भारतीय टीम को 7 विकेट से हराकर लय हासिल की ही हुए लक्ष्य का पीछा करना आसान हो।

भारतीय पुरुष और महिला टीम ने राष्ट्रमण्डल कबड्डी चैंपियनशिप में स्वर्ण जीतकर बनाया रिकार्ड

नई दिल्ली। भारतीय पुरुष और महिला टीम ने हाल में हुई राष्ट्रमण्डल कबड्डी चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम की है। भारतीय पुरुष टीम ने फाइनल में श्रीलंका को 54-20 से जबकि महिला टीम ने युगांडा को 35-15 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इस उद्घाटन संस्करण में दोनों स्वर्ण पदक जीतकर भारत ने इस खेल में अपना दबदबा दिखाया है।

सुरजीत सिंह की कप्तानी में भारतीय पुरुष टीम ने टूर्नामेंट में अपने सभी मैच जीते। श्रीलंका के खिलाफ खिताबी मुकाबले में टीम ने शुरुआत से ही बढ़त बना ली। वह पहले हाफ में 15-2 से आगे हो गयी। उसने पहले 20 मिनट में ही 20 अंकों की विशाल लीड बना ली थी। वहीं श्रीलंकाई टीम भारतीय खिलाड़ियों के सामने टिक नहीं पायी। भारतीय टीम की ओर से ज्यादा अंक आदित्य शिंदे ने बटोरे, उन्होंने कुल 10 अंक हासिल किए। उनके अलावा, भरत हुड्डा और पंकज मोहिते ने 8 और 6 अंक बटोरकर टीम की जीत में अहम योगदान दिया। वहीं रक्षा पंक्त में योगेश दहिया ने कुल 5 अंक हासिल कर विरोधी टीम को अंक बटोरने से रोका। इस शानदार जीत के बाद भारतीय खिलाड़ियों ने तिरंगे के साथ लैप ऑफ ऑनर कर अपनी खुशी व्यक्त की।

वहीं भारतीय महिला टीम का प्रदर्शन भी कुछ कम नहीं रहा। उन्होंने फाइनल में युगांडा को 35-15 से हराया और स्वर्ण पदक जीता। भारतीय महिला टीम शुरुआत से ही युगांडा पर हावी रही, जिससे उन्हें अंत तक अपनी बढ़त बनाए रखने में मदद मिली। साक्षी ने टीम के लिए सबसे अधिक 9 अंक (10 प्रयासों में) हासिल किए, जो उनकी शानदार रेडिंग क्षमता को दर्शाता है। वहीं अनु सेन ने भी 6 रेड अंक के साथ महत्वपूर्ण योगदान दिया, जबकि निधि शर्मा ने बोनस पॉइंट्स के माध्यम से युगांडा टीम पर दबाव बनाए रखा। भारतीय महिला टीम ने कुल 20 रेड और 10 टैकल अंक हासिल किए, जो उनकी संतुलित और आक्रामक खेल शैली का प्रमाण है। यह पहली चैंपियनशिप थी, जिसमें दोनों स्वर्ण पदक जीतकर भारत ने वैश्विक मंच पर अपनी शक्ति दिखायी है। पुरुष वर्ग में भारत को स्वर्ण, श्रीलंका को रजत और केन्या व बांग्लादेश को संयुक्त रूप से कांस्य पदक मिला। वहीं, महिला वर्ग में भारत ने स्वर्ण, युगांडा ने रजत, जबकि केन्या और श्रीलंका ने संयुक्त रूप से कांस्य पदक अपने नाम किए।

आईसीसी ने 2028 टी20 विश्वकप के फाइनल और सेमीफाइनल के आयोजन स्थल घोषित किये

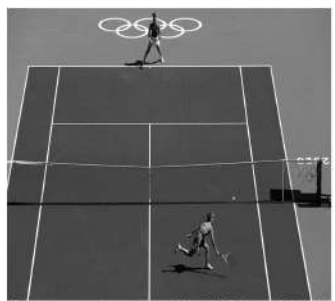
दुबई । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में होने वाले 2028 टी20 विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट के खिताबी मुकाबले और सेमीफाइनल के आयोजन स्थलों की घोषणा कर दी है। इसके साथ ही आईसीसी ने टूर्नामेंट के प्रारूप में भी बड़ा बदलाव किया है, जिससे यह पहले से कहीं अधिक रोमांचक और प्रतिस्पर्धी होगा। एक रिपोर्ट के अनुसार फाइनल मुकाबला दुनिया के सबसे बड़े क्रिकेट स्टेडियमों में से एक मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में खेला जाएगा। वहीं टूर्नामेंट का पहला सेमीफाइनल ऑप्टस स्टेडियम में होगा। वहीं दूसरा सेमीफाइनल न्यूजीलैंड में आयोजित किए जाने की संभावना है, इसका आयोजन ऑकलैंड, क्राइस्टचर्च या वेलिंगटन जैसे शहरों में से अभी किसी एक स्टेडियम में हो सकता है। इस तरह, नॉकआउट चरण के मुकाबले दोनों मेजबान देशों में बंटे होंगे। आईसीसी ने एडिनबर्ग में अपनी वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में 2028 टी20 वर्ल्ड कप के लिए एक बिल्कुल नए और आकर्षक प्रारूप को मंजूरी दी है। इस बदलाव का मुख्य उद्देश्य टूर्नामेंट के अंतिम चरण को और अधिक प्रतिस्पर्धी और रोमांचक बनाना है। अब तक इसेमाला होने वाले सुपर-8 फॉर्मेट की जगह सुपर-10 चरण लागू होगा, जिसमें सेमीफाइनल से पहले क्वॉर्टर-फाइनल एलिमिनेटर मुकाबले भी शामिल किए गए हैं।



टूर्नामेंट में कुल 20 टीमें हिस्सा लेंगी, लेकिन उनका शुरुआती सफर बदल जाएगा। पहले जहां चार ग्रुप में पांच-पांच टीमें होती थीं, वहीं अब पांच ग्रुप बनाए जाएंगे, जिनमें हर ग्रुप में चार टीमें होंगी। इस बदलाव से पहले राउंड में 40 की जगह सिर्फ 30 मुकाबले खेले जाएंगे। प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीमें अगले दौर यानी सुपर-10 में प्रवेश करेंगी। इस सुपर-10 चरण में क्वालिफाई करने वाली 10 टीमों को फिर से दो ग्रुप में बांटा जाएगा, जिसमें प्रत्येक ग्रुप में पांच टीमें होंगी। सभी टीमें अपने ग्रुप की अन्य चार टीमों से भिड़ेंगी और इस चरण में कुल 20 मैच खेले जाएंगे।सुपर-10 के बाद, दोनों ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल करने वाली टीमें सीधे सेमीफाइनल में जगह पक्की करेंगी। जबकि दूसरे और तीसरे स्थान पर रहने वाली टीमों को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए एलिमिनेटर मुकाबले खेलने होंगे। पहले एलिमिनेटर में ग्रुप ए की दूसरे नंबर की टीम का सामना ग्रुप बी की तीसरे नंबर की टीम से होगा, और दूसरे एलिमिनेटर में ग्रुप बी की दूसरे नंबर की टीम ग्रुप ए की तीसरे नंबर की टीम से भिड़ेगी। इन दोनों एलिमिनेटर मुकाबलों के विजेता ही बाकी बचे दो सेमीफाइनल स्पॉट पर कब्जा करेंगे। इस तरह, नए प्रारूप के तहत, सुपर-8 की जगह सुपर-10 और दो अतिरिक्त एलिमिनेटर के साथ, टी20 वर्ल्ड कप 2028 में कुल 55 मुकाबले खेले जाएंगे, जो क्रिकेट प्रशंसकों को भरपूर मनोरंजन प्रदान करेंगे।

चेन्नई ओपन टेनिस आज से, भारत में अंतिम बार खेला जाएगा डब्ल्यूटीए टूर्नामेंट

चेन्नई । यहां सोमवार से चेन्नई ओपन टेनिस टूर्नामेंट शुरू होगा। ये भारत में होने वाला महिला टेनिस संघ (डब्ल्यूटीए) का अंतिम 250 टूर्नामेंट होगा क्योंकि इसके बाद भारत डब्ल्यूटीए टूर कैलेंडर से बाहर हो जाएगा। इसका प्रभाव देश में होने वाले अंतरराष्ट्रीय टेनिस टूर्नामेंटों पर पड़ेगा। ऐसे वैष्णवी अडकर, सहज यमलापल्ली और माया राजेश्वरन रेवती जैसी उभरती भारतीय खिलाड़ियों के लिए घरेलू दर्शकों के सामने चेन्नई ओपन में अपनी प्रतिभा दिखाने और अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में सुधार करने का अंतिम अवसर होगा।



यह चेन्नई ओपन का तीसरा और अंतिम संस्करण होगा। भारत जल्द ही डब्ल्यूटीए के मुख्य टूर कैलेंडर में अपनी जगह खोने जा रहा है, जिससे भारतीय टेनिस खिलाड़ियों के लिए ऐसे उच्च-स्तरीय टूर्नामेंटों में सीधा प्रवेश पाना और भी कठिन हो जाएगा। ऐसे में, यह टूर्नामेंट न केवल उन्हें कीमती रैंकिंग अंक हासिल करने का अवसर प्रदान करेगा, बल्कि भविष्य के लिए एक मजबूत नींव रखने में भी मदद करेगा। यह भारतीय महिला टेनिस के लिए एक निर्णायक मोड़ साबित हो सकता है, जहाँ युवा प्रतिभाओं के पास अपनी छाप छोड़ने का अंतिम सुनहरा अवसर है।

एकल मुख्य ड्रॉ में वैष्णवी अडकर, सहज यमलापल्ली और माया राजेश्वरन रेवती को वाइल्ड कार्ड के जरिए प्रवेश मिला है। तीनों की मौजूदा रैंकिंग टॉप-300 से बाहर है, जिसके कारण उन्हें सीधे डब्ल्यूटीए 250 टूर्नामेंट में खेलने के अवसर कम ही मिलते हैं। चेन्नई ओपन उनके लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनेपे को साबित करने का एक अहम मंच साबित होगा।इस टूर्नामेंट में भारतीय टेनिस की उभरती हुई 17 वर्षीय खिलाड़ी माया राजेश्वरन रेवती पर खास निगाहें रहेंगी। वर्तमान में विश्व रैंकिंग में 500 से बाहर होने के बावजूद, माया ने हाल ही में अक्टूबर में नाडजीरिया के लागोस में आयोजित डब्ल्यू35 टूर्नामेंट जीतकर अपना पहला पेशेवर एकल खिताब हासिल किया था। उस टूर्नामेंट में उन्होंने एक भी सेट नहीं गंवाया और फाइनल में स्पेन की सेलिया सर्विनो रुइज को 6-4, 6-2 से हराया था। उन्होंने लागोस में युगल का खिताब भी अपने नाम किया था, जो उनकी बहुमुखी प्रतिभा को दर्शाता है।चेन्नई ओपन के पिछले दो संस्करणों में कोई भी भारतीय खिलाड़ी दूसरे दौर से आगे नहीं बढ़ पाई थी। 2022 के टूर्नामेंट में भी भारतीय खिलाड़ियों को शुरुआती दौर में ही बाहर होना पड़ा था। ऐसे में, इस बार घरेलू दर्शकों को वैष्णवी, सहज और माया से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी। उनके लिए सिर्फ टूर्नामेंट में हिस्सा लेना ही नहीं, बल्कि मजबूत विदेशी खिलाड़ियों को चुनौती देना और जीत दर्ज करना भी महत्वपूर्ण होगा।

न्यूजीलैंड में भारतीय खिलाड़ी होटल के बाहर प्रदर्शन से हुए हैरान

हैमिल्टन। न्यूजीलैंड दौरे पर गई भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों को हाल ही में एक अजीब अनुभव का सामना करना पड़ा, जिसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर आया है। न्यूजीलैंड के हैमिल्टन में अपने होटल के कमरे में रात के समय तेज संगीत का शोर सुनकर अभिषेक शर्मा और वैभव सूर्यवंशी हैरान रह गये। बाद में पता चला कि यह शोर किसी कार्यक्रम का नहीं बल्कि होटल के ठीक बाहर हो रहे एक विरोध प्रदर्शन का था जिससे खिलाड़ी हैरत में पड़ गये। इस वीडियो में, अभिषेक, वैभव और अक्षर एक कमरे में बैठे नजर आ रहे हैं। अभिषेक ने पहले अक्षर पटेल से संगीत बंद करने को कहा, क्योंकि वे आराम करना चाहते थे। उन्हें लगा कि आवाज कमरे के भीतर से आ रही है। हालांकि, अक्षर पटेल को पहले से ही अंदाजा था कि यह आवाज बाहर से आ रही है। इसके बादअभिषेक स्वयं खिड़की के पास गए और बाहर का नजारा देखकर हैरान रह गए। उन्हें यह देखकर और भी हैरानी हुई कि यह कोई सामान्य संगीत कार्यक्रम नहीं, बल्कि रात के समय हो रहा एक विरोध प्रदर्शन था।

भारतीय महिला आने वाले समय में विश्व क्रिकेट में शीर्ष पर रहेगी : कोच मजूमदार

मुम्बई। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने अपने दो दशक के करियर में सबसे अधिक शतक और रनों के साथ ही अनगिनत रिकॉर्ड अपने नाम किये हैं और हर दुनिया के हर कोने में अपनी बल्लेबाजी से इतिहास रचा है पर वह एक बार भी लंदन के ऐतिहासिक लॉर्ड्स क्रिकेट मैदान में शतक नहीं लगा पाये जबकि इस मैदान पर खेलना और शतक लगाना हर क्रिकेटर का सबसे बड़ा सपना होता है। हैरान की बात है कि दुनिया के लगभग हर बड़े मैदान पर शतक लगाने वाले तेंदुलकर का यह सपना लॉर्ड्स पर कभी पूरा नहीं हो पाया। इस प्रकार सचिन के लिए लॉर्ड्स का मैदान एक तरह से अनलकी साबित हुआ, जहां वह एक बार भी तीन अंकों तो नहीं पहुंचे। अपने पूरे अंतरराष्ट्रीय करियर में, चाहे वह टेस्ट क्रिकेट हो या एकदिवसीय, सचिन लॉर्ड्स में एक भी शतक दर्ज नहीं कर सके। उन्होंने इस ऐतिहासिक मैदान पर कुल 8 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले, जिनमें 5 टेस्ट और 3 एकदिवसीय मुकाबले शामिल हैं। टेस्ट मैचों में, पांच पारियों में उन्होंने केवल 195 रन बनाए, जिसमें उनका सर्वोच्च स्कोर मात्र 37 रन रहा। वहीं, तीन एकदिवसीय मैचों में उनके नाम सिर्फ 45 रन दर्ज हैं, जिसमें उनका सर्वाधिक स्कोर 26 रन था। यह आंकड़ा सचिन जैसे दिग्गज बल्लेबाज के लिए बेहद असामान्य और अप्रत्याशित माना जाता है, जिन्होंने अपनी बल्लेबाजी से अनगिनत बार विपक्षी गेंदबाजों को ढेर किया। यह उल्लेखनीय है कि सचिन तेंदुलकर दुनिया के एकमात्र ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 100 शतकों (टेस्ट में 51 और वनडे में 49) का अद्वितीय कीर्तिमान स्थापित किया है। ऐसे महान बल्लेबाज के लिए, क्रिकेट के इस सबसे प्रतिष्ठित मैदान पर एक भी शतक न लगा पाने का मलाल निश्चित रूप से रहा होगा। क्योंकि लॉर्ड्स सिर्फ एक मैदान नहीं, बल्कि क्रिकेट की ऐतिहासिक पहचान और आत्मा है।

टेस्ट फॉर्मेट में, उन्होंने 15,921 रन बनाए, जिसमें उनका उच्चतम स्कोर 248 रन रहा। वहीं, एकदिवसीय क्रिकेट में उन्होंने 18,426 रन बनाए और 200 रन का सर्वोच्च स्कोर दर्ज किया। वह वनडे में दोहरा शतक लगाने वाले दुनिया के पहले पुरुष खिलाड़ी भी थे। इन सभी थेमिसाल उपलब्धियों और अनगिनत रिकॉर्ड्स के बावजूद, लॉर्ड्स का मैदान उनके अविश्वसनीय करियर का एक ऐसा अनूठा अध्याय बनकर रह गया, जहां उनका बल्ला मौन रहा और वे कभी तिहरे अंक तक नहीं पहुंच पाए।

ईशान की वापसी के कारण अंतिम टी20 में भी वैभव को नहीं मिली जगह

हैमिल्टन । भारत और न्यूजीलैंड के बीच यहां हुए पांच मैचों की टी20 सीरीज के अंतिम मुकाबले में भी भारतीय वैभव सूर्यवंशी को अंतिम एकादश में शामिल नहीं किया गया। इसका कारण विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन ने टीम में वापसी रही है। वैभव ने हालांकि तीसरे मैच में धमाकेदार पारी खेली थी। वहीं इसके बाद भी उनकी जगह पर ईशान कोचौथे टी20 में शामिल किया था पर वह रन नहीं बना पाये थे। इसके बाद भी ईशान को टीम में बरकरार रख वैभव की हटने से उनके प्रशंसक निराश दिखे। वैभव ने सीरीज के तीसरे मैच में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से सभी को प्रभावित किया था। उन्होंने केवल 19 गेंदों में 45 रन बनाये थे जिसमें चार चौके और चार छक्के शामिल थे। अभिषेक के साथ पारी की शुरुआत करते हुए उन्होंने टीम को तेज शुरुआत दी थी और विपक्षी गेंदबाजों पर दबाव बनाया था। इस शानदार प्रदर्शन के बाद कई क्रिकेट जानकारों को उम्मीद थी कि उन्हें आगे भी मौके मिलेंगे, खासकर जब वह अपनी प्रतिभा और क्षमता का प्रदर्शन कर



चुके थे, लेकिन अंतिम दो मैचों में उन्हें लगातार बाहर रहना पड़ा है।

वहीं भारतीय टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर ने टॉस के दौरान वैभव के चयन पर कोई विशेष टिप्पणी नहीं की। अंतिम टी20 के लिए भारतीय प्लेइंग इलेवन में दो बदलाव किए गए थे। वरुण चक्रवर्ती और भुवनेश्वर कुमार को टीम में शामिल किया गया, जबकि अक्षर पटेल और मयंक यादव को बाहर रखा गया। ईशान की वापसी से टीम में एक अनुभवी विकेटकीपर-बल्लेबाज का विकल्प जुड़ गया, माना जा रहा है कि शायद इसी कारण टीम प्रबंधन ने युवा वैभव को शामिल नहीं किया।

वहीं टीम चयन को लेकर उठ रहे सवालों और सोशल मीडिया पर हो रही चर्चाओं के बीच मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कहा कि उनका काम सभी खिलाड़ियों को खुश रखना नहीं, बल्कि टीम के हित में सही फैसले करना है। गंभीर ने आगे कहा कि पहले अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को निश्चित रूप से प्राथमिकता दी जाएगी, लेकिन अन्य प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को अपनी बारी का इंतजार करना होगा। कोच गंभीर ने कहा कि टीम के फैसले बाहरी दबाव या प्रतिक्रियाओं के आधार पर नहीं लिए जाते हैं, बल्कि वे पूरी तरह से टीम की रणनीति और आवश्यकताओं पर आधारित होते हैं।

टखने की चोट से उबरे नीरज चोपड़ा, जल्द शुरू करेंगे अभ्यास

नई दिल्ली। ओलंपिक पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने कहा है कि वह अपनी टखने की चोट से काफी कुछ उबर गये हैं और जल्द ही अभ्यास शुरू कर सकते हैं। नीरज चोपड़ा इस साल अगस्त में अभ्यास के दौरान चोटिल हो गए थे, जिसके कारण वह प्रतिष्ठित डायमंड लीग फाइनल्स के अलावा एशियाई खेलों से भी बाहर रहे थे। अब इस स्टार खिलाड़ी का कहना है कि वे पहले से काफी बेहतर हैं। भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) में चोपड़ा ने कहा, मेरी चोट अब काफी बेहतर है। पहले डेढ़ महीने में मुझे कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ा था, लेकिन अब इसमें काफी सुधार हुआ है। उन्होंने आगे कहा, मैंने विषेषज्ञ डॉक्टर दिनशॉ पारदीवाला से परामर्श लिया और उन्होंने अपनी चिकित्सा टीम की सलाह के अनुसार पूरा आराम किया। उन्होंने चिकित्सकों की सलाह का पालन करते हुए अपनी रिकवरी पर ध्यान केंद्रित किया। नीरज ने टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टॉप्स) और साइ के सहयोग की भी सराहना की, जिन्होंने वर्षों से उन्हें प्रतियोगिताओं के संबंध में हरसंभव सहायता प्रदान की है। उन्होंने कहा कि वह कई वर्षों से टॉप्स के ढांचे का हिस्सा रहे हैं और जरूरत पड़ने पर उन्हें हमेशा मदद मिली है। इस साल चोपड़ा ने आखिरी बार 21 अगस्त को लुसाने में डायमंड लीग में भाग लिया था, जहां वह दूसरे स्थान पर रहे थे। जुलाई में उन्होंने राष्ट्रमंडल खेलों में भी रजत पदक जीता था। नीरज ने 'खेलो इंडिया स्पोर्ट्स गुड्स मैन्युफैक्चरिंग स्कीम' को मंजूरी दिए जाने पर भी खुशी जताई है। उन्होंने इसे भारतीय खेल के लिए एक बड़ा और महत्वपूर्ण कदम बताया।



ऋषभ न्यूजीलैंड ए के खिलाफ तीसरे अनौपचारिक टेस्ट से भी बाहर हुए

ऑकलैंड। भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत न्यूजीलैंड ए के खिलाफ तीसरे अनौपचारिक टेस्ट से बाहर हो गये हैं। ये ऋषभ के लिए एक बड़ा झटका है। इससे उनके टेस्ट क्रिकेट में वापसी भी टल सकती है। ऋषभ हालांकि चोट से उबर गये हैं पर इसके बाद भी टीम प्रबंधन ने जोखिम न लेते हुए उन्हें बाहर रखने का फैसला किया है। हालांकि अब वह दर्द महसूस नहीं कर रहे हैं और उन्होंने अभ्यास भी शुरू कर दिया है, लेकिन टीम प्रबंधन उनकी वापसी में कोई जल्दबाजी नहीं चाहता। मैदान पर वापसी से पहले एक उन्हें एक कठोर फिटनेस टेस्ट पास करना अनिवार्य होगा।

वह इससे पहले भी न्यूजीलैंड ए के खिलाफ हुए पहले दो मैचों में चोट के कारण नहीं खेल पाए थे। अब उन्हें लिंकन में 7 से 10 नवंबर तक होने वाले तीसरे और अंतिम अनौपचारिक टेस्ट से भी बाहर रखा गया है। पहले यह उम्मीद जताई जा रही थी कि वह इस मुकाबले में वापसी कर सकते हैं, लेकिन टीम प्रबंधन और मेडिकल स्टाफ ने अब उन्हें पूरी तरह से फिट होने और समय देने का फैसला किया है। गौरतलब है कि पिछले महीने श्रीलंका में ईरानी कप में शेष भारत की कप्तानी के दौरान चोटिल होने के बाद से ही अब पूरी तरह से फिट नहीं हो पाए हैं। राहत की बात है कि उन्हें अब दर्द नहीं है और उन्होंने बल्लेबाजी व विकेटकीपिंग का अभ्यास भी शुरू कर दिया है। उनकी फिटनेस पर भारतीय क्रिकेट टीम के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (एनसीए) में विशेष नजर रखी जा रही है। मैदान पर वापसी करने से पहले उन्हें कम से कम तीन से चार गहन अभ्यास सत्र पूरे करने होंगे। इन सत्रों में उनकी शारीरिक स्थिति, मैदान पर उनकी गतिशीलता, बल्लेबाजी की क्षमता और विकेटकीपिंग कौशल का विस्तृत आंकलन होगा।

टीम प्रबंधन और मेडिकल स्टाफ की प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि खिलाड़ी पूरी तरह से फिट होकर ही वापसी करे, ताकि भविष्य में दोबारा चोटिल होने का कोई जोखिम न रहे।

त्योहारों को लेकर खाद्य सुरक्षा प्रशासन की व्यापक कार्रवाई, मिठाई और खाद्य सामग्री के नमूने जांच के लिए भेजे

कई होटलों और मिठाई दुकानों में मिली अस्वच्छता, नोटिस जारी; 8 हजार रुपये की एक्सपायरी खाद्य सामग्री नष्ट कराई

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। आगामी त्योहारों को देखते हुए जिले में मिलावटखोरी और गुणवत्ताहीन खाद्य सामग्री के विक्रय पर रोक लगाने के लिए खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा व्यापक जांच अभियान चलाया जा रहा है। कलेक्टर श्री आदित्य सिंह के निर्देशानुसार जिले के विभिन्न तहसील क्षेत्रों में खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर मिठाई, नमकीन, खाद्य रंग, एसेंस एवं अन्य खाद्य सामग्री के नमूने लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे जा रहे हैं। जांच के दौरान कई प्रतिष्ठानों में अस्वच्छता पाए जाने पर संचालकों को नोटिस जारी किए गए हैं। खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री योगेश डोंगरे एवं श्रीमती गीता टेकेकर की टीम ने कटंगी स्थित डीवी मार्ट का निरीक्षण कर शहद के नमूने लिए। साथ ही त्योहारों में मिठाई एवं नमकीन बनाने में उपयोग होने वाले एसेंस, सुगंध, रंग, एडिटिव्स, कस्टर्ड पाउडर और बेकिंग सोडा के नमूने भी जांच के लिए लिए गए। लांजी में नैवेद्यम होटल की जांच के दौरान अस्वच्छता पाए जाने पर नोटिस जारी किया गया। यहां खोवा बर्फी, कलाकंद एवं पेड़ा के नमूने लिए गए। शिवराज होटल के किचन में भी गंदगी मिलने पर नोटिस दिया गया तथा उपयोग किए जा रहे सोयाबीन तेल, नारियल



बर्फी एवं पेड़ा के नमूने जांच के लिए लिए गए। बीकानेर मिष्ठान भंडार से कलाकंद एवं पेड़ा के नमूने लेकर प्रयोगशाला भेजे गए। भानेगांव स्थित ठाकरे होटल में स्वच्छता की कमी पाए जाने पर नोटिस जारी किया गया। यहां मिक्चर, नमकीन एवं मलाई पेड़ा के नमूने लिए गए। इसी प्रकार भानेगांव के बीकानेर होटल से कलाकंद एवं मिल्क केक के नमूने जांच के लिए लिए गए। बालाघाट शहर में वैशाली होटल, शगुन होटल, भारतीय होटल, बाबू मिष्ठान भंडार एवं मधुर कलश का निरीक्षण किया गया। इन प्रतिष्ठानों से पेड़ा, बर्फी, छेना, मोतीचूर, मलाई पेड़ा, मगज लड्डू, बादाम बर्फी, येलो बर्फी, कलाकंद एवं मिल्क केक सहित लगभग 12 नमूने जांच के लिए लिए गए। परसवाड़ा स्थित जगदीश होटल में अस्वच्छता पाए जाने पर नोटिस जारी किया गया। यहां छेना, कुंदा, पेड़ा एवं नारियल बर्फी के नमूने लिए गए। संजू होटल से खोवा बर्फी, कुंदा पेड़ा एवं कुंदा बर्फी के नमूने जांच के लिए लिए गए। बिरसा में जयसवाल स्वीट्स एवं रेस्टोरेंट से कुंदा पेड़ा, मिल्क केक एवं मलाई बर्फी तथा रक्षेश स्वीट्स से मगज के लड्डू, मैसूर पाक एवं कुंदा पेड़ा के नमूने लिए गए। मलाजखंड स्थित संतोष जलपान गृह से मोतीचूर लड्डू एवं खोवा पेड़ा के नमूने लिए गए। शिवम होटल से फूड कलर, फूड एसेंस एवं बेकिंग सोडा तथा अशोका होटल से नमकीन सेव एवं कलाकंद के नमूने जांच के लिए लिए गए। अशोका होटल एवं संतोष जलपान गृह में अस्वच्छता पाए जाने पर संचालकों को नोटिस जारी किए गए हैं।

25 खाद्य नमूनों की मौके पर जांच

खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा छिंदवाड़ा से आई मोबाइल खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला (एमएफटीएल) के माध्यम से भी जांच कराई गई। मोबाइल लैब ने सरेखा स्थित न्यू नागपुर होटल, श्याम डेयरी स्वीट्स, हनुमान चौक स्थित पंजाब स्वीट्स, बीकानेर, वैशाली मिष्ठान एवं राजेश स्वीट्स से मिठाई और नमकीन के कुल 25 नमूने लेकर मौके पर परीक्षण किया। प्रारंभिक जांच में किसी प्रकार की अनियमितता नहीं पाई गई। इसके अलावा रेपिड टेस्टिंग किट के माध्यम से दूध एवं दूध उत्पादों के लगभग 30 नमूनों की जांच भी की गई। एमएफटीएल द्वारा प्रतिमाह दो बार जिले का भ्रमण कर खाद्य पदार्थों का मौके पर परीक्षण करने के साथ खाद्य सुरक्षा मानकों के प्रति जनजागरूकता भी फैलाई जाती है।

8 हजार रुपये की एक्सपायरी सामग्री नष्ट कराई

निरीक्षण के दौरान खाद्य पदार्थों की पैकिंग एवं निर्माण तिथि की भी जांच की गई। इस दौरान लगभग 8 हजार रुपये मूल्य की एक्सपायरी खाद्य सामग्री पाई गई, जिसे मौके पर विनष्ट कराया गया। इसमें बिस्किट, टोस्ट, नमकीन सहित अन्य खाद्य पदार्थ शामिल थे। खाद्य विक्रेताओं को निर्देश दिए गए हैं कि खाद्य सामग्री को खुले में न रखें तथा उसकी गुणवत्ता और सुरक्षित भंडारण का विशेष ध्यान रखें। खाद्य सुरक्षा प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि ट्रे में रखी खुली मिठाइयों एवं खाद्य पदार्थों पर निर्माण तिथि तथा बेस्ट बिफोर तिथि अंकित करने संबंधी आदेश को 7 नवंबर 2023 के आदेश के माध्यम से शिथिल किया गया है। खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम की धारा 16(5) के अंतर्गत जारी इस व्यवस्था के अनुसार विक्रेता अपनी इच्छा से खुली मिठाई एवं खाद्य पदार्थों पर तिथि अंकित कर सकते हैं। खाद्य सुरक्षा प्रशासन की टीम ने सभी खाद्य कारोबारियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि त्योहारों के दौरान किसी भी स्थिति में मिलावटी अथवा गुणवत्ताहीन खाद्य सामग्री का विक्रय न किया जाए। विभाग द्वारा त्योहारों तक निरीक्षण एवं नमूना लेने की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। किसी भी प्रकार की मिलावट या अनियमितता पाए जाने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

पृष्ठ 01 का शेष

दिल्ली की रैली में जुटे झारखंड से कांग्रेस के कई नेता, टाना भगतों की भी भागीदारी

दिल्ली के रामलीला मैदान में रविवार को आयोजित 'वोट बचाओ, देश बचाओ' महारैली में झारखंड की भी मजबूत राजनीतिक मौजूदगी दिखी।मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और कथित वोट चोरी के मुद्दे पर विपक्ष के इस शक्ति प्रदर्शन में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, गांडेय विधायक कल्पना सोरेन सहित झारखंड के कई मंत्री, विधायक और वरिष्ठ नेता शामिल हुए।झारखंड कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की और स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी, पूर्व मंत्री बंधु तिर्की, खिजरी विधायक राजेश कच्छप मनिका विधायक रामचन्द्र सिंह क्षेत्र के कार्यकर्ता रैली में शामिल हुए।कांग्रेस ने झारखंड से करीब 12 हजार कार्यकर्ताओं के दिल्ली पहुंचने का दावा किया था। पार्टी के अनुसार, अलग-अलग जिलों से कार्यकर्ता बस, ट्रेन और निजी वाहनों से राष्ट्रीय राजधानी पहुंचे। रांची से 13 बसों में कार्यकर्ताओं और समर्थकों को रवाना किया गया था।पार्टी नेताओं ने इसे लोकतंत्र और मताधिकार की रक्षा के लिए चल रहे अभियान का महत्वपूर्ण पड़ाव बताया।रैली में कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के नेताओं ने मतदाता सूची से कथित तौर पर पात्र मतदाताओं के नाम हटाये जाने का मुद्दा उठाया। कांग्रेस का आरोप है कि एसआईआर की प्रक्रिया के जरिये बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम सूची से हटाये जा रहे हैं। पार्टी ने इसे लोकतांत्रिक अधिकारों पर हमला करार दिया है।प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने रांची में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा था कि झारखंड से हजारों नेता और कार्यकर्ता इस रैली में शामिल होंगे।उन्होंने भाजपा पर संवैधानिक संस्थाओं के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए कहा था कि एसआईआर के नाम पर पात्र मतदाताओं को उनके मतदान के अधिकार से वंचित करने की साजिश की जा रही है।कांग्रेस ने रैली के जरिये मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को भी प्रमुखता से उठाया।पार्टी का कहना है कि मतदाता सूची में कथित अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और चुनाव आयोग को जवाबदेही तय होनी चाहिए।विपक्षी दलों ने इस मुद्दे पर केंद्र सरकार को घेरते हुए लोकतांत्रिक संस्थाओं की निष्पक्षता और मताधिकार की सुरक्षा का सवाल उठाया।रविवार को इस रैली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी समेत इंडिया गठबंधन के कई प्रमुख नेता शामिल हुए।झारखंड के नेताओं की मौजूदगी ने राज्य में भी एसआईआर और मतदाता सूची से जुड़े मुद्दे को राजनीतिक बहस के केंद्र में ला दिया है।

-अखिलेश का शाह पर पलटवार- जमीन ही नहीं.....पैर कहां रखोगे ?

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने दिल्ली के रामलीला मैदान में इंडिया गठबंधन द्वारा आयोजित वोट चोरी के खिलाफ रैली को संबोधित कर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के अंगद के पैर वाले बयान पर तीखा पलटवार किया। अखिलेश ने कहा, जो लोग अंगद का पैर कहने की बात करते हैं, उन्हें समझना चाहिए कि जब जमीन ही नहीं बची है तब पैर कहां रखेंगे ? अखिलेश यादव ने भाजपा और चुनाव आयोग पर निशाना साधकर आरोप लगाया कि देश में एक करोड़ से अधिक हिंदू मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं। उन्होंने उत्तर प्रदेश का जिक्र कर दावा किया कि राज्य में 1 लाख 27 हजार हिंदू मतदाताओं के नाम काट दिए गए, जिससे हर विधानसभा में करीब 31 हजार वोटों की कमी हुई। सपा मुखिया ने कहा कि हार का ठीकरा किसी और पर फोड़ने की कोशिश की जा रही है, लेकिन यूपी वाले उन्हें करारा जवाब देकर सत्ता से बाहर का रास्ता दिखाएंगे।

सपा प्रमुख ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव का उल्लेख किया, जहां उन्होंने वोट लूटे जाने और चुनाव से पहले विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के माध्यम से धांधली का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि 2022 में उत्तर प्रदेश में सपा की सरकार न बनने का कारण भी वोट चोरी थी। अखिलेश ने भाजपा पर कटाक्ष कर कहा कि जो लोग विश्वगुरु बनने की बात करते थे, वे मतदाता सूची में चोरी करते हैं।

सपा नेता यादव ने कहा कि इंडिया गठबंधन रुकने वाला नहीं है और लोकतंत्र को बचाने का अभियान उत्तर प्रदेश से शुरू होगा। उन्होंने गाजीपुर मैदान को लोकतंत्र की हल्दीघाटी करार देकर कहा कि यहां से एक नया इतिहास लिखा जा रहा है और परिवर्तन कभी भी आ सकता है। अखिलेश ने चेतावनी दी कि अगली पीढ़ी भाजपा द्वारा लगाए गए हर लाठी और दिए गए हर जख्म का बदला लेगी, जिससे भाजपा खुद को बचा नहीं पाएगी।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के डबल इंजन सरकार के दावे पर परोक्ष रूप से कटाक्ष कर अखिलेश यादव ने कहा कि उन्हें खुशी है कि काशी की जनता ने एमएलसी चुनाव में भाजपा को डबल जीरो दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने चंडीगढ़ जैसी चाल चलने की कोशिश की लेकिन असफल रही। अखिलेश ने भाजपा पर लगातार साजिशें और षड़यंत्र करने का आरोप लगाकर कहा कि वे जनता के बीच में नहीं जीत सकते, इसलिए चुनाव के माध्यम से हेरफेर का रास्ता अपनाते हैं।

-इंडिया गठबंधन की रैली से दिल्ली-हरियाणा बॉर्डर पर लगा जाम

दिल्ली के रामलीला मैदान में रविवार को इंडिया गठबंधन की 'वोट बचाओ, देश बचाओ' रैली का असर दिल्ली-हरियाणा सीमा पर यातायात व्यवस्था पर भी पड़ा। रैली में शामिल होने के लिए पंजाब और हरियाणा से बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं के दिल्ली पहुंचने के कारण कई बॉर्डर पर भारी जाम लग गया।

सोनीपत के कुंडली बॉर्डर से लेकर गुरुग्राम के सरहील बॉर्डर तक वाहनों की लंबी कतारें देखने को मिलीं। कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बसों और निजी वाहनों की भीड़ के कारण दिल्ली की ओर जाने वाले रास्तों पर यातायात प्रभावित हुआ। सोनीपत में कुंडली बॉर्डर के पास वाहनों का दबाव सबसे अधिक रहा। केजीपी और केएमपी के जीरो पॉइंट पर भी लंबा जाम लग गया। सड़कों पर गाड़ियां रेंगती नजर आईं।

जाम में कांग्रेस कार्यकर्ताओं के वाहनों के साथ मालवाहक ट्रक और दूसरे निजी वाहन भी फंस गए। इससे आम यात्रियों और ट्रक चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। रैली में शामिल होने जा रहे बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ के कारण दिल्ली की सीमाओं पर यातायात व्यवस्था प्रभावित रही।

राहुल गांधी का आरोप- बीजेपी ने जबरन बंद करवा दी कनॉट प्लेस की दुकानें

दिल्ली में इंडिया गठबंधन की महारैली के दौरान, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) पर गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने दावा किया कि बीजेपी ने दिल्ली के कनॉट प्लेस की सभी दुकानें जबरदस्ती बंद करवा दीं, इससे स्थानीय व्यापारियों को भारी नुकसान हुआ है। राहुल गांधी ने सवाल उठाया कि आखिर व्यापारियों का नुकसान कौन कर रहा है।

राहुल गांधी ने कहा, हमारे द्वारा सभी लोगों से कहा कि जब आप मार्च और महारैली के लिए आएंगे, तब चीजें खरीदें, खरीदारी करें। मगर यहां कनॉट प्लेस में आते हुए हमें पता लगा कि बीजेपी ने सारी की सारी दुकानें जबरदस्ती बंद करवा दीं। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि व्यापारियों का यह नुकसान बीजेपी के कारण हो रहा है। दरअसल, आरोप से पहले राहुल गांधी ने पोस्ट कर दिल्ली आने वाले लोगों से लोकल व्यापारियों की मदद करने का आग्रह किया था। उन्होंने कहा था कि दिवाली, छठ और भाईदूज जैसे त्यौहारों के समय दिल्ली आने वाले लाखों लोग यदि छोटी-छोटी दुकानों से सामान खरीदे, तब इससे स्थानीय व्यापारियों को आर्थिक लाभ होगा। उन्होंने पोस्ट में लिखा था, प्रोटेस्ट, मार्च, रैली कीजिए, साथ में थोड़ी सी खरीदारी भी कीजिए- व्यापारियों का फायदा हो जाएगा। राहुल गांधी ने बीजेपी पर आरोप लगाया था कि वह रैली से व्यापारियों को नुकसान होने की झूठी अफवाहें फैला रही है। उन्होंने दावा किया कि विपक्ष की रैली से व्यापारियों को नुकसान नहीं, बल्कि फायदा होगा। अब कनॉट प्लेस की दुकानों को जबरन बंद कराने का आरोप लगाकर, उन्होंने बीजेपी पर सीधा पलटवार किया है, यह संकेत देते हुए कि व्यापारियों का नुकसान विपक्ष नहीं, बल्कि सत्ताधारी दल कर रहा है। दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित यह महारैली कथित चुनावी अनियमितताओं और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर विपक्षी दलों के शक्ति प्रदर्शन के तौर पर देखी जा रही है। इसी रैली के इर्द-गिर्द बीजेपी और कांग्रेस के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है, जिसमें अब कनॉट प्लेस की दुकानों को बंद कराने का मुद्दा भी जुड़ गया है।

राज्य स्थापना दिवस एवं छात्रावास महोत्सव पर छात्राओं ने दी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रदेश स्थापना दिवस 1 नवंबर एवं छात्रावास महोत्सव के अवसर पर वीरांगना रानी दुर्गावती महाविद्यालयीन जनजातीय कन्या छात्रावास तिरोड़ी तथा शासकीय सीनियर अजा कन्या छात्रावास तिरोड़ी में संयुक्त रूप से सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं ने विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।



आयोजन में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों की उपस्थिति रही।कार्यक्रम में ग्राम की सरपंच श्रीमती फौजिया खान, तिरोड़ी मंडल के अ ध्य क्ष देशमुख, महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती पूनम रावले, स्वास्थ्य विभाग एवं शिक्षा विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, सेवानिवृत्त शिक्षक संतोष टेकाम एवं श्रीमती प्रमिला सलामे, शिक्षिका श्रीमती स्मिता हरिनखेड़े तथा छात्राओं के पालकगण उपस्थित रहे।इस अवसर पर छात्राओं ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर उपस्थित अतिथियों का मन मोह लिया।अतिथियों ने छात्राओं को संबोधित करते हुए शिक्षा के महत्व, अनुशासन, आत्मविश्वास एवं जीवन में लक्ष्य निर्धारित कर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने छात्रावास में आयोजित इस तरह के कार्यक्रमों को छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए महत्वपूर्ण बताया।कार्यक्रम के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को पुरस्कार वितरित कर सम्मानित किया गया। इससे छात्राओं में उत्साह और उमंग का माहौल देखने को मिला।आयोजन के अंत में स्नेहभोज का आयोजन किया गया। इस प्रकार मध्यप्रदेश स्थापना दिवस एवं छात्रावास महोत्सव का आयोजन उत्साह, उल्लास और सांस्कृतिक रंगों के साथ संपन्न हुआ।

सकरी सड़क पर वाहनों के आवागमन पर रोक लगाने की मांग, दुकानदारों ने उठाई आवाज

पद्मेश न्यूज। बैहर। नगर परिषद बैहर के वार्ड क्रमांक 10 में बस स्टैंड पुल से मस्जिद मार्ग को जोड़ने वाली सड़क पर आए दिन दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। सड़क की कम चौड़ाई और दुकानदारों द्वारा सड़क किनारे दोपहिया वाहन खड़े करने के कारण आवागमन में भारी परेशानी हो रही है। इस समस्या को देखते हुए दुकानदारों एवं नागरिकों ने सकरी सड़क पर चारपहिया वाहनों के आवागमन पर रोक लगाने की मांग की है। जानकारी के अनुसार मस्जिद मार्ग से जिला सहकारी केंद्रीय बैंक तिगड्डा मुख्य बस्ती रोड तक जुड़ने वाली इस सड़क की लंबाई लगभग 250 से 300 फीट तथा चौड़ाई करीब 10 फीट है। सड़क के दोनों ओर नाली के लिए लगभग 2 से 3 फीट जगह छोड़ी गई है। फुटपाथ नहीं होने के कारण पैदल चलने वाले नागरिकों और स्कूली बच्चों को इसी सीमित जगह से होकर गुजरना पड़ता है। इस मार्ग के समीप सिंहापाट तालाब की नहर मछली मार्केट होते हुए बस स्टैंड पुल से नाले के रूप में गुजरती है, जो लगभग 300 फीट दूर सार्वजनिक सीढ़ी तालाब में जाकर मिलती है। ऐसे में सड़क पर पैदल चलने वालों के लिए खतरा और भी बढ़ जाता है। जब दिन के समय छोटे चारपहिया वाहन इस मार्ग से गुजरते हैं,तब स्कूली बच्चों के झुंड और राहगीरों को किनारे हटकर खड़ा होना पड़ता है। सड़क के किनारे नाला होने से संतुलन बिगड़ने पर उसमें गिरने का खतरा बना रहता है। स्थानीय लोगों के अनुसार इस मार्ग पर कई



बार मोटरसाइकिल सवारों सहित अन्य लोग गिरकर हाथ-पैर में चोट लगवा चुके हैं। स्कूली बच्चों के बस्ते तथा राहगीरों के हाथों में रखे सामान का गिरना भी आम बात हो गई है। सड़क पर जगह की कमी के कारण लोगों को जान जोखिम में डालकर आवागमन करना पड़ता है।मस्जिद परिसर में 11 तथा गणांजा कॉम्प्लेक्स में 10 दुकानें संचालित हैं। इस प्रकार कुल 21 दुकानें इस मार्ग पर स्थित हैं। दुकानदार अपने दोपहिया वाहन दुकानों के सामने खड़े करते हैं जिससे सड़क और अधिक संकरी हो जाती है। इसके अलावा दुकानों के बाहर बिक्री के लिए सामान टांगकर रखा जाता है। बड़े वाहनों के गुजरने के दौरान यह सामान वाहनों से टकराकर गिर जाता है। जिससे दुकानदारों को आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ता है।दुकानदारों और स्थानीय नागरिकों का कहना है कि इस मार्ग की भौगोलिक स्थिति और सीमित चौड़ाई को देखते हुए यहां चारपहिया वाहनों के आवागमन पर प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए। आवश्यकतानुसार केवल दोपहिया वाहनों एवं पैदल यात्रियों के आवागमन की व्यवस्था की जाए, ताकि स्कूली बच्चों, राहगीरों और दुकानदारों को राहत मिल सके तथा संभावित दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके।अब देखना यह है कि नगर परिषद एवं यातायात विभाग इस गंभीर समस्या को कितनी शीघ्रता से संज्ञान में लेकर उचित व्यवस्था करते हैं।

हर्षोल्लास और धूमधाम से मनाया गया मप्र का स्थापना दिवस

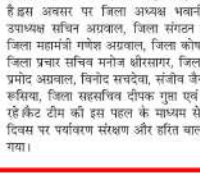
पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्यप्रदेश का स्थापना दिवस 1 नवंबर को बालाघाट जिले में हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया। जिला मुख्यालय स्थित सांदीपनि विद्यालय में आयोजित जिला स्तरीय समारोह में बालाघाट-सिवनी लोकसभा क्षेत्र की सांसद श्रीमती भारती पारधी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में पिछड़ा वर्ग आयोग की सदस्य श्रीमती मौसम बिसेन, कलेक्टर श्री आदित्य सिंह, जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुश्री तनुश्री मीणा, अपर कलेक्टर श्री डीपी बर्मन, प्रभारी पुलिस अधीक्षक श्री नीतेश भार्गव, नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती भारती सुरजीत सिंह ठाकुर, पूर्व मंत्री श्री रामकिशोर कांवरे, श्री गौरीशंकर बिसेन, नगरपालिका उपाध्यक्ष श्री योगेश बिसेन, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष श्री रमेश रंगलानी सहित जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, अधिकारी-कर्मचारी, शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के गायन के साथ हुआ। इस अवसर पर लोकतंत्र सेनानी श्री रमेश रंगलानी, श्री अशोक केहरी एवं श्री शांतिलाल का शाल-श्रीफल भेंट कर सम्मान किया गया। समारोह में मध्यप्रदेश गान का भी सामूहिक गायन किया गया। समारोह में स्कूली छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया। उत्कृष्ट विद्यालय बालाघाट की छात्राओं ने कर्मा नृत्य, सांदीपनि विद्यालय की छात्राओं ने सुवा नृत्य तथा माता शबरी कन्या शिक्षा परिसर गोंगलई की छात्राओं ने आदिवासी लोकनृत्य प्रस्तुत कर जिले की लोक संस्कृति की झलक दिखाई। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को



सम्मानित किया गया। भगवान श्रीकृष्ण मेधावी छात्रवृत्ति के तहत एक लाख रुपये की छात्रवृत्ति प्राप्त करने वाले सांदीपनि विद्यालय वारासिवनी के छात्र गिरीश पारधी को सम्मानित किया गया। मोहनपुर छात्रावास की अधीक्षिका श्रीमती श्यामवती उपवंशी को छात्रावास के उत्कृष्ट संचालन के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। इसी प्रकार सोनगुड्डा अस्पताल की सीएचओ श्रीमती अंजलि रहांगडाले और बिठली अस्पताल के डॉ. सौरभ उइके को उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया। दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान सराहनीय कार्य करने वाले नगरपालिका के कर्मचारियों को भी प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। समारोह स्थल पर आयुष विभाग, स्वास्थ्य विभाग, नगरपालिका बालाघाट, आजीविका मिशन सहित विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाए गए थे। इनके माध्यम से विभागीय योजनाओं की जानकारी देने के साथ ही उत्पादों का प्रदर्शन किया गया। नागरिकों ने स्टॉलों का अवलोकन कर शासकीय योजनाओं एवं विभागीय गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान जन गण मन के सामूहिक गायन के साथ हुआ। समारोह में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी, शिक्षक-शिक्षिकाएं और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

प्रदेश स्थापना दिवस पर कैट टीम ने किया बरगद पौधे का पौधरोपण

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्य प्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर जिला बालाघाट कैट टीम द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं हरियाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नगर के मोती गार्डन में बरगद के पौधे का रोपण किया गया। इस दौरान 'एक जिला-एक वट वृक्ष' संकल्प के तहत पौधे के संरक्षण और संवर्धन की जिम्मेदारी लेने का संकल्प भी लिया गया।कार्यक्रम में कैट पदाधिकारियों ने कहा कि बरगद का वृक्ष भारतीय संस्कृति में विशेष महत्व रखता है। यह वृक्ष बड़ा होकर आने वाली पीढ़ियों को घनी छाया प्रदान करने के साथ ही पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।पौधरोपण का उद्देश्य लोगों को प्रकृति संरक्षण के प्रति जागरूक करना और शहर में हरियाली को बढ़ावा देना है।इस अवसर पर जिला अध्यक्ष भवानी शंकर ठेकड़ीवाल, उपाध्यक्ष सचिन अग्रवाल, जिला संगठन मंत्री दिलीप काड़ा, जिला महामंत्री गणेश अग्रवाल, जिला कोषाध्यक्ष सुभाष छाबड़ा, जिला प्रचार सचिव मनोज क्षीरसागर, जिला कार्यकारिणी सदस्य प्रमोद अग्रवाल, विनोद सचदेवा, संजीव जैन, बसंत चौबे, विजय रूसिया, जिला सहसचिव दीपक गुप्ता एवं दीपक जैन उपस्थित रहे।कैट टीम की इस पहल के माध्यम से मध्य प्रदेश स्थापना दिवस पर पर्यावरण संरक्षण और हरित बालाघाट का संदेश दिया गया।



दक्षिण सतपुड़ा
राजनीति | समाज | देशकाल
और गांव कनेक्शन की खबरें

बालाघाट एक्सप्रेस
शहर । समाज । गांव

बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

धान पंजीयन से छूटे किसान 04 नवंबर तक करा सकेंगे पंजीयन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन के लिए पंजीयन से वंचित रह गए किसानों को शासन ने एक और अवसर दिया है। शासन द्वारा धान उपार्जन पंजीयन पोर्टल को 4 नवंबर 2026 तक खुला रखने की अनुमति प्रदान की गई है। इससे जिले के वे किसान निर्धारित अवधि में अपना पंजीयन करा सकेंगे, जो पूर्व में पंजीयन नहीं करा पाए थे। समर्थन मूल्य पर धान विक्रय के लिए किसानों के पंजीयन की अंतिम तिथि पहले 10 अक्टूबर निर्धारित की गई थी। इसके बावजूद पिछले वर्ष की तुलना में जिले के लगभग 2500 किसान पंजीयन से शेष रह गए थे। किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पंजीयन की अवधि बढ़ाई गई है। जिले के ऐसे किसान, जो समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन के लिए अब तक अपना पंजीयन नहीं करा पाए हैं, वे 4 नवंबर 2026 तक पंजीयन करा सकते हैं। पंजीयन के लिए किसानों के पास एग्रीस्टैक आईडी होना अनिवार्य है। किसानों से अपील की गई है कि वे निर्धारित समय-सीमा में पंजीयन की प्रक्रिया पूरी कर लें, ताकि समर्थन मूल्य पर धान विक्रय करने में किसी प्रकार की परेशानी न हो। ई-उपार्जन पोर्टल किसानों के पंजीयन के लिए प्रारंभ हो गया है और इस पर किसानों का पंजीयन किया जा रहा है। जिले के किसानों ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पंजीयन की तिथि 04 नवम्बर तक बढ़ाने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया है।

भटेरा चौकी रेलवे क्रॉसिंग से 31 मार्च 2027 तक आवागमन बंद रहेगा

रेलवे ओवरब्रिज निर्माण के चलते 31 अक्टूबर से यातायात डायवर्ट, भारी और हल्के वाहनों के लिए अलग-अलग मार्ग निर्धारित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बालाघाट-नैनपुर सड़क मार्ग स्थित भटेरा चौकी रेलवे क्रॉसिंग पर रेलवे ओवरब्रिज निर्माण कार्य के चलते 31 अक्टूबर 2026 से 31 मार्च 2027 तक यातायात पूरी तरह बंद रहेगा। निर्माण कार्य के दौरान दुर्घटनाओं की आशंका को देखते हुए प्रशासन ने इस मार्ग को अस्थायी रूप से बंद कर वाहनों के आवागमन के लिए वैकल्पिक मार्ग निर्धारित किए हैं। यह ओवरब्रिज लोक निर्माण विभाग के सेतु निर्माण विभाग एवं रेलवे विभाग द्वारा संयुक्त रूप से बनाया जा रहा है। इस संबंध में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्री गोपाल सोनी, नगर पुलिस अधीक्षक, अनुविभागीय अधिकारी सेतु निर्माण तथा यातायात थाना प्रभारी द्वारा भटेरा रेलवे क्रॉसिंग (एलसी चौकी-2) एवं प्रस्तावित डायवर्सन मार्ग का संयुक्त निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के बाद आम नागरिकों की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पूर्व अनुमोदित ट्रैफिक डायवर्सन प्लान के अनुसार मार्ग परिवर्तन लागू किया गया है।



भारी वाहनों के लिए निर्धारित मार्ग

प्रशासन द्वारा निर्धारित व्यवस्था के अनुसार नैनपुर रोड से आने वाले भारी वाहन मगरदर्रा से लालबर्रा रोड होते हुए बालाघाट-सिवनी मार्ग पर पहुंचेंगे। इसी तरह सिवनी एवं लालबर्रा की ओर से नैनपुर जाने वाले भारी वाहन लालबर्रा-मगरदर्रा मार्ग से होकर नैनपुर जाएंगे। नैनपुर से बालाघाट नगरीय क्षेत्र एवं बैहर की ओर आने वाले भारी वाहनों को भी मगरदर्रा-लालबर्रा मार्ग से बालाघाट आना होगा। इसी प्रकार बालाघाट शहर एवं बैहर से नैनपुर जाने वाले भारी वाहन लालबर्रा-मगरदर्रा मार्ग का उपयोग करेंगे।

हल्के वाहनों और दोपहिया वाहनों के लिए वैकल्पिक रास्ते

नैनपुर एवं लामता की ओर से बालाघाट आने वाले निजी वाहन, हल्के वाहन, हल्की स्कूल बसें, दैनिक सामग्री के परिवहन में लगे हल्के वाहन तथा अति आवश्यक सेवाओं के हल्के वाहनों के लिए अलग मार्ग निर्धारित किया गया है। ऐसे वाहन सेंट मेरी स्कूल के पेट्रोल पंप से बोदा-आंवलाझरी होते हुए नवनिर्मित गिट्टीकृत मार्ग से रेलवे क्रॉसिंग चौकी-1 (डॉ. शिशिर खरे, बैहर रोड) पहुंचेंगे। यहां से बैहर मुख्य मार्ग होते हुए बस स्टैंड एवं नगर में प्रवेश कर सकेंगे। वहीं, नैनपुर रोड से बालाघाट की ओर आने वाले दोपहिया वाहनों के लिए भटेरा चौकी पंप हाउस गली से नवनिर्मित चौकी-1 लेवल रेलवे क्रॉसिंग होते हुए बैहर-बालाघाट मुख्य मार्ग तक पहुंचने की वैकल्पिक व्यवस्था की गई है।

यात्री बसों के लिए अस्थायी बस स्टैंड

नैनपुर की ओर से बालाघाट आने वाली यात्री बसों के संचालन एवं पार्किंग के लिए महर्षि स्कूल के सामने अस्थायी बस स्टैंड निर्धारित किया गया है। यात्री बसों को इसी निर्धारित स्थान पर अस्थायी रूप से पार्क किया जाएगा। प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि रेलवे ओवरब्रिज निर्माण अवधि के दौरान निर्धारित डायवर्सन मार्गों का पालन करें और बंद रेलवे क्रॉसिंग से आवागमन का प्रयास न करें, ताकि निर्माण कार्य सुरक्षित एवं सुचारु रूप से पूरा हो सके।

आईडीबीआई बैंक के निजीकरण के विरोध में 2 और 3 नवंबर को देशव्यापी हड़ताल

बैंक कर्मचारियों और अधिकारियों ने दो दिवसीय आंदोलन का किया ऐलान, यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस और ऑल इंडिया बैंक एम्प्लॉइज एसोसिएशन का समर्थन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। आईडीबीआई बैंक के निजीकरण के प्रस्ताव के विरोध में बैंक कर्मचारियों और अधिकारियों ने 2 एवं 3 नवंबर 2026 को दो दिवसीय देशव्यापी हड़ताल का आह्वान किया है। सोमवार और मंगलवार को प्रस्तावित इस हड़ताल को यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) और ऑल इंडिया बैंक एम्प्लॉइज एसोसिएशन (एआईबीईए) सहित बैंकिंग क्षेत्र के विभिन्न कर्मचारी संगठनों का समर्थन मिला है। कर्मचारी संगठनों ने निजीकरण की प्रक्रिया वापस लेने और इस निर्णय की संसदीय समीक्षा कराने की मांग उठाई है। यूनियनों का विरोध केंद्र सरकार और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) की आईडीबीआई बैंक में हिस्सेदारी बेचने की प्रस्तावित योजना को लेकर है। जानकारी के अनुसार सरकार और एलआईसी की कुल 60.72 प्रतिशत हिस्सेदारी कनाडा की कंपनी फेयरफैक्स फाइनेंशियल होल्डिंग्स को करीब 52,878 करोड़ रुपये में बेचने का प्रस्ताव है, जिसे केंद्रीय कैबिनेट से मंजूरी मिल चुकी है। इसी प्रस्ताव के खिलाफ कर्मचारी संगठन लामबंद हुए हैं और दो दिन कामकाज बंद रखकर अपना विरोध दर्ज कराने की तैयारी में हैं। बैंक कर्मचारी संगठनों का कहना है कि निजीकरण का फैसला केवल बैंक के स्वामित्व में बदलाव तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे कर्मचारियों के भविष्य और बैंकिंग व्यवस्था से जुड़े कई महत्वपूर्ण पहलुओं पर असर पड़ने की आशंका है। यूनियनों ने बैंक में कार्यरत 20 हजार से अधिक कर्मचारियों की नौकरी की शर्तों, पेंशन और आरक्षण संबंधी व्यवस्थाओं को लेकर चिंता जाहिर की है। संगठनों की मांग है कि निजीकरण की प्रक्रिया पर पुनर्विचार किया जाए और इससे जुड़े सभी पहलुओं को संसद के सामने रखकर समीक्षा कराई जाए। वहीं, सरकारी विभाग डीआईपीएएम की ओर से यह आश्वासन दिया गया है कि शेयर खरीद समझौते (एसपीए) के तहत कर्मचारियों की मौजूदा सेवा शर्तों और पेंशन संबंधी प्रतिबद्धताओं को सुरक्षित रखा जाएगा। दूसरी ओर बैंक प्रबंधन ने यूनियनों से हड़ताल नहीं करने की अपील की है। प्रबंधन का कहना है कि लगातार दो दिनों तक बैंकिंग कामकाज उप रहने से न केवल शाखाओं की सेवाएं प्रभावित होंगी, बल्कि आम ग्राहकों को भी अपने जरूरी वित्तीय कार्यों के लिए परेशानी उठानी पड़ सकती है। हड़ताल का सीधा असर आईडीबीआई बैंक की शाखाओं में होने वाले नियमित कामकाज पर पड़ने की संभावना है। 2 और 3 नवंबर को नकद जमा, निकासी, चेक क्लियरिंग, ड्राफ्ट सहित अन्य काउंटर सेवाओं में बाधा या देरी हो सकती है। ऐसे ग्राहक जिन्हें बैंक शाखा में जाकर कोई जरूरी काम कराना है, उन्हें असुविधा का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि, बैंक की ओर से जारी ग्राहक सलाह के अनुसार इंटरनेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग, यूपीआई और एटीएम जैसी डिजिटल सेवाएं सामान्य रूप से उपलब्ध रहने की उम्मीद है। बैंक ने यह भी जानकारी दी है कि हड़ताल की अवधि में ग्राहक अन्य बैंकों के एटीएम से भी बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के नकदी निकाल सकेंगे। इस तरह डिजिटल माध्यमों से होने वाले लेन-देन पर हड़ताल का सीधा असर पड़ने की संभावना नहीं है, लेकिन शाखा आधारित सेवाओं के लिए ग्राहकों को इंतजार करना पड़ सकता है। इस संबंध में 1 नवंबर को अग्रणी बैंक प्रबंधक संजीव कुमार ने जानकारी साझा करते हुए बताया कि आईडीबीआई बैंक की हड़ताल को देखते हुए उपभोक्ता अपने जरूरी बैंकिंग कार्य पहले ही पूरे कर लें, ताकि हड़ताल के दौरान किसी तरह की परेशानी न हो। उन्होंने बताया कि ग्राहकों को बैंकिंग सेवाओं के उपयोग में संभावित असुविधा से बचने के लिए उपलब्ध डिजिटल माध्यमों का उपयोग करना चाहिए। जिन उपभोक्ताओं के चेक जमा करने, नकद राशि निकालने या अन्य जरूरी कार्य शाखा के माध्यम से होने हैं, वे उन्हें हड़ताल शुरू होने से पहले निपटा सकते हैं। वहीं, हड़ताल के दौरान आवश्यकता पड़ने पर इंटरनेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग, यूपीआई और एटीएम सेवाओं का सहारा लिया जा सकता है। कुल मिलाकर आईडीबीआई बैंक के निजीकरण के विरोध में होने वाली इस दो दिवसीय हड़ताल से बैंक कर्मचारियों की मांगों के साथ-साथ बैंकिंग सेवाओं और आम उपभोक्ताओं पर पड़ने वाले प्रभाव को लेकर भी चर्चा तेज हो गई है।

तेज रफ्तार पल्सर ने स्कूटी को मारी टक्कर-एक व्यक्ति घायल

ग्रामीण थाने के ग्राम लिंगा और नेतरा के बीच हुई सड़क दुर्घटना

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। ग्रामीण थाना क्षेत्र अंतर्गत लिंगा रोड पर तेज रफ्तार पल्सर मोटरसाइकिल ने स्कूटी को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में स्कूटी सवार व्यक्ति घायल हो गया। घायल व्यक्ति संजय दमाहे पिता सुखचंद दमाहे 46वर्ष ग्राम रतनारा थाना हट्टा निवासी है। उन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती कराया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार संजय दमाहे ग्रामीण थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम लिंगा और नेतरा के बीच स्थित आंजन वन में सुपरवाइजर के पद पर कार्यरत हैं। 1 नवंबर को वे अपने काम के सिलसिले में आंजन वन आए थे। इसी दौरान किसी काम से उनके मालिक किशोर सावलानी ने उन्हें बालाघाट बुलाया था बताया जाता है कि दोपहर करीब 3 बजे संजय दमाहे किशोर सावलानी से मिलने के बाद स्कूटी से वापस आंजन वन जा रहे थे। इसी दौरान ग्राम लिंगा के पास आंजन वन के गेट के सामने लिंगा की ओर से तेज रफ्तार में आ रही पल्सर मोटरसाइकिल ने उनकी स्कूटी को टक्कर मार दी। हादसे में संजय दमाहे सड़क पर गिरकर घायल हो गए।घटना की जानकारी मिलते ही आंजन वन में कार्यरत कर्मचारी मौके पर पहुंचे और



घायल संजय को मोटरसाइकिल से जिला अस्पताल बालाघाट लेकर आए। जहां उन्हें भर्ती कराया गया। जिला अस्पताल पुलिस ने घायल संजय दमाहे के बयान दर्ज कर मामले की आगे की कार्रवाई के लिए प्रकरण संबंधित ग्रामीण थाना नवेगांव भेज दिया है।

नहर के पानी को लेकर किसान पर कुल्हाड़ी से हमला-दो सगे भाइयों पर केस दर्ज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। खैरलांजी थाना क्षेत्र के ग्राम आरंभा में खेत में सिंचाई के पानी को लेकर विवाद में एक कृषक पर जानलेवा हमला करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़ित कृषक रूपचंद नगपुरे की रिपोर्ट पर दो खेत पड़ोसी दीप सिंह जचपेले और विक्की जचपेले के खिलाफ मामला दर्ज किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम आरंभा निवासी कृषक रूपचंद नगपुरे अपने परिवार के साथ खेती किसानी करते हैं जिसने अपने खेत में धान की फसल लगाई है। जिसमें नहर के पानी से सिंचाई होती है। 30 अक्टूबर की रात 10:30 बजे रूपचंद अपने बेटे धर्मेंद्र के साथ खेत देखने गया था। नहर के पास पहुंचने पर उसने देखा कि गांव के ही दीपक सिंह जचपेले और उसका भाई विक्की जचपेले उसके खेत में लगे नहर के पाइप को बंद कर रहे हैं। रूपचंद ने उन्हें पाइप बंद करने से मना किया और कहा कि उसे भी पानी की जरूरत है। इसी बात पर दोनों भाई अश्लील गालियां देने लगे। रूपचंद ने गाली देने से मना किया तो विक्की आवेश में आ गया और हाथ में रखी कुल्हाड़ी से वार कर दिया। कुल्हाड़ी का वार रूपचंद की दाहिनी भौंह के पास लगा। जिससे वह जख्मी हो गया। इसके बाद दीप सिंह ने उसे हाथ-मुक्कों से मारपीट कर जमीन पर पटक दिया। शोर सुनकर बेटा धर्मेंद्र और शिवचरण लिल्हारे ने बीच-बचाव किया।जाते-जाते दोनों आरोपियों ने रूपचंद को दोबारा पानी की बात करने पर जान से खत्म करने की धमकी दे दी।इसके बाद घायल रूपचंद बेटे के साथ खैरलांजी थाना पहुंचा। पुलिस ने उसका मेडिकल मुलाहिजा कराकर आरोपी दीपक सिंह जचपेले और विक्की जचपेले के विरुद्ध अश्लील गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।





स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट